सुविचार
सफलता हाथों की लकीरों में नहीं, माथे के पसीने में होती है।

Daily
THE PHOTON NEWS
सच के हक में...
द फोटोन न्यूज *Published from Ranchi*

12
Kareena Kapoor Clicks Perfect...

Ranchi • Sunday, 30 June 2024 • Year : 02 • Issue : 162 • Ranchi Edition • Page : 12 • Price : ₹3 • www.thephotonnews.com
E-Paper : epaper.thephotonnews.com

SHARE

सेंसेक्स	:	79,032.73
निफ्टी	:	24,010.60

SARAFA

सोना	:	6,795
चांदी	:	94.05

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

निमार्णाधीन मकान की गिरी दीवार, तीन बच्चों की मौत

NOIDA : शनिवार को दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में बड़ा हादसा हुआ है। भारी बारिश की वजह से निमार्णाधीन एक मकान की दीवार गिर गई। इसके नीचे आठ बच्चे दब गए। इनमें से तीन बच्चों की मौत हो गई। बाकी बच्चों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक थाना सूरजपुर क्षेत्रान्तर्गत खोदना गांव में निमार्णाधीन मकान की दीवार गिर गई है। इस घटना में आयशा (16), आहद (4), हुसैन (5), आदिल (8), अलफि जा (2), सोहना (12), वासील (11) और समीर (15) दब गए। मकान मालिक सगीर के मकान की दीवार गिरने से उनके ही परिवार और रिश्तेदारों के आठ बच्चे उसके नीचे दब गए। इसमें आहद, आदिल और अलफिजा की इलाज के दौरान मौत हो गई। पुलिस मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा ले रही है और यह भी पता कर रही है कि कहीं और लोग तो दीवार के नीचे दबे नहीं हैं।

ढह गई राजकोट एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर की छत

RAJKOT : शनिवार को गुजरात के राजकोट एयरपोर्ट पर बड़ा हादसा हो गया। यहां भारी बारिश के कारण राजकोट एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा टूटकर नीचे गिर गया। बताया जा रहा है कि एयरपोर्ट टर्मिनल के बाहर पैसेंजर पिकअप और ड्रॉप एरिया में कैनोपी (छतरी) गिर गई। जुलाई 2023 में इसका लोकार्पण हुआ था। गनीमत रही की हादसे के वक्त वहां कोई मौजूद नहीं था वरना दिल्ली जैसा हादसा हो सकता था। गौरतलब है की एक दिन पहले ही दिल्ली में भी ऐसा ही हादसा हुआ था। टर्मिनल-1 की छत गिरने से एक कैब ड्राइवर की जान चली गई थी। हादसे में छह लोग भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। एयरपोर्ट की छत का एक हिस्सा अचानक गिर गया था, जिसकी चपेट में आकर कई कारें दब गईं। हादसे के प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि हादसे के समय जब कारों पर लोहे के बीम गिरे तो अफरातफरी मच गई और लोग मदद के लिए चिल्लाते हुए नजर आए।

पटाखा फैक्ट्री में हुआ ब्लास्ट चार मजदूरों की गई जान

CHENNAI : शनिवार को तमिलनाडु के विरुधुनगर जिले के सत्तूर के पास एक पटाखा फैक्ट्री में अचानक विस्फोट गया। विस्फोट की चपेट में आकर फैक्ट्री में काम कर रहे 4 मजदूरों की मौत हो गई। धमाका इतना तेज था कि इसकी आवाज एक किलोमीटर दूर सुनाई थी। वहीं मजदूरों को भी भागने का मौका नहीं मिला। यह फैक्ट्री शिवकाशी के सेंगमालापट्टी में स्थित है। जानकारी के अनुसार, जिस समय फैक्ट्री में हादसा हुआ, उस समय 10 लोग काम कर रहे थे। इसमें से एक ही हालत गंभीर बताई जा रही है। हादसे की सूचना के बाद फायर ब्रिगेड और पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को अस्पताल भिजवाया।

बाबा बफार्नी के दर्शन को श्रद्धालुओं की अमरनाथ यात्रा शुरू, पहला जत्था रवाना

AGENCY SRINAGAR : बाबा बफार्नी के दर्शन के लिए हर साल होने वाली पवित्र अमरनाथ यात्रा शनिवार से शुरू हो गई। बालटाल और पहलगाम कैंप से शुक्रवार सुबह 4603 तीर्थयात्रियों का पहला जत्था गुफा के लिए रवाना हुआ था। यात्रा अनंतनाग में पारंपरिक 48 किमी लंबे नुनवान-पहलगाम मार्ग और गांदरबल में 14 किलोमीटर छोटे, लेकिन कठिन बालटाल मार्ग से गुजरेगी। श्रद्धालु कश्मीर के अनंतनाग जिले में 3 हजार 880 मीटर ऊंचाई पर स्थित बाबा बफार्नी के दर्शन करेंगे। बता दें कि जम्मू-कश्मीर के रियासी में 9 जून को श्रद्धालुओं की बस पर आतंकी हमला हुआ था, जिसमें 10 श्रद्धालुओं की मौत हो गई थी। इस घटना को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इस साल अमरनाथ यात्रा के लिए 3.50 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। 52 दिवसीय यात्रा 19 अगस्त को खत्म होगी। 26 जून से ऑफलाइन रजिस्ट्रेशन शुरू हो चुका है। पिछले साल 4.5 लाख से अधिक तीर्थयात्रियों ने गुफा मंदिर में दर्शन किए थे।

बालटाल-पहलगाम कैंप से 4603 तीर्थयात्री चले, 3,880 मीटर की ऊंचाई पर पहुंचकर देंगे अटूट आस्था का परिचय

सुरक्षा के कड़े इंतजाम, पारा मिलिट्री की 635 कंपनियां तैनात

जम्मू में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ के चलते तीर्थयात्रियों की सुरक्षा के लिए गांदरबल और पहलगाम रूट में हाई सिक्योरिटी की तैनाती है। दोनों रूट के हाई सिक्योरिटी पॉइंट्स परपुलिस की 13, एसडीआरएफ की 11, एनडीआरएफ की आठ, बीएसएफ की चार और सीआरपीएफ की दो टीमों की तैनाती है। साथ ही पारा मिलिट्री की 635 कंपनियां तैनात हैं। इस बार अमरनाथ यात्रा के रास्ते में 125 लंगर लगाए गए हैं। 6 हजार वॉलंटियर तीर्थयात्रियों की मदद के लिए तैनात किए गए हैं। सुरक्षा को मजबूत करने और ट्रैफिक की परेशानी को दूर करने के लिए उधमपुर से बनिहाल तक नेशनल हाइवे पर 10 सीसीटीवी पॉइंट बनाए गए हैं, जहां से लगातार निगरानी की जा रही है। श्राइन बोर्ड ने पहली बार बालटाल और चंदनबाड़ी में 100-100 आईसीयू बेड, एडवांस उपकरण, एक्स-रे, अल्ट्रासोनोग्राफी मशीन, क्रिटिकल केयर एक्सपर्ट, कार्डियक मॉनिटर, लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट से लैस दो कैंप अस्पताल तैयार किए हैं।

9 हजार लोगों के रुकने की व्यवस्था

गांदरबल के बालटाल और पहलगाम के नुनवान बेस कैंप में दर्शन के लिए पहुंचे तीर्थयात्रियों के लिए बेहतरीन सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। यहां रोजाना 9 हजार लोग रुक सकते हैं। दोनों यात्रा मार्गों पर 260 टॉयलेट, 120 वॉशरूम, हर 100 मीटर पर मोबाइल यूरिन पॉइंट हैं, ताकि आसानी रहे। बालटाल से 2 किलोमीटर पर दोमेल कैंप है। 5 किलोमीटर आगे बरारी मार्ग है। यहां से 4 किलोमीटर पर संगम है। यहां पहुंचते ही 80 प्रतिशत यात्रा पूरी हो जाती है। यहां से तीन किलोमीटर पर गुफा है। बालटाल से 4 किलोमीटर तक 20 फीट चौड़ी रोड है, बाद में 12 फीट रह जाती है। दोनों मार्गों पर डीआरडीओ के 100-100 बेड के अस्पताल हैं। कश्मीर के डिवीजनल कमिश्नर विजय कुमार बिधूड़ी के बताया था कि इस बार हमारा फोकस यात्री सुविधा बढ़ाने पर है। पूरे रूट पर खानपान, रुकने और हेल्थ चेकअप की ज्यादा से ज्यादा व्यवस्था की योजना बना गई हैं।

पार करते समय बढ़ा श्योक नदी का जलस्तर, फंस गया टैंक

हादसा : लद्दाख में सैन्य अभ्यास के दौरान सेना के 5 जवान शहीद

AGENCY NEW DELHI : शुक्रवार की देर रात एक बजे के करीब लद्दाख में भारतीय जवानों के साथ बड़ा हादसा हो गया। श्योक नदी में टैंक फंसने के कारण 5 जवान शहीद हो गए। लद्दाख के दौलत बेग ओल्डी इलाके में भारतीय सेना के टी-72 टैंक का सैन्य अभ्यास चल रहा था। उसी दौरान दो टैंक एक साथ श्योक नदी को क्रॉस कर रहे थे। नदी क्रॉस करते वक्त पानी का स्तर बहुत ज्यादा बढ़ गया। किसी तरह एक टैंक तो निकल गया, दूसरा टैंक श्योक नदी के अंदर ही फंस गया। इसी दौरान पहले टी-72 टैंक, जिसके अंदर एक जेसीओ और दो जवान मौजूद थे। वो पूरी तरह से पानी में डूब गए। दो और जवानों ने उन्हें बचाने की कोशिश की। इस तरह इस हादसे में जेसीओ समेत 5 जवान शहीद हो गए। जहां ये हादसा हुआ है, ये लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल के पास का बहुत ही स्ट्रेटजिक इलाका है।

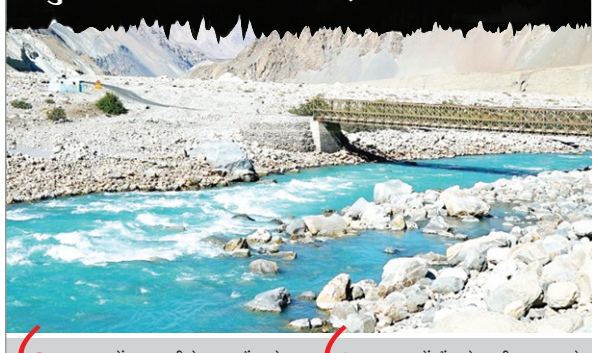

- रात के अंधेरे में लेह से 148 किलोमीटर दूर हुआ यह हादसा
- एलएसी के पास का बहुत ही स्ट्रेटजिक इलाका है घटनास्थल

"लद्दाख में एक नदी के पार टैंक ले जाते समय एक दुर्भाग्यपूर्ण दुर्घटना में हमारे पांच बहादुर भारतीय सेना के जवानों की जान जाने पर गहरा दुख हुआ। हम राष्ट्र के प्रति अपने वीर सैनिकों की अनुकरणीय सेवा को कभी नहीं भूलेंगे। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। दुख की इस घड़ी में देश उनके साथ मजबूती से खड़ा है।
राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री।

"लद्दाख में टैंक के नदी पार करने के सैन्य अभ्यास के दौरान हुए हादसे में भारतीय सेना के पांच जवानों की शहादत का समाचार अत्यंत दुखद है। सभी शहीद जवानों को विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त करता हूं। दुख की इस घड़ी में हम उनके साथ खड़े हैं। उनका समर्पण, सेवा और बलिदान देश सदा याद रखेगा।
राहुल गांधी, कांग्रेस नेता।

टी-72 में तीन लोगों के बैठने की जगह, बैठे थे पांच जवान

आमतौर पर इस टैंक पर कमांडर, एक गनर और एक ड्राइवर होता है। प्रैक्टिस के दौरान इसमें 5 जवान सवार थे। रिपोर्ट्स में यह दावा किया जा रहा है कि नदी के ऊपरी इलाके में बारिश के चलते पानी बढ़ गया। रात होने के चलते जवानों को इसका पता नहीं चल सका। टी-72 टैंक 5 मीटर (16.4 फीट) गहरी नदियों को पार करने की क्षमता रखता है। यह एक छोटे डायामीटर वाले स्नॉर्कल की मदद से नदी पार करता है। इमरजेंसी के लिए इस पर सवार क्रू के सभी सदस्यों के रीब्रीदर दिया जाता है। बता दें कि पिछले साल लेह जिले के कियारी के पास एक सेना का ट्रक सड़क से उतरकर गहरी खाई में गिर गया था। इस हादसे में एक जेसीओ सहित नौ जवान शहीद हो गए थे।

सभी जवानों की डेड बॉडी बरामद

रात के अभ्यास में पानी के अंदर से टैंक के निकालने की प्रक्रिया को फोर्डिंग कहते हैं। रात में टैंक के अभ्यास के दौरान जैसे ही जवानों ने देखा कि दूसरा टैंक पानी में डूब रहा है। उसी दौरान दो जवान पहले टैंक की तरफ भागे और उन्होंने बचाने की कोशिश की। वे सफल नहीं हो सके और वह भी डूब गए। घटनास्थल से सेना के जवानों का शव बरामद कर लिये गए हैं। सेना के अधिकारियों ने बताया कि यह घटना लेह से 148 किलोमीटर दूर हुई है। यह घटना शुक्रवार रात 1 करीब एक बजे के आसपास हुई है। सेना के सभी जवान टी-72 टैंक पर सवार थे। जवानों की पहचान रिसालदार एमआर के रेड्डी, दफादार भूपेंद्र नेगी, लांस दफादार अकदुम तैयबम, हवलदार ए खान और नागराज पी के रूप में हुई है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने हादसे पर दुख जताया है।

तेवर में दिखे हेमंत सोरेन बोले- विस चुनाव में BJP का हो जाएगा सफाया

कार्यकर्ताओं का अभिवादन स्वीकार करते पूर्व सीएम हेमंत सोरेन।

- जेल से बाहर आने के बाद पहली बार समर्थकों के बीच आए पूर्व मुख्यमंत्री
- कसा तंज, मुंगेरीलाल के हसीन सपने देखने से कुछ नहीं मिलेगा, जनता सिखाएगी सबक

PHOTON NEWS RANCHI : जमीन घोटाले से जुड़े एक मामले में ईडी की कार्रवाई की वजह से करीब पांच महीने जेल में रहने के बाद जमानत पर छूटे हेमंत सोरेन के आवास पर शनिवार को समर्थकों की भीड़ लगी रही। ढोल नगाड़े, तीर धनुष लेकर अपने नेता के स्वागत के लिए कांके रोड स्थित हेमंत सोरेन आवास पहुंचे कार्यकर्ता नृत्य-संगीत और हेमंत सोरेन जिंदाबाद के नारे लगाते रहे। कार्यकताओं के बीच पूरे तेवर में दिखे पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उन्होंने ललकारते हुए कहा कि विधानसभा चुनाव में जनता बीजेपी का सफाया कर देगी। हेमंत सोरेन ने कहा कि जानकारी मिल रही है कि समय से पहले राज्य में विधानसभा चुनाव की तैयारी की जा रही है। मेरी चुनौती भारतीय जनता पार्टी को है, जब भी चुनाव होगा भाजपा का राज्य में सूपड़ा साफ होना तय है। कांके स्थित हेमंत सोरेन के आवास के बाहर वाले गेट पर बने मंच से पत्नी कल्पना सोरेन के साथ पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने मंच से कार्यकताओं को संबोधित किया।

साजिश रचकर भेजा गया जेल

हेमंत सोरेन ने कहा कि उन्होंने राज्य के तेज विकास, आदिवासी, मूलवासी, पिछड़े, दलितों, महिलाओं के विकास के लिए जब काम करना शुरू किया तो साजिश रच कर मुझे जेल में भेज दिया। उन्होंने कहा कि अगर मुझे जेल नहीं भेजा गया होता तो पिछले 05 महीने में राज्य विकास में और आगे होता। हम विकास की गति को तेज कर रहे थे। हेमंत सोरेन ने असम के सीएम और भाजपा के विधानसभा चुनाव सह प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा के झारखंड दौरे पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने कहा कि झारखंड में बहुत सारे पर्यटक स्थल हैं, उसका आनंद उठाएं और अपने राज्य चले जाएं, यहां भाजपा का चुनाव में सफाया तय है। जेल में गुजारे दिनों को याद करते हुए हेमंत सोरेन ने कहा कि छोटे-छोटे अपराधों में लोग लंबे दोनों से जेल में बंद हैं ।यह मैंने जेल में देखा है। देश और राज्य में ऐसा बड़ा बदलाव होगा, जहां गरीब गुरबों की आवाज सुनी जाएगी। अपने संबोधन के दौरान अपने समर्थकों और पार्टी कार्यकाताओं की ओर से अब तक मिले सहयोग और समर्थन के लिए धन्यवाद दिया। कहा कि आने वाले दिनों में बड़ी लड़ाई विधानसभा चुनाव की है। आप सभी अभी से विधानसभा चुनाव की तैयारियों में जुट जाएं।

पेज 03 भी देखें।

उत्तराखंड में उफनाई गंगा, हरिद्वार में तैरते नजर आ रहे वाहन

मध्य भारत में भारी बारिश की चेतावनी, रेट अलर्ट

- दिल्ली में अगले कुछ दिन भारी बारिश का पूर्वानुमान, आईएमडी ने जारी किया ऑरेंज अलर्ट
- अरुणाचल प्रदेश के कई जिलों में भूस्खलन के कारण सड़क संपर्क टूटा

AGENCY NEW DELHI : आने वाले दिनों में उत्तर भारत में बारिश बढ़ने की उम्मीद है। पूर्वी यूपी में मानसून और आगे बढ़ गया है और अगले 2-3 दिनों में पश्चिमी यूपी और हरियाणा भी कवर हो जाएगा। उन्होंने बताया, यूपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा और पूर्वी राजस्थान के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। पूरे मध्य भारत में भारी बारिश होगी। उत्तराखंड में भारी बारिश का दौर जारी है। बारिश के कारण गंगा नदी का जलस्तर काफी बढ़ गया है। सोशल मीडिया में जो वीडियो सामने आ रहे हैं, उसमें हरिद्वार में वाहन तैरते देखे जा सकते हैं। लोगों को नदी में नहाने से बचने की सलाह दी जा रही है। उसी तरह उत्तर प्रदेश के कुछ इलाकों को भारी बारिश के कारण जल जमावा की स्थिति बन गई है। मौसम विभाग ने बताया, अरुणाचल प्रदेश और असम में अत्यधिक भारी बारिश की चेतावनी जारी की गई है। यहां के लिए रेट अलर्ट जारी किया गया है। नागालैंड, त्रिपुरा, मिजोरम और मणिपुर में भी भारी से अत्यधिक भारी बारिश होने की संभावना जताई गई है। कल तक पश्चिमी प्रायद्वीपीय क्षेत्र में बारिश बढ़ जाएगी।

एनटीए ने एनसीईटी, संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट के लिए की तारीखों की घोषणा

NEW DELHI : राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर जारी एक सार्वजनिक नोटिस में राष्ट्रीय सामान्य प्रवेश परीक्षा (एनसीईटी) 2024, संयुक्त वैज्ञानिक और औद्योगिक अनुसंधान परिषद-विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट), विश्वविद्यालय अनुदान आयोग राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा (यूजीसी नेट) जून 2024 चक्र के लिए नई तारीखों की घोषणा की है। एनटीए के अद्यतन कार्यक्रम के अनुसार, एनसीईटी 2024 परीक्षा अब 10 जुलाई 2024 को आयोजित की जाएगी। इसके बाद संयुक्त सीएसआईआर-यूजीसी नेट 25 जुलाई से 27 जुलाई 2024 तक आयोजित की जाएगी।

दिल्ली के सीएम को राउज एवेन्यू कोर्ट से झटका

14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेजे गए अरविंद केजरीवाल

AGENCY NEW DELHI : दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने आबकारी नीति से जुड़े भ्रष्टाचार मामले में मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। तीन दिन की हिरासत अवधि समाप्त होने के बाद सीबीआई ने आज उन्हें कोर्ट में पेश किया था। सीबीआई ने कोर्ट से 14 दिन की न्यायिक हिरासत की मांग की थी। जिसपर कोर्ट ने पहले अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था, बाद में सीबीआई की मांग स्विकार करते हुए दिल्ली के मुख्यमंत्री को न्यायिक हिरासत में भेज दिया। गिरफ्तार मुख्यमंत्री को दिल्ली सरकार की आबकारी नीति में

अनियमितताओं के संबंध में सीबीआई ने गिरफ्तार किया था। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 21 मार्च को केजरीवाल को धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। केजरीवाल को निचली अदालत से जमानत मिल गई थी, जिस पर दिल्ली हाई कोर्ट ने रोक लगा दी थी।

न्यायालय को लोग मंदिर समझते हैं, न्यायाधीश खुद को देवता ना समझें : सीजेआई

KOLKATA : देश के मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा है कि देश की जनता न्यायालय को मंदिर समझती है। इसका मतलब यह बिल्कुल नहीं है कि इसमें बैठने वाले न्यायाधीश खुद को देवता समझने लगें। उन्होंने कहा कि न्यायाधीशों को संवेदनशील और सहानुभूति रखने वाला बनना पड़ेगा। सीजेआई ने कलकत्ता हाई कोर्ट के बार एसोसिएशन की लाइब्रेरी के दो सौ साल पूरे होने के मौके पर एक विशेष परिचर्चा कार्यक्रम में बोल रहे थे। उनके साथ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी भी मौजूद थीं। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने कहा कि जनता कहती है कि न्यायालय न्याय का मंदिर है। ऐसे में न्यायाधीश अगर खुद को देवता समझते हैं तो यह बहुत बड़ी भूल होगी। मुझे लगता है कि न्यायाधीश जनता के सेवक हैं। वे मामलों की सुनवाई करें लेकिन अपराध के प्रति पहले से कोई धारणा तैयार न करें।

समुद्री सुरक्षा भारतीय नौसेना में 17 साल की शानदार सेवा

'सारस' हेलीकॉप्टरों को दी गई अंतिम विदाई

AGENCY NEW DELHI : शनिवार को भारतीय नौसेना ने 17 साल तक समुद्री सुरक्षा और निगरानी करने वाले 'सारस' हेलीकॉप्टरों को अंतिम विदाई दे दी। विशाखापत्तनम के आईएनएस डेगा पर हुए डी-इंडक्शन समारोह के दौरान यूएच-3एच हेलीकॉप्टर ने अंतिम उड़ान भरी। इनकी जगह अब आईएनएएस 350 में सी किंग 42सी हेलीकॉप्टरों को तैनात किया जाएगा। यादगार के रूप में इनमें से एक हेलीकॉप्टर विशाखापत्तनम में प्रमुख स्थान पर स्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा, जो भावी पीढ़ियों को प्रेरित करेगा। विशाखापत्तनम के आईएनएस डेगा पर विदाई समारोह में 17 साल की शानदार सेवा के बाद यूएच-3एच हेलीकॉप्टर को विदाई दी गई। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्वी नौसेना कमान के चीफ आफ स्टाफ स्टाफ वाइस एडमिरल समीर सक्सेना ने की। यूएच-3एच स्क्वाड्रन के अनुभवी अधिकारी और नाविक हेलीकॉप्टर की महान सेवा को याद करते हुए परिवारों के साथ इस कार्यक्रम में शामिल हुए।

- आईएनएस डेगा से इस हेलीकॉप्टर ने विदाई के दिन भरी अंतिम उड़ान
- एक हेलीकॉप्टर विशाखापत्तनम में स्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा
- इनकी जगह अब आईएनएएस 350 में सी किंग 42सी हेलीकॉप्टर होंगे तैनात

एक उल्लेखनीय युग का समापन

यादगार विदाई समारोह के जरिए उस यूएच-3एच हेलीकॉप्टर के उल्लेखनीय युग का अंत हो गया, जिसने भारतीय नौसेना में विशेष संचालन और एसएआर मिशनों में अभिनव क्षमताओं की शुरूआत की। लगातार विकसित और गतिशील समुद्री वातावरण में यूएच-3एच की परिचालन भूमिका भारतीय नौसेना विमानन के इतिहास में हमेशा के लिए दर्ज रहेगी। भारत ने अमेरिका से छह यूएच-3एच हेलीकॉप्टर 2007 में खरीदे थे, जिन्हें नौसेना के जहाज 'जलाश्व' के साथ 24 मार्च, 2009 को विशाखापत्तनम में आईएनएस डेगा पर लाया गया था। भारतीय तटों पर लाए जाने के बाद इन्हें 'सारस' नाम से आईएनएएस 350 में शामिल किया गया था।

मानवीय सहायता व आपदा राहत संचालन

इस बहुमुखी हेलीकॉप्टर ने मानवीय सहायता और आपदा राहत संचालन, अपतटीय प्रतिष्ठानों की सुरक्षा और विशेष अभियानों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। शक्तिशाली ह्यसारसह्न हेलीकॉप्टर ने अपनी प्रतिबद्धता को पूरी लगन से निभाया, सतर्क निगरानी बनाए रखी और अटूट समर्पण के साथ हमारे देश की समुद्री सीमाओं की सुरक्षा सुनिश्चित की। इसीलिए यादगार के रूप में एक सारस हेलीकॉप्टर को सिटी ऑफ डेस्टिनी में प्रमुख स्थान पर स्थायी रूप से प्रदर्शित किया जाएगा।

कविता

नरेश अग्रवाल
जमशेदपुर

विकट थी समस्या

डाकुओं ने उसे
कुछ दिन नहीं
वर्षों तक अपने साथ रखा
फिर भी डाकू न बना सके
विष न भर सके दिमाग में

गाली देना नहीं आया उसे
न दुत्कारना, न ठोकर मारना

वह अभी भी प्यार से
जी हुजूर कहता है
जिससे छीनना है
उसे दूर भगा देता
गोली की आवाज से डर जाता

हार कर उसे बेच दिया
एक बड़े साहूकार को

यहां अचानक उसका रंग बदला
दासता का भार सह न सका
डाकुओं के साथ गुजारे
दिन याद आने लगे

चमत्कार हुआ उसकी देह में
सोचने का रसायन बदला
सारे गहने लूट कर सेठ के
जा मिला डाकुओं से

चकित थे गैंग के आदमी
अब वह पहले जैसा नहीं रहा
उसके सामने के दांतों से
विष टपक रहा
आंखें भी खूंखार
मुंह से गालियां
हाथ में सेठ की लाइसेंसी पिस्तौल

विकट थी समस्या
सरदार के सामने
उसे मित्र माने या पुराना दास।।

माधवी उपाध्याय
जमशेदपुर

रिश्ते-नाते हो गए झूठे

परिवेश बदलता देख-देख,
मनवा हर पल घबराता है।
स्वयं मगन हैं दुनिया वाले,
रिश्ते-नाते हो गये झूठ।
फर्ज निभाने को ही सारे,
हाल एक-दूजे का पूछें।
निर्बल औ असहायों पर न,
ध्यान किसी का जाता है।
परिवेश बदलता देख ...!

खुद जब संकट से घिर जाएँ,
सारे रिश्ते याद आ जाएँ।
छोटे हों या बड़े सभी का,
साथ सभी ही पाना चाहें।
दंभ के ऊपर स्वार्थ का शासन
तब यूँ हावी हो जाता है।
परिवेश बदलता देख ...!

यूं तो मीत कई हैं सबके,
अपनापन छलकाने वाले।
लेकिन एक नजर न आते,
दुख में दर्द बाँटने वाले
विपदा कोई आन पड़ी तो,
भ्रम क्षण में छंट जाता है।
परिवेश बदलता देख...!

1. हमें अपना फीडबैक, सुझाव या टिप्पणियां देने के लिए दिए गए बार कोड को स्कैन करें या मेल करें।
2. आप हमें अपनी रचनाएं, कविता या आलेख भी भेज सकते हैं। जिसे हम अपने आने वाले अंक पर प्रकाशित करेंगे।

SCAN ME

Email- thephotonnewsjharkhand@gmail.com

सैलानियों की सबसे पसंदीदा जगह टाइगर फॉल

घुमक्कड़ की पाती इस जगह पर आना जितना आसान है उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। चकराता के जंगल और पहाड़ दोनों ही प्यारे हैं। दोनों में ही एक अलग तरह का सम्मोहन है। यह मेरी अब तक की घूमी सबसे शांत और खूबसूरत जगहों में से एक है। चकराता बाजार से निकलते ही जो रास्ता शुरू होता है, वह किसी जादुई दुनिया या फिर जन्नत में होने का अहसास कराता है। हम खूबसूरत जंगलों और बेहद ही शांत रास्तों से होते हुए लाखामंडल की तरफ बढ़ते हैं।

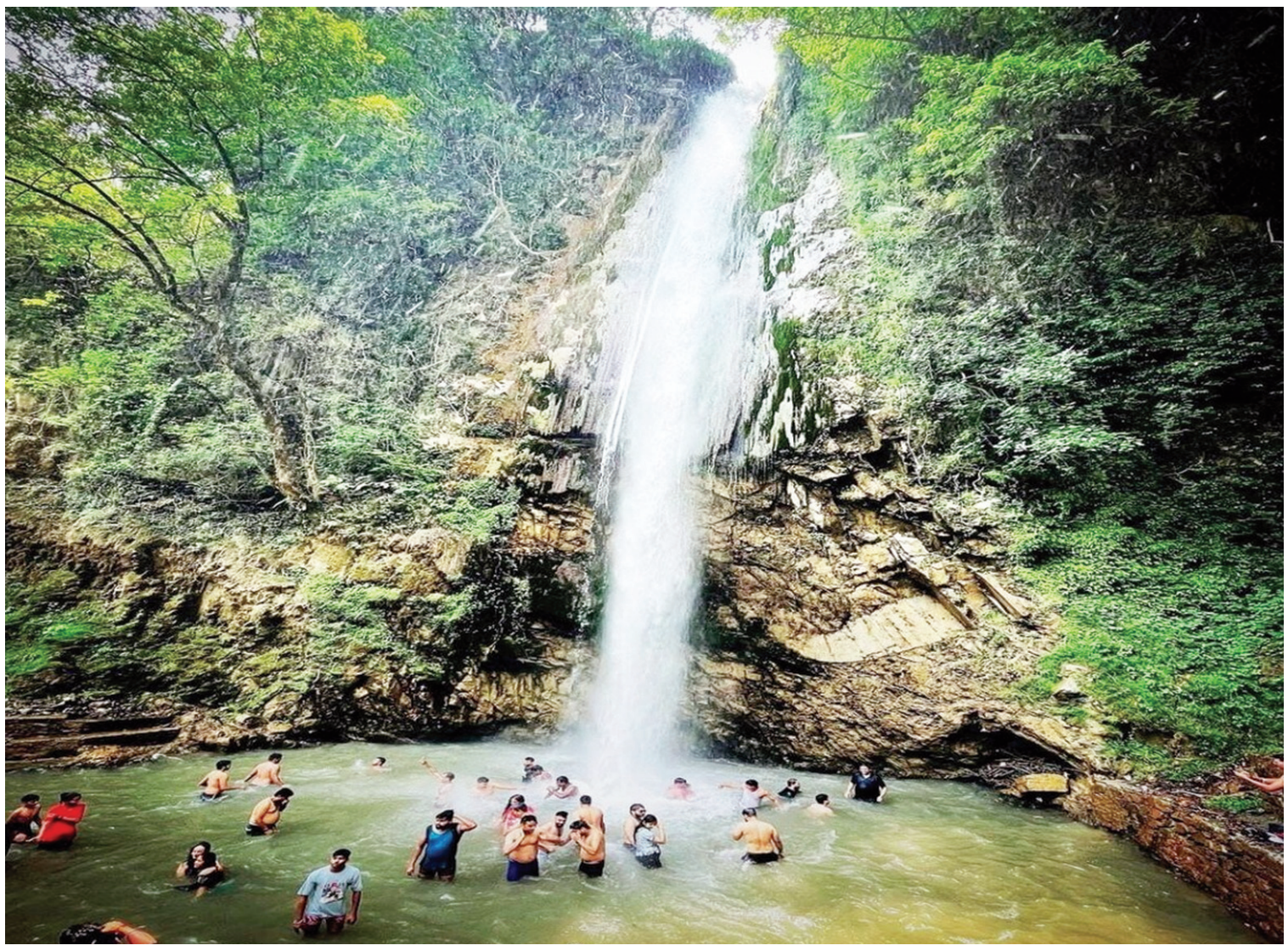

उत्तराखंड स्थित देहरादून के पास हम चकराता गए थे। यहां से निकलने के बीस किमी के बाद एक जगह आती है, जहां से टाइगर वॉटर फॉल के लिए रास्ता कटता है। यह देश के सबसे बड़े वॉटर फॉल में गिना जाता है। इस जगह से वॉटर फॉल की दूरी महज छह किमी के आसपास रह जाती है, जिसे अपने निजी वाहन अथवा पैदल पार किया जा सकता है। चकराता यात्रा के दौरान मैंने इस जगह के बारे में अनन्या को बताया तो वह मचल पड़ी। 'क्या हम इस जगह पर नहीं जा सकते?' उसने सवाल किया। मैंने कहा, 'जा सकते हैं लेकिन हमारा लक्ष्य कुछ और है। वह लक्ष्य इस जगह पर जाने के बाद पीछे छूट जाएगा।' वह बोली, 'पहले हम अपने लक्ष्य की तरफ ही बढ़ते हैं।' मैंने भी अपने आपको समझा लिया, लेकिन टाइगर फॉल के सम्मोहन से खुद को नहीं बचा पाया। मैं देर तक अपनी पिछली यात्रा के बारे में सोचता रहा। इस जगह पर पहुंचने के बाद यह मेरी ही नहीं, बल्कि आकृति की भी सबसे पसंदीदा जगह बन गई थी। उसने मुझसे कहा था कि- तुम जब भी इस जगह पर आना तो मुझे याद करना। मुझे फोन करना बिल्कुल भी नहीं भूलना। मैं उसे फोन तो नहीं कर पाया, लेकिन उसे कई बार याद किया।

इस जगह पर आना जितना आसान है उतना ही चुनौतीपूर्ण भी। चकराता के जंगल और पहाड़ दोनों ही प्यारे हैं। दोनों में ही एक अलग तरह का सम्मोहन है। यह मेरी अब तक की घूमी सबसे शांत और खूबसूरत जगहों में से एक है। चकराता बाजार से निकलते ही जो रास्ता शुरू होता है, वह किसी जादुई दुनिया या फिर जन्नत में होने का अहसास कराता है। हम खूबसूरत जंगलों और बेहद ही शांत रास्तों से होते हुए लाखामंडल की तरफ बढ़ते हैं। सड़क पर लगा बोर्ड हमें रोक देता है, जी में आता है कि क्यों न एक दिन इस झरने के साथ बिताते हैं? जो हमारे लिए सम्भव नहीं होता, लेकिन कुछ स्मृतियां हैं जो मुझे अपनी तरफ खींच लेती हैं।

मैं सच के साथ होते हुए भी अपनी स्मृतियों के रास्ते पर निकल पड़ता हूं। मुझे एक एक रास्ता याद आता है। एक-एक मोड़ भी जहां से हम मुड़े थे। वह छोटी सी दुकान, जहां हमने राजमा और चावल खाया था। फिर पैदल चलते हुए टिकट काउंटर तक पहुंचे थे। हमने टिकट लिया था और पैदल ही निकल पड़े थे। इन रास्तों पर बढ़ते हुए मन में एक डर था, साथ ही साथ एक सम्मोहन भी। एक पतला सा पहाड़ी रास्ता जब किसी घाटी में जाकर खुलता था, तो खुशी के मारे हमारी आँखें चमक जाया करती थीं। हम एक-दूसरे को देखते, खुश होते और हवा में उछलने लगते थे। फिर याद आता कि हमारी मंज़िल यह नहीं, कहीं और है। हम दोबारा एक अनजान रास्ते पर बढ़ने लगते थे।

हमारा यह साथ अभी महज कुछ दिनों का था, लेकिन ऐसा लगने लगा था कि कुछ दिनों नहीं, बल्कि कुछ महीनों का है। हम एक-दूसरे को वर्षों से जानते हैं। लेकिन यह सच नहीं था। इस दौरान हम कई बार रास्ता भटके। कई बार फिसले और अंततः रास्ते पर आ गए। थकान ऐसी कि मानों

संजय शेफर्ड
नई दिल्ली

पूरा शरीर टूट रहा हो, लेकिन कुछ दूर और कुछ दूर और करके हमने जब छह किमी का पहाड़ी रास्ता पूरा कर लिया तो एक छोटा सा पुल आया। हमने उस पुल को पार किया तो सामने जो नजारा था, उसे देखकर दिल प्रसन्नता और उन्माद से झूम उठा। ऐसा लग रहा था कि आसमान से जैसे कि कोई नदी धरती पर उतर रही हो।

झरने के गिरने की जो आवाज थी, उसमें एक उन्माद था। एक सम्मोहन जो किसी को भी अपनी तरफ खींच ले। हम दोनों के अलावा उस जगह पर कोई नहीं था। हमने अपने-अपने कपड़े उतारे और नवंबर की सर्द के बावजूद झरने में कूद पड़े। एक घंटे तक जमकर नहाया और शरीर जब सर्द से काँपने लगा तो वहाँ से निकलकर हम धूप में बैठ गए। और तब तक बैठे रहे जब तक कि देह सूख नहीं गई। आकृति ने इस जगह पर लाने के लिए शुक्रिया कहा और प्रकृति के नजारों के बीच खो गई।

नहाने के बाद मुझे जोरों की भूख लगी थी। लेकिन खाने के लिए हमारे पास नूडल्स के अलावा कुछ भी नहीं था। मैंने आकृति से पूछा चाय पियोगी? वह बोली- नेकी और पूछ-पूछ। मैंने कहा- बस थोड़ी सी लकड़ियाँ इकट्ठी करनी होगी और वह तैयार हो गई। हम दोनों ने मिलकर लकड़ियाँ जुटाई। आग जलाई, खाने के लिए नूडल्स और पीने के लिए चाय बनाया और एक दूसरे से खूब बातें कीं। कहने के लिए तो यह यात्रा बहुत ही मामूली थी, लेकिन इस जगह की खूबसूरती और इससे जुड़ा अहसास इतना गहरा था कि यह हमेशा-हमेशा के लिए हमारी स्मृतियों में बस गई। आज भी जब किसी खूबसूरत और अनजान जगह पर जाने की बात आती है तो टाइगर वॉटर फॉल का नाम मेरे जेहन में उतर आता है। इस जगह पर हमने खूब फोटोग्राफी की, जी भर के वीडियो बनाए और शाम को जब वापस लौटने की बारी आई तो आकृति ने कहा, क्या हम एक रात इस जगह पर रुक नहीं सकते? मैंने कहा- नहीं। वह बोली, एक ही रात की तो बात है? होटल में जाकर बितायें या फिर इस प्रकृति के बीच क्या ही फर्क पड़ता है।

दरअसल, वह इस जगह की खूबसूरती के सम्मोहन में थी। जंगल और जानवरों का खतरा क्या होता है, उसे मालूम नहीं था। कैम्पिंग करने का अपना एक अलहदा रोमांच होता है, लेकिन हर जगह पर कैम्पिंग नहीं की जा सकती है। हमें जगह के साथ साथ अपनी सुरक्षा का भी ख़्याल रखना पड़ता है। नहीं कह देने के बाद भी मैं हाँ की सहूलियत तलाश रहा था। आखिरकार, मुझे झरने से थोड़ी ऊँचाई पर एक सुरक्षित जगह नजर आई। साथ ही साथ कुछ लोग और उनके लगे हुए टेंट भी। मैंने आकृति की तरफ देखा और उसने मेरी तरफ। मैंने कहा, हाँ क्यों नहीं एक रात की ही तो बात है और हमने अपना टेंट लगा दिया। आग जलाई, कुछ खाने पीने का इंतजाम किया और सो गए और सुबह उठे तो ऐसा लगा कि हिमालय की सारी खूबसूरती हमारी आँखों में उतर आयी है।

व्यंग्य ■ बर्बरीक

यक्ष इन पुस्तक मेला

दिल्ली का पुस्तक मेला समाप्त हो चुका था, धर्मराज युधिष्ठिर हस्तिनापुर के अलावा इंद्रप्रस्थ के भी सम्राट थे। अचानक यक्ष प्रकट हुए, उन्होंने सोचा कि चलकर देखा जाए कि धर्मराज अभी भी वैसे हैं या बदल गए, जैसे कि मेरे सरोवर का जल पीने के समय थे। युधिष्ठिर से मिले, कुशलक्षेम हुई, उन्होंने यक्ष से कहा कि 'चलो इंद्रप्रस्थ में पुस्तक मेला लगवाना है,वहीं बातें भी हो जाएंगी 'यक्ष उनके साथ हो लिये। यक्ष नाखुश हुए उन्होंने कहा' हे धर्मराज, यदि मेरे प्रश्नों के उत्तर ना दिए तो मारे जाओगे'।

धर्मराज ने हामी भर दी। यक्ष ने पूछा

'हे राजन, जब दिल्ली में मेला लग चुका था, तब इंद्रप्रस्थ में पुस्तक मेले की क्या जरूरत थी?'

युधिष्ठिर ने कहा

'धर्मो रक्षत रक्षितः' अर्थात जिसने पुस्तक मेले में किसी की किताब दो सौ रुपये की किताब चार रुपये की उसकी कटिंग चाय पीकर खरीदी है, वो बहुत आक्रोशित है, उसे भी अपनी किताब बेचने, ऑटोग्राफ देने और सेल्फी पोस्ट करने का अवसर देना ही सामाजिक न्याय होता है, अन्यथा विद्रोह होगा। गीता का यथार्थ यही है यक्ष। यक्ष दुखी हो गए, बोले 'हे राजन, आपने मुझे पुस्तक मेले में क्यों नहीं बुलाया, मैं धन्य होते-होते रह गया, अब भी घुमा दो, देख लूं जाती हुई बहार को'। धर्मराज अपने साथ लेकर मेले के स्थान पर पहुंचे। अंदर घुसते ही महिलाओं- पुरुषों का एक दल नजर आया। ये सब एक-दूसरे को किताबें दे रहे थे, और अपना सामान लेकर सरस्वती की मूर्ति को प्रणाम करके विदा ले रहे थे। यक्ष ने पूछा 'हे राजन, ये लोग कौन हैं क्या कर रहे हैं?'

धर्मराज ने कहा 'हे यक्ष, ये सब हिंदी के लेखक-लेखिकाएं हैं जो विभिन्न शहरों से दिल्ली आए थे पुस्तक मेले में। ये अपनी उपेक्षा से हताश हैं, फटेहाल हैं, फिर भी सरस्वती की मूर्ति को प्रणाम कर-के एक दूसरे को अपनी पुस्तकें दे रहे हैं और अपने घर जा रहे हैं'। यक्ष की आँख नम हो गई, उसने हाथ जोड़कर सरस्वती की मूर्ति और उन सभी को प्रणाम किया। थोड़ा आगे बढ़ने पर एक बहुत खूबसूरत पोस्टर नजर आया, जिसमें एक दिव्य सुंदरी की चमचमाती फोटो लगी थी, फोटो के नीचे एक जनाना बैठी विलाप कर रही थी। उस जनाना के सिर में बाल नहीं थे, बगल में विग पड़ी थी। आगे के दो दांत टूटे हुए थे, नकली दांतों का सेट पड़ा हुआ था। उसके कीमतों वस्त्रों और

दिलीप कुमार

आभूषणों का किराया मांगने वाले उसे हड़का रहे थे और वो मरियल सी जनाना गुमसुम थी।

यक्ष ने पूछा 'हे राजन, ये तस्वीर किसकी है, और वो जनाना कौन है'? धर्मराज ने ठंडी साँस लेते हुए बताया 'हे राजन ऊपर जो दिव्य सुंदरी का पोस्टर लगा है, नीचे वही जनाना बैठी है, ये नई वाली हिंदी है, जो उधार के बिंबों पर चलती है। उसका सच उसके पोस्टर के ठीक नीचे है। तब तक हिंदी ने नई वाली हिंदी की तरफ पीठ फेरते हुये कहा

'वो शख्स जिसका कद मेरे कद से बड़ा था

वो शख्स किसी और के पैरों पर खड़ा था।'

नई वाली हिंदी ने हिंदीं से कहा-मैं क्या करूं, मेरा दर्द ये है कि

'क्षमा करो हे वत्स, और देवी, समय आया है ऐसा

दो अक्षर लिखते ही लेखक कहते हैं निकालो पैसा'

अब आप ही बताएं यक्ष और धर्मराज बिना अश्रु, स्वेद और पर्याप्त तैयारी के बल पर सिर्फ बिक्री के गुरों पर फोकस होगा तब मेरा यही अंजाम होगा, इस गाय से पहले दिन सबको दूध चाहिये, मगर घास काटने का दर्द कोई नहीं लेना चाहता, हे यक्ष यही हाल रहा तो मैं आपके सरोवर का जल आकर पी लूंगी। तब इन लेखक लेखिकाओं की तपस्या के बाद ही आप मुझे जीवित करना।

यक्ष और युधिष्ठिर ने तब तक देखा कि एक स्थान पर जल का छिड़काव हो रहा है, धुंआ निकल रहा है और पात्र में जल डाल रहे हैं सब। यक्ष ने हर्षित होते हुए कहा' धर्मराज ये साधुओं का दल देखकर मन हर्षित हो गया। कलियुग में भी यज्ञ हो रहा है, धूम्र देखो, एक ही पात्र में सब जल पी रहे हैं कैसा उत्तम आदान-प्रदान है, सर्वत्र बन्धुत्व का, कौन हैं ये लोग'।

युधिष्ठर ने तनिक सकुचाते हुए कहा

'ये यक्ष, तथापि सबकी जटा पीछे से समान दिख रही है, फिर भी उनमें कुछ पुरुष हैं और कुछ नारियां हैं। जो धूम्र है वो यज्ञ का नहीं अपितु चिलम और सिगरेट की है, पात्र नहीं वो दारू की बोतल है, जिसे सब बिना भेद भाव के बारी-बारी से पी रहे हैं और ये सब जंबो द्वीप में मुखर्जीनगर नामक स्थान का खुद को बताते हैं, यद्यपि उस स्थान से इनके होने का कोई प्रमाण नहीं क्योंकि वो पढ़ने लिखने वालों की जगह है'।

थोड़ा आगे बढ़ने पर देखा कि एक महिला एक ऊंची कुर्सी पर बैठी थी। उसके पैरों के पास एक छोटी बच्ची रो रही थी। उसकी गोद मे एक काल्पनिक बच्ची थी। वो महिला अट्टहास करके हंस रही थी। महिला बार-बार अपने पैरों के पास वाली बच्ची को लात से मारती और गोद वाली काल्पनिक बच्ची को दुलारती।

यक्ष की जिज्ञासा देखकर युधिष्ठिर ने बताया 'ये महिला नानी है, उस बच्ची की, जो अपनी सगी बच्ची को लात मार रही है और गोद की उस काल्पनिक बच्ची को लाड़-दुलार कर रही है जो वास्तव में है ही नहीं, 'यक्ष ने कहा' कौन है वो काल्पनिक बच्ची?

'एक पिलपिला शख्स बोला'

'वो काल्पनिक बच्ची लघुकथा है,और मैं बदनसीब इसका पति

इस खातून को गर बनाया है तूने ए खुदा

तो तू ही मेरा खुदा हो मुझे मंजूर नहीं'।

कोई कुछ बोलता तब तक बचाओ- बचाओ की आवाज आई, सब दौड़ कर वहां पहुंचे तो देखा, एक बूढ़ा आदमी एक जवान आदमी का हाथ ऐंठे हुए कह रहा था' रॉयल्टी दो, रॉयल्टी दो'। लोगों ने उन्हें अलग किया। बूढा आदमी दमा का मरीज था। मगर च्यवनप्राश खा रहा था। यक्ष ने पूछा 'मामला क्या है'

युधिष्ठिर ने कहा- ' इस लेखक ने इन बुजुर्ग पर किताब लिखी है, अब ये लेखक से रॉयल्टी मांग रहे हैं और लेखक कह रहा है, बड़े मियां किताब तो बिकने दो तब दूंगा, लेकिन बुजुर्गवार को चैन नहीं'। यक्ष ने कहा- 'लेखक कौन है, किताब कौन सी है और बुजर्ग कौन हैं'

युधिष्ठिर ने कहा 'लेखक रूपेश दुबे हैं, किताब का नाम है बोल बच्चन'।

यक्ष ने हंसते हुए कहा, 'और ये बुजर्ग कौन हैं जिन पर किताब लिखी गयी है और रॉयल्टी माँग रहे हैं'।

युधिष्ठिर धीरे से हंस पड़े और धीरे से बोले 'अमिताभ बच्चन'।

BRIEF NEWS

30 तीर्थयात्रियों का जत्था अमरनाथ दर्शन को रवाना

RANCHI : बाबा अमरनाथ की यात्रा के लिए शनिवार को हटिया से जय भोले के नारे के साथ 30 तीर्थयात्रियों का जत्था रवाना हुआ। इस दौरान सभी तीर्थयात्री काफी उत्साहित नजर आये। यह जत्था एक जुलाई को बाबा बफार्नी के दर्शन करेगा। इसके बाद सभी लोग श्रीनगर के श्री शंकराचार्य मंदिर, माता वैष्णो देवी और शिव खोड़ी के दर्शन करते हुए आठ जुलाई को रांची लौटेंगे। कुल 30 तीर्थयात्रियों के जत्थे में अजय शंकर कुमार, संतोष वर्मा, रमेश सोमानी, दिलीप सिंह, अरुण कुमार, किशोर कुमार चौबे, धर्मेंद्र, रामकेश्वर महतो, आशीष, विजय, अजय साह, सृष्टी, आरुषी, अंकिता, मीना देवी, सूरज प्रसाद, कृष्णा, कन्हैया, सुनील, अजित, प्रमेश्वर, राहुल, विकाश, अंकित राज, श्रेया, सारिका, अमीता देवी, अक्षत और पवन आदि शामिल हैं। इस वर्ष अमरनाथ यात्रा 29 जून से आरंभ हुई है, जो 19 अगस्त तक चलेगी।

मुख्यमंत्री से मिले पोटका विधायक संजीव सरदार

RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से शनिवार को बूटी रोड, मोरहाबादी रांची स्थित आवास में पोटका विधायक संजीव सरदार ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को विधायक संजीव सरदार ने पोटका विधानसभा क्षेत्र के जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए उनके निराकरण का आग्रह किया। मुख्यमंत्री से उन्होंने पूर्वी सिंहभूम जिले में सर्वेक्षण के आधार पर जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के संवर्द्धकरण के लिए चिह्नित विद्यालयों में जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के माचेत और मास्टर चयन प्रक्रिया में आ रही विसंगतियों को दूर करने का भी निवेदन किया है। मुख्यमंत्री ने सभी समस्याओं को प्राथमिकता के तौर पर निदान किए जाने का भरोसा उन्हें दिया है।

हूल दिवस पर सिद्धू-कान्हू को श्रद्धांजलि देगी आजसू

RANCHI : हूल दिवस पर रविवार को आजसू पार्टी सिद्धू-कान्हू पार्क, रांची स्थित शहीद सिद्धू-कान्हू की प्रतिमा पर प्रातः दस बजे माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करेगी। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में आजसू पार्टी केंद्रीय समिति, रांची जिला समिति, रांची जिला महिला समिति, रांची महानगर समिति, रांची महानगर महिला समिति, युवा आजसू, आजसू छात्र संघ, आजसू बुद्धिजीवी मंच तथा अधिवक्ता संघ के पदाधिकारी शामिल होंगे।

जेनेटिक अस्पताल मामले में जांच के दिए आदेश

RANCHI : राज्य के स्वास्थ्य मंत्री बन्ना गुप्ता ने जेनेटिक अस्पताल के अमानवीय कृत्य का संज्ञान लिया है। उन्होंने शनिवार को स्वास्थ्य सचिव को तीन दिनों के अंदर मामले की जांच कर रिपोर्ट देने का आदेश दिया है। विभागीय रिपोर्ट के आधार पर जेनेटिक अस्पताल पर कार्रवाई की जायेगी। इसके पहले झारखंड हाई कोर्ट ने मामले में संज्ञान लिया है। हाईकोर्ट के जस्टिस आर मुखोपाध्याय और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने संज्ञान लेते हुए स्वास्थ्य सचिव को मामले की जांच कर रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया है।

कांके स्थित अपने आवास पर पूर्व सीएम ने कार्यकर्ताओं को किया संबोधित

झारखंड का खून चूस रही है बीजेपी, आपस में लोगों को लड़ाना इनका काम : हेमंत सोरेन

PHOTON NEWS RANCHI : शनिवार को पूर्व मुख्यमंत्री और झामुमो के कार्यकारी अध्यक्ष हेमंत सोरेन ने कांके स्थित अपने आवास में कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि भाजपा का काम सिर्फ आपस मे लोगों को लड़ाना है। इसलिए देश की जनता ने 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जबरदस्त लाठी मारी है, लाठी भी न टूटी और उनको दर्द भी हो रहा है। भाजपा सिरिंज से झारखंड के लोगों का खून चूस रही है और भाजपा ने सभी संवैधानिक संस्थाओं को मुट्ठी में कर रखा है। देश मे सबसे बड़ी अदालत जनता की है। भाजपा ने मजबूरी में कुछ राज्यों में आदिवासी मुख्यमंत्री बनाया है लेकिन वे रबर स्टांप हैं, आदिवासियों पर जुल्म के खिलाफ वह बोल भी नहीं सकते। हेमंत सोरेन ने कहा कि मूलवासी और आदिवासी एक होकर अपने पूर्वजों का सपना पूरा करेंगे, मनुवादी और सामंतवादी सोच को दफन करने का वक्त आ गया है।

रिहाई पर केंद्रीय सरना समिति ने मनाया जश्न

शुक्रवार को पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को झारखंड हाईकोर्ट से जमानत मिलने के बाद शनिवार को केंद्रीय सरना समिति ने सैकड़ों आदिवासियों के साथ मिलकर अल्बर्ट एक्का चौक पर पटाखा फोड़कर व मिठाई बांटकर जश्न मनाया। केंद्रीय सरना समिति के अध्यक्ष अजय तिर्की ने कहा कि सीएम की रिहाई के बाद आदिवासी समाज में खुशी दिखाई दी। रांची विश्वविद्यालय परिसर में सैकड़ों आदिवासी समाज एकजुट हुए। ढोल-नगाड़ा बजाया। झूमते, नाचते-गाते अल्बर्ट एक्का चौक पहुंचे। वहा अल्बर्ट एक्का की प्रतिमा का माल्यार्पण किया गया और सभा को संबोधित किया। कहा कि झारखंड के चाहता आदिवासी मुख्यमंत्री को झूठा षड्यंत्र के तहत पांच महीने तक जेल भेज दिया है। वही न्यायपालिका ने निर्दोष साबित करते हुए रिहा कर दिया। भाजपा चाहती है कि झारखंड में आदिवासी सीएम न बने। आज की केंद्रीय सरना समिति द्वारा गरीबों के बीच भोजन वितरण कर जश्न मनाया। वही अजय तिर्की ने पूर्व सीएम से मिलकर बधाई दी।

हर दिन लोग जेल जाते हैं, जमानत मिलती है, यह देखना भाजपा का काम नहीं : हिमंता बिस्वा सरमा

PHOTON NEWS RANCHI : असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा एक दिवसीय दौरे पर शनिवार को झारखंड पहुंचे। उन्होंने हेमंत सोरेन की जमानत पर कहा कि हर दिन कई लोग जेल जाते हैं और हर दिन कई लोगों को जमानत मिलती है। इसका अकाउंटिंग करना भाजपा का काम नहीं है। यहां तो भ्रष्टाचार चरम पर है। आपराधिक घटनाएं बढ़ीं हैं। पेपर लीक हो रहे हैं। हिमंत ने कहा कि झारखंड में हुए लोकसभा चुनाव में लोगों ने भाजपा के पक्ष में वोट देकर आखिर क्या मैसेज दिया। लोगों ने बताया कि वह यहां की सरकार से खुश नहीं है। उन्होंने कहा कि संथाल में घुसपैठ और लव जिहाद को रुकवाना भाजपा की प्राथमिकता है। कोई गलत तरीके से घुसपैठ कर यहां की आदिवासी लड़कियों से शादी ना करे। इसे रोकना है। भाजपा के मेनिफेस्टो में इस मुद्दे को शामिल किया जायेगा। रांची पहुंचते ही हिमंत बिस्व सरमा ने दुमका लोकसभा सीट से भाजपा की प्रत्याशी रहीं सीता सोरेन के आवास पर उनसे मुलाकात की। हिमंत के साथ नेता प्रतिपक्ष अमर कुमार बाउरी और राज्यसभा सदस्य दीपक प्रकाश मौजूद थे। इसके बाद उन्होंने लोहरदगा लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार रहे समीर उरांव से भी मुलाकात की। उल्लेखनीय है कि सीता सोरेन ने अपनी हार के लिए भाजपा के बड़े नेताओं और विधायक को जिम्मेदार ठहराया था। उन्होंने भाजपा की पूर्व मंत्री लुईस मरांडी और सारठ विधायक रणधीर सिंह पर विश्वासघात करने का आरोप लगाया था। सीता सोरेन ने कहा था कि चुनाव में भाजपा के संगठन की जो मजबूती है, वह देखने को नहीं मिली।

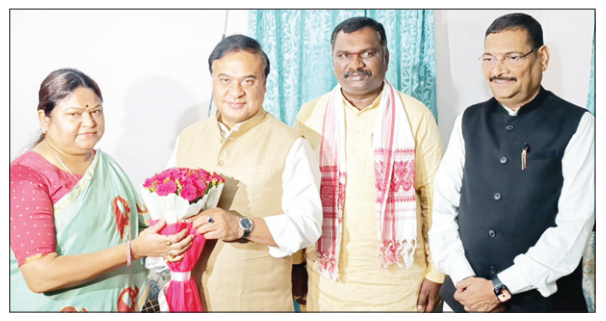

हिमंता बिस्वा सरमा को बुके देकर स्वागत करते भाजपा नेता। ● फोटोन न्यूज

आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को छोड़ा नहीं जाएगा : चम्पाई

PHOTON NEWS RANCHI : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन से शनिवार को फेडरेशन ऑफ झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स तथा सोना-चांदी व्यवसायी समिति के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात कर ज्ञापन सौंपा। उन्होंने मुख्यमंत्री को राजधानी रांची में हो रही लूट, छिनैती एवं डकैती जैसी आपराधिक घटनाओं से अवगत कराते हुए उसे नियंत्रित करने के लिए समुचित कदम उठाने का आग्रह किया।मुख्यमंत्री ने प्रतिनिधिमंडल से कहा कि राज्य के पुलिस महानिदेशक को अपराध नियंत्रण के लिए कड़े निर्देश दे दिए गए हैं। उन्हें घटित आपराधिक घटनाओं का खुलासा कर उसमें संलिप्त अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार विधि-व्यवस्था को हर हाल में बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री से मुलाकात करने वालों में झारखंड चैंबर्स ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष किशोर मंत्री, महासचिव परेश गट्टानी, कार्यकारिणी सदस्य प्रवीण लोहिया औ? रोहित पोद्दार, पूर्व अध्यक्ष कुणाल आजमानी तथा सोना-चांदी व्यवसायी समिति के डॉ दिलीप सोनी, रवि कुमार पिंटू और जितेंद्र कुमार वर्मा शामिल थे।

सीएम से मिलते चैंबर्स ऑफ कॉमर्स व सोना-चांदी व्यवसायी समिति के सदस्य।

डीसी ने विशेष अभियान चला कर दिया कार्रवाई का निर्देश

PHOTON NEWS RANCHI :

- जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित
- अवैध खनन व भंडारण की रोकथाम के लिए की समीक्षा

उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा की अध्यक्षता में शनिवार को अवैध खनन के रोकथाम के लिए जिलास्तरीय टास्क फोर्स समिति की बैठक आयोजित की गयी। बैठक में उपायुक्त ने अवैध खनन, परिवहन एवं भण्डारण के रोकथाम के लिए की गई कार्रवाई की समीक्षा की । जिला खनन पदाधिकारी के जरिये बताया गया कि रांची जिलान्तर्गत वित्तीय वर्ष 2024-25 में 26 जून तक अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण को लेकर विभिन्न थानों में 75 अभियुक्तों के विरुद्ध 13 प्राथमिकी दर्ज की गई है और 31.55 लाख जुमार्ना भी वसूला गया है। उन्होंने अनुमण्डल पदाधिकारी सदर एवं बुण्डू को निर्देश दिया कि जिला के सभी अंचलाधिकारी एवं संबंधित थाना प्रभारी के सहयोग से विशेष अभियान चलाकर अंचलों में अवैध खनन, परिवहन, भण्डारण पर पूर्णतः रोक सुनिश्चित करें। जिलान्तर्गत विभिन्न विभागों से अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्रों एवं विभिन्न समाचार पत्रों में अवैध खनन, भण्डारण एवं परिवहन के विरुद्ध प्रकाशित समाचार के बाबत जिलास्तरीय खनन टास्क फोर्स समिति के सदस्यों को समन्वय स्थापित कर यथाशीघ्र सघन छापामारी अभियान चलाते हुए नियमानुसार कार्रवाई करने का निर्देश उपायुक्त ने दिया।

डीपी ज्वेलर्स में लूट मामला

व्यवसायियों ने निकाला मार्च, बंद रखी दुकानें

शहर में आपराधिक घटनाओं को लेकर नारेबाजी करते व्यवसायी।

PHOTON NEWS RANCHI : रांची के डीपी ज्वेलर्स में हुई लूट की घटना को लेकर सोना चांदी व्यवसायी समिति के बैनर तले शहर के व्यवसायियों ने शनिवार को विरोध मार्च निकाला। साथ ही घटना के विरोध में शहर के सभी ज्वेलरी दुकानें बंद रखी । सभी व्यवसायी अपर बाजार स्थित गांधी प्रतिमा के पास जुटे और विरोध स्वरूप काली पट्टी बांधकर शहर भर में मार्च किया। व्यवसायियों ने घटना का विरोध किया और रांची पुलिस को दो दिनों के अंदर अपराधियों को गिरफ्तार करने का अल्टीमेटम दिया। सोना चांदी व्यावसायी समिति के रवि कुमार सिंकु ने कहा कि शहर में दो बड़ी लूट की घटनाओं को अंजाम दिया गया है । इससे पहले रांची के पंडरा इलाके में एक ज्वेलर्स से लूट हुई थी और उसमें शामिल अपराधी अभी तक पकड़े नहीं गए हैं, वहीं अब एक और लूट की घटना को अंजाम दिया गया है। जिला प्रशासन पूरी तरह से फेल है। जल्द से जल्द अपराधियों को गिरफ्तार किया जाए। वहीं, दूसरी ओर विरोध मार्च में शामिल कांग्रेस महानगर अध्यक्ष कुमार राजा ने कहा कि लूट की घटना में शामिल अपराधियों को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। उल्लेखनीय है कि शुक्रवार को रांची के जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में शुक्रवार की शाम अपराधियों ने लगभग एक करोड़ 40 लाख रुपये के जेवरात लूटकर फरार हो गए। इस दौरान अपराधियों ने ज्वेलरी शॉप के मालिक ओम वर्मा को भी गोली मार दी थी।

एसएसपी ने दो सब इंस्पेक्टर सहित सात पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में हुई लूटकांड मामले में शनिवार को एसएसपी चंदन कुमार सिन्हा ने कार्य में लापरवाही बरतने वाले जगन्नाथपुर थाना के दो सब इंस्पेक्टर पंकज कुमार और शैलेंद्र सिंह सहित सात पुलिसकर्मियों को सस्पेंड कर दिया है। इसमें वायरलेस पुलिसकर्मी भी शामिल है। इसके अलावा बाकी जमादार और सिपाही स्तर के पुलिसकर्मी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि जगन्नाथपुर थाना क्षेत्र के बिरसा चौक के पास स्थित डीपी ज्वेलर्स में अपराधियों ने एक करोड़ 40 लाख रुपये के जेवरात और तीन लाख रुपये नगद लूटकर फरार हो गए थे। इस दौरान जेवर दुकान के मालिक ओम वर्मा को लूट के दौरान अपराधियों ने गोली मार दी थी।

अलकतरा घोटाले के मामले में तीन दोषियों को तीन-तीन साल की सजा

PHOTON NEWS RANCHI : अलकतरा घोटाला के 25 साल पुराने मामले में सीबीआई के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने शनिवार को फैसला सुनाया। मामले के आरोपित तत्कालीन जूनियर इंजीनियर विवेकानन्द चौधरी, कुमार विजय शंकर और विनोद कुमार मंडल को सीबीआई की विशेष कोर्ट ने दोषी पाते हुए तीन-तीन साल की सजा सुनाई है। साथ ही अदालत ने सभी पर 50-50 हजार रुपये का जुमार्ना भी लगाया है। जुमार्ना नहीं देने पर सभी को तीन-तीन माह की अतिरिक्त सजा काटनी होगी। यह घोटाला तत्कालीन बिहार सरकार में वर्ष 1992-93 से लेकर 1997 तक जारी रहा।

संजीव लाल की जमानत पर अगली सुनवाई छह को

टेंडर घोटाला मामले में आरोपित पूर्व मंत्री आलमगीर आलम के पीएस संजीव लाल की जमानत याचिका पर शनिवार को धन-शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) कोर्ट में सुनवाई हुई। मामले में जवाब दाखिल करने के लिए ईडी ने कोर्ट से समय की मांग की। पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश पीके शर्मा की अदालत ने ईडी को समय देते हुए अगली सुनवाई की तिथि छह जुलाई निर्धारित की है। टेंडर घोटाला मामले में ईडी ने कार्रवाई करते हुए छह मई को कई स्थानों पर छापेमारी की थी। संजीव लाल के नौकर जहांगीर के घर से ईडी ने 35.23 करोड़ रुपये नकदी बरामद किए थे जबकि संजीव लाल के करीबी बिल्डर मुन्ना सिंह के यहां से तीन करोड़ रुपये बरामद हुए थे।

कांके प्रखंड में 200 छात्राओं के बीच बांटी गईं नि:शुल्क साइकिलें

PHOTON NEWS KANKE : प्रखंड मुख्यालय समीप विधायक समरी लाल वीडीओ विजय कुमार, प्रमुख सोमनाथ मुंडा, उप प्रमुख अंजय बैठा सहित जनप्रतिनिधियों ने सरकारी स्कूलों में अध्यनरत 200 छात्राओं के बीच सरकार द्वारा प्रदत्त साइकिल का वितरण किया। उप प्रमुख अंजय बैठा ने बताया कि समेकित जनजाति विकास अभिकरण रांची द्वारा वर्ष 23--24 के लिए यह साइकिल मिली थी। इन सभी साइकिलों को कक्षा 8 में अध्यनरत एसटी, एससी, अल्पसंख्यक और पिछड़ा वर्ग के छात्र-छात्राओं को निःशुल्क वितरण किया गया। साइकिलें राजकीय मध्य विद्यालय हुसिर, होचर, अरसंडे व सुकुरहुटू गांव के छात्राओं को दिया गया। पूरे प्रखंड में कुल 1322 से भी अधिक साइकिलों का वितरण किया जाना है। इसके लिए सभी विद्यालयों से लाभार्थी छात्राओं की सूची प्रखंड कार्यालय द्वारा मंगाई गई है। सभी साइकिलों का वितरण कार्यक्रम आयोजित कर प्रखंड कार्यालय द्वारा शीघ्र वितरित कर दी जाएगी। साइकिल मिलने से छात्राओं के चेहरे पर मुस्कान देखी गई। साइकिल वितरण कार्यक्रम में जिला परिषद सदस्य किरण देवी, पंचायत समिति सदस्य लालचंद सोनी, कल्याण पदाधिकारी ऐनुल हक, शिक्षा पदाधिकारी सुरेश चौधरी, कृषि पदाधिकारी नंदेश्वर दास जनसेवक, पंचायत सेवक सहित प्रखंड कर्मी, पंचायत प्रतिनिधिगण भी उपस्थित थे।

छात्राओं को साइकिल देते अतिथि। ● फोटोन न्यूज

राजधानी रांची सहित पूरे झारखंड में एक्टिव हो चुका है मानसून

फुहारों ने दी राहत, आज होगी झमाझम बारिश

PHOTON NEWS RANCHI : अनुमान के अनुसार, शनिवार को बारिश नहीं हुई, लेकिन सुबह से ही मौसम सुहाना रहा और दोपहर बाद फुहारों ने गर्मी से राहत दी। याद कीजिए, 21 जून को ही झारखंड में मानसून की एंट्री हो चुकी थी। शुरू में इसका कुछ असर दिखा था, लेकिन बीच में यह बिल्कुल असरहीन हो गया। अब मौसम विभाग के अनुसार शनिवार यानी 29 जून से झारखंड के सभी क्षेत्रों में मानसून सक्रिय हो चुका है। रविवार यानी 30 जून से इसका असर दिखेगा और राजधानी रांची सहित राज्य के कई इलाकों में झमाझम बारिश होगी मौसम विभाग ने बारिश तेज हवा और वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया है। बता दें कि 27 जून को भी राजधानी रांची सहित राज्य के अन्य क्षेत्रों में तेज हवा के साथ मध्यम दर्जे की बारिश हुई थी। 28 को भी बादल छाए रहे, लेकिन बारिश नहीं हुई थी। मौसम वैज्ञानित अभिषेक आनंद ने बताया कि रांची समेत राज्य के विभिन्न हिस्सों में 24 घंटों के बाद मानसून की गतिविधि बढ़ने की संभावना है। 30 जून से लेकर एक जुलाई तक तेज बारिश होने का पूवार्नुमान है। इस दौरान राज्य के सभी जगहों पर बारिश होगी। झारखंड के पलामू, संताल से लेकर कोल्हान सभी हिस्सों में पानी बरसेगा। अगले 24 घंटों के दौरान राज्य के अंदर कहीं कहीं बारिश हो सकती है। बारिश होने से राज्य के अधिकतम तापमान में तीन से चार डिग्री तक की कमी आएगी।

गुमला के भरनो में सर्वाधिक बारिश

27 जून को सबसे अधिक बारिश गुमला के भरनो में 33.0 मिमी बारिश दर्ज की गई। गढ़वा में 15.0 मिमी, पूर्वी सिंहभूम में 9.4 मिमी के साथ, गोड्डा, रामगढ़, लातेहार, हजारीबाग आदि जिलों में छिटपुट बारिश हुई। राज्य में जून के दौरान अब तक 50.4 मिमी बारिश हुई। जो सामान्य बारिश 160.2 मिमी से 69 फीसदी कम है।

अधिकतर जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में शुक्रवार और शनिवार को विभिन्न जिलों का तापमान 40 डिग्री से नीचे रहा। शुक्रवार को राज्य में सबसे अधिक तापमान मेदिनीनगर का 39.8 डिग्री दर्जी किया गया। वहीं गढवा का तापमान 38.3 डिग्री और सरायकेला का 38.1 डिग्री दर्ज किया गया। रांची का अधिकतम तापमान 33.4 डिग्री और न्यूनतम तापमान 25.2 डिग्री दर्ज किया गया। शनिवार को भी तापमान की यही स्थिति रही। मौसम विभाग के अनुसार झारखंड के लिहाज से मानसून के स्थिति में पिछले दिनों की तुलना में कोई बदलाव नहीं आया है। यह बिहार, बंगाला और अन्य राज्य के कुछ और हिस्सों में कायम हुआ है।

रेलगाड़ियों में दिखेंगी झारखंड की जनकल्याणकारी योजनाएं

PHOTON NEWS RANCHI : राज्य सरकार ट्रेनों के माध्यम से अपनी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाएगी। सरकार ने भारत के प्रमुख ट्रेनों के अंदर एवं बाहर योजनाओं एवं उपलब्धियों का प्रचार करने की योजना तय की है। इसके लिए उसने पहल भी कर दी है। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग ने इस काम के लिए योग्य एजेंसियों से निर्धारित फॉर्मेट में पांच जुलाई की दोपहर तीन बजे तक आवेदन मंगाए हैं। सभी प्राप्त आवेदनों को इसी दिन खोला भी जाएगा। वैसे पिछले वर्ष अगस्त 2023 से ही इस तरह की पहल सीमित स्तर पर की जा चुकी है। राज्य सरकार को

उम्मीद है कि देशभर में चलने वाली प्रमुख ट्रेनों की मदद से अपनी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना लाभदायक होगा। अपने राज्य के ऐसे लोग जो दूसरे राज्यों में हैं, उन तक सूचनाएं पहुंचेंगी तो वे राज्य वापस लौटकर लाभार्थी बनने का भी प्रयास करेंगे। देशभर में झारखंड की और बेहतर छवि बनाने में भी इस प्रयास का लाभ मिलेगा। महाराष्ट्र और मध्य प्रदेश सहित कई अन्य राज्यों में भी राज्य सरकारें ट्रेनों की मदद से अपनी योजनाओं, उपलब्धियों का प्रचार-प्रसार करवा रही हैं। तत्कालीन मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश के बाद ट्रेन के माध्यम से सरकार प्रवासी श्रमिकों के अधिकार एवं कल्याणार्थ योजना का प्रचार-प्रसार का काम शुरू भी कर दिया गया था। खासकर मुंबई, दिल्ली, केरल, बेंगलुरु और जम्मू जाने वाली ट्रेन के जरिए प्रचार-प्रसार का काम होने लगा था। इस रूट में जाने वाली ट्रेनों के जनरल और स्लीपर बोगी के बाहरी और भीतरी हिस्से में श्रमिकों के अधिकार और उन्हें जागरूक करने से सम्बन्धित जानकारी साझा की जाने लगी थी।

BRIEF NEWS

अर्धनिर्मित मकान में मिला महिला का अधजला शव

BOKARO : जिले के बालीडीह थाना क्षेत्र अंतर्गत झोपड़ो गांव में मुख्य सड़क किनारे अर्धनिर्मित मकान में एक महिला का अधजला शव मिला। शव के देखने से यह प्रतीत हो रहा है कि हत्या कर शव को जलाने का प्रयास किया गया है। शव की शिनाख्त नहीं हो पाई है।

खतियानी परिवार ने फीस की बढ़ोतरी का किया विरोध

HAZARIBAGH : मो. हकीम की अध्यक्षता में खतियानी परिवार की एक बैठक शनिवार को हुई।बैठक में पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को जमानत मिलने पर प्रसन्नता जाहिर की गई। साथ ही बगैर समीक्षा किये कोर्ट फी में बेतहाशा वृद्धि पर विरोध जताया गया और इसे वापस लेने की सरकार से मांग की गई। बैठक में सईद अहमद, बोधी साव, बाबु भाई विद्रोही, महेश विश्व कर्मा, दुलारी देवी समेत अन्य उपस्थित थे।

पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मिले डॉ. अजय कुमार

JAMSHEDPUR : कांग्रेस नेता व पूर्व सांसद डॉ. अजय कुमार शनिवार को रांची गए थे, जहां उन्होंने निवर्तमान मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से मुलाकात की। उन्होंने हेमंत सोरेन को उनकी रिहाई पर बधाई दी, वहीं प्रदेश के विभिन्न मुद्दों पर बातचीत की। डॉ. अजय ने बताया कि प्रदेश की विकास योजनाओं सहित वर्तमान की राजनीतिक घटना क्रम पर विस्तार से बात हुई है।

बिरसानगर में ठेकेदार के घर से सात लाख की चोरी

JAMSHEDPUR : बिरसानगर थाना क्षेत्र के जोन नंबर-5 में गिट्टी मशीन के पास रहने वाले ठेकेदार सपन भट्टाचार्य के घर से चोरों ने शुक्रवार की देर रात नकदी समेत कुल सात लाख रुपये के जेवर की चोरी कर ली। घटना की जानकारी उन्हें दूसरे दिन शनिवार की सुबह मिली। सपन ने बताया कि उनके घर का निर्माण चल रहा है, जिसके लिए घर में करीब 4 लाख रुपये रखा था। इसके अलावा घर में करीब 3 लाख रुपये मूल्य के जेवर भी थे। सभी चोरी हो गए।

वाहन जलाने के आरोपी माओवादी समेत चार धराए

PALAMU : जिले के हैदरनगर थाना क्षेत्र के सड़ेया में हुसैनाबाद के विधायक कमलेश कुमार सिंह के भाई विनय कुमार सिंह उर्फ बिनू सिंह की अभय इंटरप्राइजेज के वाहन जलाने वाले माओवादी समेत चार आरोपितों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

क्रिमिनल्स के पास से 21 मोबाइल, 27 सिमकार्ड, एक एटीएम जब्त

छापेमारी के दौरान देवघर से 16 साइबर अपराधी गिरफ्तार

PHOTON NEWS DEOGHAR : देवघर एसपी अजीत पीटर डुंगडुंग के निर्देश पर साइबर थाने की पुलिस ने जिले के पथरड्डा ओपी क्षेत्र के सिमरा मोड़ जंगल सहित सारवां थानांतर्गत के जलहरा, पाथरौल थाना क्षेत्र के टंडेरी मलमला व मधुपुर थाना क्षेत्र के केरगढ़ा गांव में छापेमारी कर 16 साइबर आरोपितों को गिरफ्तार किया। इन आरोपितों के पास से 21 मोबाइल सहित 27 सिमकार्ड, एक एटीएम व एक नोटबुक जब्त किया। वहीं इनलोगों के पास प्रतिबिंब एप में अपलोड 10 मोबाइल नंबर भी मिले हैं।

सरकारी पदाधिकारी व कस्टमर अधिकारी बन करते थे ठगी : जांच में यह स्पष्ट हुआ है कि उक्त सभी आरोपित फर्जी बैंक अधिकारी/कृषि पदाधिकारी व विभिन्न बैंकों सहित प्रतिष्ठानों के कस्टमर केयर अधिकारी बनकर साइबर अपराध करते हैं। इनलोगों के पास से जब्त नोटबुक में हिसाब भी लिखा हुआ है, जिसकी जांच करायी जा रही है। साइबर थाने में आरोपितों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कर सभी को कोर्ट में पेश कराया गया। कोर्ट में पेशी के बाद इन सभी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में सेंट्रल जेल पहुंचा दिया।

चार थाना क्षेत्रों से 16 साइबर ठगों को किया गया गिरफ्तार : पुलिस मीडिया सेल द्वारा दी गयी जानकारी के अनुसार गिरफ्तार साइबर आरोपितों में सारवां के जलहरा गांव निवासी सुरेंद्र कुमार राय, पप्पू कुमार यादव, मधुपुर के केसरगढ़ा गांव निवासी निरंजन दास, राजेंद्र कुमार दास, पाथरौल के मलमला गांव निवासी प्रवीण कुमार दास, सिटू कुमार दास, पथरड्डा ओपी क्षेत्र के झुनाकी गांव निवासी विक्रम कुमार दास, धुधुवाजोरी गांव निवासी संजय राणा, बरदेही गांव निवासी अनिल कुमार दास, कुंदन कुमार सुमन, सारठ थाना क्षेत्र के गोबरशाला गांव निवासी रितेश दास, बभनकुंड गांव निवासी राहुल दास, सुमित कुमार दास, चरकमारा गांव निवासी मुन्ना दास व शुभम कुमार दास शामिल है।

धनबाद में बालू लदे दो हाइवा जब्त, एफआईआर दर्ज

DHANBAD : उपायुक्त सह जिला दंडाधिकारी माधवी मिश्रा के निर्देश पर जिले में खनिज संपदा के अवैध खनन, भंडारण व परिवहन के विरुद्ध कार्रवाई जारी रखते हुए जिला खनन टास्क फोर्स ने शनिवार अहले सुबह 4.30 बजे पूर्वी टुंडी थाना क्षेत्र में औचक जांच अभियान चलाया। खान निरीक्षक बिनोद बिहारी प्रमाणिक ने बताया कि उपायुक्त के द्वारा दिये गये निर्देश के अनुपालन में आज सुबह लगभग 4:30 बजे पूर्वी टुण्डी थाना प्रभारी मदन चौधरी, गस्ती दल के

स.अ.नि. नाथुनी ठाकुर एवं सशस्त्र बल के साथ संयुक्त रूप से खनिजों के अवैध खनन व परिवहन के विरूद्ध पूर्वी टुण्डी थाना अंतर्गत शंकरडीह चौक के समीप औचक रूप से छापामारी की गई। छापामारी के क्रम में दो बालू लदे हाईवा को बिना परिवहन चालान के परिवहन करते हुए पकड़ा गया। इसमें एक हाईवा यूपी 64 टी 1039 पर लगभग 500 घनफीट और दूसरे हाईवा, जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर और इंजन व चेसिस नंबर घिसा हुआ है, पर लगभग 500 घनफीट बालू लदा हुआ पाया गया। वहीं वाहनों को पकड़ने के क्रम में मौके का फायदा उठाकर दोनों वाहनों के वाहन चालक वाहनों को छोड़कर फरार हो गए।

शिक्षा विभाग के कार्यालयों में प्रतिनियोजित आदेशपालों का प्रतिनियोजन हुआ रद्द

JAMSHEDPUR : कोल्हान प्रमण्डल अंतर्गत सभी कार्यालयों में प्रतिनियोजित आदेशपालों (प्रमण्डल/विद्यालय सम्वर्ग) का प्रतिनियोजन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिया गया है। इसे लेकर कोल्हान प्रमंडल की क्षेत्रीय संयुक्त शिक्षा निदेशक निर्मला कुमारी बरेलिया की ओर से निर्देश जारी किया गया है जिसमें कहा गया है कि सभी आदेशपाल को निदेश दिया जाता है कि वे अपने मूल कार्यालय/विद्यालय में योगदान करना सुनिश्चित करेंगे। संबंधित आदेशपालों का वेतन भुगतान मूल कार्यालय/विद्यालय मे योगदान के पश्चात ही देय होगा। इसके साथ ही सभी निकासी एवं व्ययन पदाधिकारी को अनुपालन प्रतिवेदन दो दिनों के अंदर अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को उपलब्ध कराने को कहा गया है। जिन कार्यालयों में आदेशपाल की आवश्यकता है वैसे कार्यालय प्रधान तीन दिनों के अंदर मांग पत्र अधोहस्ताक्षरी कार्यालय को उपलब्ध कराएंगे। जिसके आधार पर उन कार्यालय में नए सिरे से आदेश वालों को प्रतिनियुक्त किया जाएगा।

कोल्हान से पुरी के लिए चलेंगी तीन स्पेशल ट्रेनें

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान प्रमंडल से भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा में शामिल होने के लिए हजारों श्रद्धालु पुरी प्रतिवर्ष जाते है। ऐसे में श्रद्धालुओं की भीड़ की देखते हुए चक्रधरपुर रेल डिवीजन ने अपनी तैयारी शुरू कर दी है। चक्रधरपुर रेल डिवीजन ने 3 ट्रेन पुरी के लिए चलाने का प्रस्ताव बनाकर रेलवे बोर्ड को भेजा है। एक- दो दिनों में इसकी मंजूरी मिलने की संभावना है। इसे टाटानगर से होकर चलने वाली बादामपहाड़- टाटानगर-पुरी एक्सप्रेस, राउरकेला- पुरी एक्सप्रेस और चक्रधरपुर से चाईबासा व डांगुवापोसी होकर पुरी स्पेशल एक्सप्रेस शामिल है। चक्रधरपुर रेल डिवीजन के सीनियर डीसीएम आदित्य कुमार चौधरी ने इसकी पुष्टि की है। आदित्य कुमार चौधरी ने बताया कि जैसे ही प्रस्ताव को मंजूरी मिलेगी, विस्तार से जानकारी दी जाएगी। वहीं दूसरी ओर टाटागनर होकर पुरी रथ यात्रा स्पेशल ट्रेन चलाने को लेकर ऑपरेटिंग विभाग की सक्रियता बढ़ गई, जबकि वाणिज्य विभाग स्टेशनों पर यात्री सुविधा बढ़ाएगा, ताकि रथयात्रा के श्रद्धालुओं को किसी तरह की दिक्कत न हो।

टाटा-हटिया एक्स. जुलाई में 5 दिन रद्द

रांची रेल मंडल में विकासात्मक कार्य होने के कारण कई यात्री ट्रेनों को रद्द किया गया है। इसमे टाटानगर से होकर चलने वाली हटिया-टाटा-हटिया एक्सप्रेस भी शामिल है। रेलवे के सर्कुलर के मुताबिक ट्रेन नंबर 18601/18602 टाटानगर-हटिया-टाटानगर एक्सप्रेस 1 जुलाई, 11 जुलाई, 13 जुलाई, 15 जुलाई और 18 जुलाई को रद्द कर दिया गया है। वहीं टाटानगर-हटिया (18601) एक्सप्रेस ट्रेन को 6 जुलाई को बदले मार्ग चांडिल, गुंडा बिहार और मुरी होकर चलाने का निर्णय लिया गया है।

मेनहर्ट घोटाला के अभियुक्तों पर प्राथमिकी दर्ज कराएंगे सरयू राय

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : विधायक सरयू राय मेनहर्ट घोटाला के अभियुक्तों पर रांची स्थित डोरंडा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराएंगे। सरयू ने शनिवार को बताया इस मामले में मेरी रिट याचिका पर झारखंड हाई कोर्ट ने 26 जून को आदेश जारी किया है। इस आदेश में कोर्ट ने मुझे तीन विकल्प दिया है, जिसके दूसरे विकल्प में थाने में प्राथमिकी करने का सुझाव है। ऐसे में मैं रांची के डोरंडा या धुर्वा थाना में प्राथमिकी दर्ज कराउंगा। अन्य विकल्प में मुझे हाई कोर्ट की खंडपीठ या किसी सक्षम न्यायालय में कार्रवाई हेतु मुकदमा दायर करने की सलाह दी गई।थाने में प्राथमिकी दर्ज कर मांग करूंगा कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने इस मामले में बंद लिफाफा में जो प्राथमिक जांच रिपोर्ट उच्च न्यायालय को सौंपा है,

पुलिस उस रिपोर्ट को एसीबी से प्राप्त करे और उस पर कार्रवाई करे। उल्लेखनीय है कि एसीबी ने इस मामले में प्राथमिक जांच की है और मेरी रिट याचिका की सुनवाई के समय हाई कोर्ट द्वारा मांगे जाने के बाद इसे बंद लिफाफा में न्यायालय को सौंपा है। इस प्राथमिक जांच रिपोर्ट में उन सभी अभियुक्तों के नाम हैं, जिनके विरूद्ध कार्रवाई के लिए थाना में एफआईआर करने का निर्देश उच्च न्यायालय ने दिया है। गत 26 जून को जब झारखण्ड उच्च न्यायालय ने मेरी रिट याचिका खारिज करने का निर्णय लिया तो घोटालाबाज और घोटालाबाजों के समर्थकों ने इसे मेरे लिए एक बड़ा झटका बताया और ऐसा माहौल बनाया कि न्यायालय ने इस संबंध में मेरे आरोपों को खारिज कर दिया है। दो दिन बाद 28 जून को न्यायालय का निर्णय आने के बाद इनके मुंह पर तमाचा लगा है। कारण कि न्याय-निर्णय में न्यायाधीश ने मेरी याचिका में उल्लिखित उन बिंदुओं का जिक्र किया है, जिसके अनुसार मेनहर्ट के परामर्शी चयन में भारी अनियमितता हुई है। मेरी रिट याचिका को न्यायालय ने केवल इस आधार पर खारिज किया है कि इस विषय में 28 सितंबर, 2018 को हाई कोर्ट के दो न्यायाधीश की खंडपीठ ने पहले ही निर्णय दिया है कि ह्यह्यसरकार जांच के निष्कर्षों पर कार्रवाई करे।

मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन आज आएंगे सरायकेला

SARAIKELA : मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन 30 जून को सरायकेला-खरसावां जिले के राजनगर प्रखंड अंतर्गत ग्राम कुमडीह आएंगे। मुख्यमंत्री यहां डिग्री कॉलेज सहित विभिन्न योजनाओं का शिलान्यास व उद्घाटन के साथ परिसंपत्ति वितरण करेंगे। मुख्यमंत्री के प्रस्तावित आगमन की तैयारी को लेकर पुलिस अधीक्षक मनीष टोप्पो एवं उपविकास आयुक्त प्रभात कुमार बरदियार ने शनिवार को कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। इस दौरान हेलीपैड, बैरिकेडिंग, वाहन पार्किंग, यातायात परिचालन, सुरक्षा व्यवस्था आदि व्यवस्था पूर्ण करने के निर्देश दिए। मौके पर प्रशिक्षु आईएएस कुमार रजत, अनुमंडल पदाधिकारी सरायकेला सुनील कुमार प्रजापति, बीडीओ राजनगर मलय कुमार, सीओ राजनगर हरीश चंद्र मुंडा, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी अविनाश कुमार, कार्यपालक अभियंता भवन निर्माण, नजारात उपसमहर्ता एवं अन्य उपस्थित रहे।

कोल्हन विश्वविद्यालय का एकेडमिक कैलेंडर जारी

अब स्नातक के हर सेमेस्टर में आठ सप्ताह छात्रों को करना होगा इंटर्नशिप

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : कोल्हान विवि ने शैक्षणिक सत्र 2024-25 के लिए एकेडमिक कैलेंडर जारी कर दिया है। इसके तहत यूजी कोर्स की के पहले सेमेस्टर की कक्षाएं 1 अगस्त से संचालित होंगी। जबकि अक्टूबर के चौथे सप्ताह में इंटरनल एग्जाम होगा। वहीं नवंबर के चौथे सप्ताह में परीक्षा फॉर्म भरा जाएगा। जबकि जनवरी 2025 के पहले सप्ताह से तीसरे सप्ताह के बीच परीक्षा ली जाएगी। और फरवरी के तीसरे सप्ताह में परीक्षा परिणाम जारी होगा। एकेडमिक कैलेंडर क तहत हर सेमेस्टर के लिए 8 सप्ताह का इंटर्नशिप को अनिवार्य किया गया। वहीं पीजी कोर्स की बात करें तो इसके पहले सेमेस्टर की परीक्षा अक्टूबर के दूसरे सप्ताह से शुरू होगी। इंटर्नल एग्जाम नवंबर के चौथे सप्ताह में होगा तो परीक्षा फॉर्म दिसंबर के चौथे सप्ताह में भरा जाएगा वहीं फरवरी के 1 से 4 सप्ताह के बीच परीक्षा होगा जबकि रिजल्ट अप्रैल के तीसरे सप्ताह में जारी होगा।

यूजी के अलग-अलग सेमेस्टर का शेड्यूल

सेमेस्टर 1
कक्षाएं शुरू होंगी : अगस्त के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : अक्टूबर के चौथे सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : नवंबर के चौथे सप्ताह
परीक्षा आयोजित होगी : जनवरी के पहले से तीसरे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : फरवरी के तीसरे सप्ताह

सेमेस्टर-2
कक्षाएं शुरू होंगी : फरवरी के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : अप्रैल के पहले सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : मई के पहले सप्ताह
परीक्षा आयोजित होगी : जुलाई के पहले से तीसरे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : सितंबर के तीसरे सप्ताह

सेमेस्टर-3
कक्षाएं शुरू होंगी : मई के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : अगस्त के दूसरे सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : सितंबर के पहले सप्ताह
परीक्षा आयोजित होगी : अक्टूबर के पहले से चौथे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : दिसंबर के पहले सप्ताह

सेमेस्टर-4
कक्षाएं शुरू होंगी : नवंबर के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : दिसंबर के पहले सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : दिसंबर के तीसरे सप्ताह
परीक्षा आयोजित होगी : जनवरी के पहले से चौथे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : फरवरी के चौथे सप्ताह

सेमेस्टर- 5
कक्षाएं शुरू होंगी : फरवरी के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : मार्च के पहले सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : मार्च के दूसरे सप्ताह
परीक्षा आयोजित होगी : अप्रैल के पहले से चौथे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : जून के दूसरे सप्ताह

सेमेस्टर-6
कक्षाएं शुरू होंगी : मई के पहले सप्ताह
इंटर्नल परीक्षा : जून के पहले सप्ताह
परीक्षा फॉर्म की तिथि : जुलाई के पहले सप्ताह
परीक्षा : अगस्त के पहले से चौथे सप्ताह के बीच
रिजल्ट : सितंबर के दूसरे सप्ताह

एसी चंद्रमोहन हत्याकांड का खुलासा, आरोपी धराया

KHUNTI : अड़की थाना क्षेत्र के सोनपुर गांव में हुई एसी चंद्र मोहन की हत्या की गुत्थी सुलझाते हुए पुलिस ने हत्या के आरोपित परमेश्वर मुंडा(65) को गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से पुलिस ने हत्या में प्रयुक्त फरसा और अभियुक्त द्वारा घटना के दौरान पहने गए कपड़े को भी बरामद कर लिया है। खूंटी पुलिस ने शनिवार को बताया कि गत 25 जून को एसी चंद्र मोहन की अज्ञात अपराधी ने गला काटकर हत्या कर दी थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक अमन कुमार के निर्देश पर पुलिस उपाधीक्षक (परि) रामप्रवेश कुमार के नेतृत्व में डापामर टीम का गठन किया गया। अनुसंधान और छापामारी के क्रम में एक संदिग्ध व्यक्ति परमेश्वर मुंडा से पूछताछ की गई, तो उसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया।

तुबेद कोलियरी के कांटा घर में फायरिंग, एक को लगी गोली

PHOTON NEWS LATEHAR : सदर थाना क्षेत्र के तुबेद कोलियरी के कांटा घर में शुक्रवार की रात अपराधियों ने अंधाधुंध फायरिंग की। इस घटना में कांटा घर के कंप्यूटर ऑपरेटर आलोक साहू के पैर में गोली लगी,जिससे वह घायल हो गए। लातेहार सदर अस्पताल में प्राथमिक इलाज के बाद उन्हें रिम्स रेफर कर दिया गया । सूचना मिलने के बाद लातेहार पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार के नेतृत्व में पुलिस की टीम घटना स्थल पर पहुंचकर पूरे मामले की छानबीन भी आरंभ कर दी है। पुलिस ने घटनास्थल से अपराधियों के द्वारा छोड़ा गया एक हस्तलिखित पर्चा भी बरामद किया है। जानकारी के अनुसार देर रात कुछ अपराधी तुबेद कोलियरी के कांटा घर के पास आए और सड़क के किनारे से ही फायरिंग आरंभ कर दी। अचानक फायरिंग

होने से वहां काम कर रहे लोग इधर-उधर भागने लगे ।इसी दौरान कंप्यूटर ऑपरेटर आलोक साहू के पैर में एक गोली लग गई। लगभग पांच फायरिंग करने के बाद अपराधी वहां एक पर्चा फेंक कर फरार हो गए। पर्चा में लिखा हुआ था कि बिना संगठन से बात किया काम नहीं करें। इधर इस संबंध में पूछने पर पुलिस इंस्पेक्टर प्रमोद कुमार ने बताया कि घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस की टीम पूरे मामले की छानबीन आरंभ कर दी है। उन्होंने कहा कि घटना में शामिल अपराधियों को चिन्हित करने का प्रयास किया जा रहा है।

जमीन विवाद में चाकू मार कर दो को किया घायल

KODERMA : जिले में जमीन विवाद के मामला में झड़प के बाद चाकू मारकर दो युवकों को घायल कर दिया गया। मामला जयनगर थाना क्षेत्र के सोनपुरा का है, जहां शुक्रवार रात जमीन विवाद में झड़प और मारपीट हुई। जमीन विवाद को लेकर दो गुटों में जमकर मारपीट हुई और फिर मारपीट चाकूबाजी में बदल गई। इस घटना में दो युवक घायल हो गए। जानकारी के अनुसार दोनों पक्षों के बीच पिछले कई सालों से जमीन को लेकर विवाद चल रहा था। इसी विवाद में जमकर मारपीट हुई। एक ही दिन में दो बार मारपीट हुई और दोनों बार चाकूबाजी हुई। रात को यह विवाद झुमरीतिलैया शहर तक पहुंच गया। विवाद में झुमरीतिलैया के व्यस्ततम इलाके पूर्णिमा टॉकीज के पास चाकूबाजी की घटना को अंजाम दिया गया।

अस्पतालकर्मी को लूटने वाले दो लुटेरे चढे पुलिस के हत्थे

गिरफ्तार अपराधियों के बारे में जानकारी देते पुलिस अधिकारी। • फोटोन न्यूज

PHOTON NEWS PALAMU : जिले के चैनपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डालटनगंज-गढ़वा मुख्य पथ पर मंगरदाहा घाटी में पलामू सदर अस्पतालकर्मी हैदर अली से बाइक, नगद 1500, मोबाइल लूटने वाले दो लुटेरों को गिरफ्तार किया गया है। एक अभी भी फरार है। पुलिस उसकी गिरफ्तारी में जुटी हुई है। लुटेरों के पास से लूट में इस्तेमाल एक देशी कट्टा, एक जिंदा गोली, चाकू बरामद किया गया है, जबकि लूटी गई मोटरसाइकिल भी बरामद कर ली गई है। गिरफ्तार लुटेरों में चैनपुर भट्ठी मुहल्ला के स्व. कामेश्वर रजक का 19 वर्षीय पुत्र राजा कुमार और मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के बारालोटा के अशोक राम का 19 वर्षीय पुत्र अनुराग कुमार (19) शामिल है। शनिवार को चैनपुर थाना में मेदिनीनगर के सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मणिभूषण प्रसाद ने पत्रकारों को पूरी जानकारी दी।

संकुल स्तरीय वैदिक गणित कार्यशाला संपन्न

HAZARIBAGH : सरस्वती शिशु विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, बाबुगांव कोर्रा में शनिवार को संकुल स्तरीय एक दिवसीय वैदिक गणित कार्यशाला आयोजित किया गया। इसमें संकुल के पांच विद्यालय कुम्हार टोली, रामनगर, मालवीय मार्ग, बरगड्डा तथा कोर्रा की सहभागिता रही। कार्यशाला में प्रांत प्रमुख राजीव नयन ने प्रत्येक वर्ग में पूछे जाने वाले प्रश्नों से संबंधित छोटी-छोटी बातों पर ध्यान दिलाया। संकुल प्रमुख रितेश ने वैदिक गणित से संबंधित प्रश्न को हल करके समझाया। कार्यक्रम में कोर्रा आचार्य राहुल कुमार पाण्डेय, मुकेश कुमार सिन्हा, रामनगर से दीपक कुमार, बरगड्डासे आचार्य एवं महिला आचार्य उपस्थित रहे। धन्यवाद ज्ञापन राहुल कुमार पाण्डेय ने किया। अंत में कल्याण मंत्र के साथ कार्यशाला सम्पन्न हुआ।

यातायात एवं सड़क सुरक्षा संबंधी बैठक में घायलों की मदद करने वालों को दी गई सम्मान राशि

मई में हुई 15 की मौत व 18 हुए थे घायल

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : समाहरणालय सभागार में उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में शनिवार को यातायात एवं सड़क सुरक्षा की बैठक हुई। इसमें सड़क हादसों को नियंत्रित करने तथा सड़क सुरक्षा के प्रावधानों को प्रभावी तरीके से अमल में लाने समेत अन्य संबंधित विषयों पर चर्चा के दौरान बताया गया कि मई में 29 सड़क दुर्घटना हुई, जिसमें 15 लोगों की मृत्यु व 18 लोग गंभीर रुप से घायल हुए थे। इसके बाद ब्लैक स्पॉट, वल्नरेबल एक्सीडेंटल प्वाइंट्स एवं सड़कों के कर्व (घुमावदार सड़क) स्थलों को चिह्नित करते हुए आवश्यकतानुसार सुधार करने, बिना हेलमेट दो पहिया वाहन चलाने, ओवर लोडिंग, ओवर स्पीड, बिना सीट बेल्ट, साइलेंसर मॉडिफिकेशन एवं स्टंट करने वाले चालकों पर कड़ी कार्रवाई का निर्देश दिया गया। बैठक में सड़क दुर्घटना के घायलों को गोल्डन ऑवर में मदद पहुंचाने के लिए प्रकाश कुमार, बीर सिंह प्रजापति, रथु दास, बाबूलाल टुडू, विशाल मार्डी और तुषार दास को कुल 9 हजार रुपये की सम्मान राशि प्रदान की गई। शहरी क्षेत्र में यातायात व्यवस्था को सुगम बनाने के उद्देश्य से विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा के दौरान वरीय पुलिस अधीक्षक ने डीटीओ धनंजय को ऑटो चालकों के साथ बैठक कर उन्हें आईडी कार्ड व यूनिफॉर्म पहनने का निर्देश दिया। नॉन परमिट ऑटो, अंडर एज व बगैर ड्राइविंग लाइसेंस के ऑटो चालक की जांच कर कार्रवाई की बात कही गई। ऑटो एसोसिएशन को निर्देशित किया गया कि ऑटो चालक चिन्हित स्टैंड से ही सवारी बैठाएं, जहां-तहां ऑटो न रोकें जिससे सड़क दुर्घटना के किसी भी प्रकार की संभावना को नगण्य किया जा सके।

114 ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड, 7 लाख रुपये वसूला जुमार्ना

इस दौरान बताया गया कि मई में सड़क सुरक्षा नियमों की अवहेलना पर 114 वाहन चालकों का ड्राइविंग लाइसेंस सस्पेंड किया गया। वाहन जांच अभियान में बिना हेलमेट के दोपहिया वाहन चालक और बिना सीटबेल्ट के चारपहिया वाहन चालकों समेत अन्य मामलों में करीब 7 लाख रु. जुमार्ना वसूला गया।

सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने वालों को सम्मानित करते डीसी व एसएसपी।

हिट एंड रन मामलों के मुआवजा भुगतान में लाएं तेजी

हिट एंड रन मामले में पीड़ित पक्ष को 2 लाख रुपये मुआवजा देने का प्रावधान है। अब तक के कुल 45 मामलों में 22 के परिजनों को भुगतान किया गया है, 11 अनुमंडल पदाधिकारी के स्तर पर एवं 07 इंश्योरेंस कंपनी के स्तर पर आवेदन लंबित हैं। उपायुक्त ने इसमें तेजी लाने का निर्देश दिया।

अवैध बालू उठाव करने पर अंकुश लगाएं या कार्रवाई को तैयार रहें अधिकारी : एसएसपी

PHOTON NEWS JAMSHEDPUR : उपायुक्त अनन्य मित्तल की अध्यक्षता में समाहरणालय सभागार में शनिवार को जिला खनन टास्क फोर्स की बैठक हुई, जिसमें वरीय पुलिस अधीक्षक किशोर कौशल, उपविकास आयुक्त मनीष कुमार, सिटी एसपी मुकेश लुणायत व ग्रामीण एसपी ऋषभ गर्ग भी शामिल थे। बैठक में उपायुक्त ने खनिजों के अवैध खनन, परिवहन और भंडारण के मामलों पर सघन जांच अभियान चलाने का निर्देश दिया। वहीं, वरीय पुलिस अधीक्षक ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में अवैध बालू उठाव पर अंकुश लगाएं या अधिकारी कार्रवाई को तैयार रहें। उन्होंने पुलिस और जिला प्रशासन के संबंधित विभागों को खनन, वन, परिवहन, प्रदूषण, कारखाना विभागों के एक्ट के तहत समेकित कार्रवाई करने का निर्देश दिया।

बैठक को संबोधित करते उपायुक्त व एसएसपी। • फोटोन न्यूज

उन्होंने कहा कि एकल विभागीय कारवाई से अवैध खनन, परिवहन पर रोक लगाना संभव नहीं है, अवैध खनन, परिवहन में संलिप्त वाहनों, माफिया पर हर सुसंगत धाराओं के तहत कारवाई करें। बैठक में खनन टास्क फोर्स की टीम को प्रखंड स्तर पर ज्वाइंट ऑपरेशन करने का निर्देश दिया गया। गुड़ाबांदा एवं डुमरिया क्षेत्र में बालू उठाव को लेकर लचर कार्रवाई पर अप्रसन्नता जताई गई। खनिजों के अवैध परिवहन करते वाहन पकड़े जाने पर तत्काल एफआईआर का निर्देश दिया गया। एनजीटी की गाइडलाइन के मुताबिक कार्रवाई सुनिश्चित करने, वाहन पकड़े जाते हों तो तत्काल मुखिया या ग्राम प्रधान को जिम्मानामा देने, जब्त बालू को जल्द ऑक्शन कराने का निर्देश डीएमओ को दिया गया। बैठक में डीटीओ, एसडीओ घाटशिला, डीएमओ, प्रदूषण व कारखाना विभाग उपस्थित थे, वहीं सभी सीओ, डीएसपी, थाना प्रभारी वीसी के माध्यम से जुड़े।

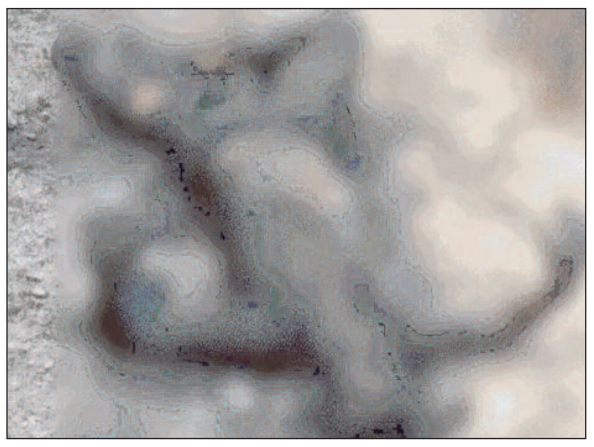

वैशाली पुलिस ने बक्सर रेलवे स्टेशन पर प्रेमिका के साथ पकड़ा, कहा-मैं जिंदा हूं पापा

हाजीपुर (वैशाली)। वैशाली में बीते 18 जून को घर से सन्नी कुमार गायब हो गया था। इसके बाद 21 जून को एक शव मिला था। सन्नी का शव समझ कर परिजनों ने उसकी आत्मा की शांति के लिए हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कोनहारा घाट पर दाह संस्कार कर दिया। इसी बीच गंगा ब्रिज थाने की पुलिस ने उसे जिंदा प्रेमिका के साथ बक्सर रेलवे स्टेशन के पास से बरामद कर लिया है। 21 साल का सन्नी कुमार गंगा ब्रिज थाना क्षेत्र के नवादा चौक गांव निवासी आमोद चौधरी का बेटा है। वह अपने प्रेमिका के साथ 18 जून को घर से भागकर कोयम्बटूर पहुंच गया था और 20 जून को तिरुपति दुर्गा मंदिर में शादी कर ली थी। पत्नी के साथ रोजगार की तलाश में बक्सर रेलवे

स्टेशन के पास चला गया था। दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही पुलिस लेकिन, पुलिस को जैसे ही भनक लगी, वहां से उसे पत्नी के साथ हिरासत में ले लिया। पुलिस दोनों प्रेमी युगल से पूछताछ कर रही है। लड़की के परिजनों ने अपनी बेटी की अपहरण का प्राथमिक की दर्ज कराया, तो पुलिस ने कार्रवाई शुरू की। इसके बाद सन्नी के परिजन ने उसकी खोजबीन शुरू कर दी। बीते 21 जून को किसी ने सूचना दी कि सन्नी की हत्या कर शव को जलाकर समस्तीपुर जिले के मोहनपुर थाना क्षेत्र में फेंक दिया गया है।

परिजन ने मोहनपुर थाना पहुंच कर शव पुलिस से रिसीव किया और बेटे की हत्या मामले में एफआईआर दर्ज कराया और हत्यारों की गिरफ्तारी को लेकर नवादा में सड़क को जाम कर दिया था। पुलिस के समझाने बुझाने के बाद आक्रोशित लोग शांत हुए और शव का संस्कार हिंदू रीति-रिवाज से हाजीपुर कौन हारा घाट पर कर दिया। फिलहाल, पुलिस ने आज उसे प्रेमिका के साथ जिन्दा बरामद कर लिया है। लड़की के परिजनों ने अपहरण का मामला कराया था दर्ज इस संबंध में गंगा ब्रिज थाना अध्यक्ष अभिषेक त्रिपाठी ने बताया की सन्नी को उसकी ही प्रेमिका के साथ बरामद किया गया है।

लड़की के परिजनों ने अपहरण कर लेने का थाना में प्राथमिकी दर्ज कराया गया था।

मामले की जांच पड़ताल की जा रही थी, तभी सन्नी के परिजन ने मोहनपुर थाना क्षेत्र से एक अर्ध जला शव लाकर दाह संस्कार कर लिया था। लेकिन, आज उसे जिन्दा बरामद किया गया है।

संक्षिप्त डायरी

बक्सर में मुआवजा के लिए 4 और 5 जुलाई को कर सकेंगे आवेदन

बक्सर। बक्सर स्थित चौसा थर्मल पावर से प्रभावित किसानों को अपनी जमीन संबंधी मुआवजा को लेकर एक बार भी उम्मीद जगी है। इसके लिए चौसा अखौरीपुर गोला स्थित महर्षि च्यवन महाविद्यालय में एक विशेष कैंप का आयोजन किया जा रहा है। जो कि 4 और 5 जुलाई को आयोजित किया जाएगा। बक्सर भू-अर्जन शाखा की ओर से मिली जानकारी के अनुसार इस कैंप का आयोजन भू-अर्जन पुनर्वासन एवं पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार पटना प्रमण्डल की ओर दी गई गई सहमति पर लगाया जा रहा है। कैंप सुबह 10 बजे से शाम पांच बजे तक दोनों दिन लगेगा। निमार्णाधीन 1320 मेगा वॉट थर्मल संबंधित रेल कॉरिडोर और वाटर पाईप लाईन परियोजना चौसा के रैयतों को पीठासीन पदाधिकारी भू अर्जन पुनर्वासन और पुनर्व्यवस्थापन प्राधिकार में आवेदन के साथ खतियान की टू कापी, निबंधित वसीका, पारिवारिक बंटवारा का कागज, वंशावली की सत्यापित प्रति, एलपीसी की छाया प्रति, लगान रसीद की प्रति, आधार कार्ड की छाया प्रति, पैन-कार्ड की छाया प्रति, बैंक पासबुक की छाया प्रति, बंध-पत्र एवं शपथ पत्र आदि के साथ आवेदन को कैंप में जमा करना होगा। मालूम हो कि चौसा थर्मल पावर प्लांट के लिए पिछले दो सालों से सिरदर्द बनी वाटर पाइप लाइन और रेल कॉरिडोर की जमीन का उचित मुआवजा का निर्धारण और किसानों की कई समस्याओं का निराकरण नहीं होने के कारण थर्मल पावर का निर्माण अपने समय पर नहीं हो सका है। इसके समाधान के लिए अधिकारियों की ओर से काफी प्रयास किया गया लेकिन अभी तक समस्या का समाधान नहीं होने के कारण 2024 में थर्मल पावर का निर्माण कार्य पूरा होते हुए नहीं दिख रहा है। इसके लिए एक बार फिर अधिकारियों ने कोशिश की है।

18 दिन बाद सामने आया श्रेया हत्याकांड का सच, होटल मालिक 2 सगे भाई गिरफ्तार

औरंगाबाद। औरंगाबाद में श्रेया हत्याकांड के 18 दिन बाद शनिवार को पुलिस ने खुलासा किया है। इस मामले में पुलिस ने होटल मालिक 2 सगे भाइयों को गिरफ्तार किया है। रढ स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि गिरफ्तार दोनों होटल मालिक ने स्वीकार किया है कि रेप के बाद श्रेया की गला दबाकर हत्या की गई। इसके बाद सबूत छिपाने को लेकर कार में शव लेकर इंद्रपुरी बराज पहुंचे, जहां शव फेंक दिया। गिरफ्तार दोनों भाई का नाम कोसडिहरा गांव के रहने वाले धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह है। रढ ने बताया कि इनके पास से वह कार भी बरामद किया गया है, जिससे शव को बराज तक ले जाया गया था। इससे पहले, पुलिस ने श्रेया हत्याकांड में 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुका है। इसमें श्रेया की सहेली, उसकी मां और श्रेया का बॉयफ्रेंड शामिल हैं। बता दें कि 11 जून को औरंगाबाद के नवीनगर से लापता 16 साल की किशोरी का शव करीब 25 किमी दूर रोहतास के इंद्रपुरी बराज से मिला था। कोचिंग से नहीं लौटी थी श्रेया SP स्वप्ना गौतम मेश्राम ने बताया कि रेप के बाद श्रेया की हत्या कर दी गई। हत्या के बाद सबूत छिपाने को लेकर शव को कार में रखकर इंद्रपुरी बराज ले जाकर फेंक दिया गया था। उन्होंने बताया कि श्रेया 11 जून को अपने घर से कोचिंग के लिए निकली थी, लेकिन वापस लौटी नहीं थी। इसके बाद परिजनों की ओर से थाने में अपहरण की शिकायत दर्ज कराई गई थी। 13 जून को रोहतास के इंद्रपुरी बराज से श्रेया का शव बरामद किया गया था। बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी श्रेया 11 जून को श्रेया अपने बॉयफ्रेंड के साथ होटल पहुंची थी। यहां एक कमरा बुकिंग कराया और कुछ समय तक रुके। इस दौरान उसके बॉयफ्रेंड ने होटल मालिक धर्मेंद्र कुमार सिंह और राकेश कुमार सिंह के साथ मिलकर गलत काम किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी।

नालंदा में मकान का गिरा छज्जा, दादी-पोते की मौत

नालंदा । नालंदा में शनिवार को मकान का छज्जा गिरने से दबकर एक किशोर की मौत हो गई। जबकि एक बुजुर्ग महिला गंभीर रूप से जख्मी हो गई है। मामला एकंगरसराय थाना क्षेत्र के सुंडी बीघा गांव की है। इस हादसे में डोमन मोची के बेटे धीरज कुमार(13) की मौत हो गई। जबकि धीरज की दादी सोना देवी(60) गंभीर रूप से घायल हो गई है। जिन्हें इलाज के लिए PMCH रेफर कर दिया गया। घटना के संबंध में बताया जाता है कि शनिवार की सुबह हल्की

बारिश हो रही थी। दादी सोना देवी और पोता धीरज कुमार दोनों घर के दरवाजे पर ही बैठे हुए थे। अचानक मकान के छज्जे का स्लैप टूट कर दोनों के ऊपर गिर गया। जहां मलवे से दबकर धीरज कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। जबकि सोना देवी गंभीर रूप से घायल हो गई। मकान का छज्जा गिरने के बाद ग्रामीणों के बीच अफरा-तफरी मच गई। आस-पड़ोस के लोग किसी तरह से दादी पोते को मालवा से बाहर निकाला गया। जहां धीरज की मौत हो चुकी थी। वहीं सोना देवी को एकंगरसराय प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। जहां से पटना पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। वहीं इस घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया। धीरज कुमार 3 भाई बहन में सबसे छोटा था। पिता मजदूरी कर परिवार का भरण पोषण कर रहे हैं। वहीं, घटना की जानकारी मिलने के बाद एकंगरसराय थाना के प्रभारी थाना अध्यक्ष प्रभाकर कुमार झा दलबल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भी बिहारशरीफ सदर अस्पताल भेज दिया। जाने की वजह से किशोर की मौत हो गई है।

केंद्रीय मंत्री बनने के बाद पहली बार पटना पहुंचे चिराग, कहा-फैसला स्टूडेंट्स के हित में होगा

पटना। केंद्रीय मंत्री बनने के बाद आज पहली बार लोक जनशक्ति पार्टी (LJP) के मुखिया चिराग पासवान पटना पहुंचे। एयरपोर्ट पर उनके चारों सांसद भी मौजूद थे। एयरपोर्ट पर तमाम कार्यकताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। नीट पेपर लीक पर रिएक्शन नीट पेपर लीक मामले पर चिराग ने रिएक्शन देते हुए कहा कि यह एक गंभीर विषय है। ऐसे में सरकार की प्राथमिकता है कि किसी भी बच्चों के साथ कोई अन्याय न हो। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निगरानी में इस मामले को देखा जा रहा है। ऐसे में केंद्र सरकार सारे स्टेट होल्डर से बातचीत कर रही है। कई ऐसे बच्चे हैं जो रि-एग्जामिनेशन के पक्ष में नहीं है। जो भी फैसला होगा, स्टूडेंट्स के हित में होगा। पेपर लीक के मामले में जांच चल रही है। कई लोग न्यायालय भी गए हैं। मामला विचाराधीन है। इसमें कई सारे पक्ष इंवॉल्व है। सरकार सबसे बातचीत कर रही है। सही समय पर सही फैसला लिया जाएगा। किसानों का करेंगे कल्याण चिराग ने कहा कि उन्हें एक बड़ी जिम्मेदारी फूड प्रोसेसिंग यूनिट मंत्रालय के रूप में दी गई है। भारत एक कृषि प्रधान देश है। आने वाले दिनों में इस मंत्रालय के माध्यम से कई ऐसे यूनिट्स खोले जाएंगे। हाजीपुर का केला हो या मुजफ्फरपुर की लीची, मखना हो आम हो, जो यहीं पर प्रोसेस्ड हो जाए पैकिंग हो जाए तो ना सिर्फ उससे किसानों की आमदनी बढ़ेगी बल्कि राज्य का राजस्व भी बढ़ेगा। बिहार में लगातार पुल गिरने पर दी प्रतिक्रिया चिराग ने कहा कि ये दुर्भाग्य की बात है। मैं उम्मीद करता हूं कि प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं। जिसने भी गुणवत्ता के साथ भ्रष्टाचार किया है उसे बख्शा नहीं जाएगा। कोई भी दोषी बख्शा नहीं जाएगा। भविष्य में जितने नव निर्माण होंगे, हम लोगों की इस डबल इंजन सरकार आने के बाद सुनिश्चित किया जाएगा कि गुणवत्ता के साथ कहीं कोई छेड़छाड़ न हो। आगे चिराग ने कहा कि बिहार में अगले साल विधानसभा के चुनाव भी होने हैं। ऐसे में पार्टी उसकी तैयारी में मजबूती के साथ जुटेगी। ताकि जो जीत लोकसभा में बिहार में मिली वही जीत विधानसभा चुनाव में भी मिल सके। पीएम मोदी के साथ तमाम सांसदों के साथ मुलाकात हुई है। प्रधानमंत्री ने सभी सांसदों को अपना मार्गदर्शन दिया है।

केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी पहुंचे गया, कहा-पुल गिरने के पीछे राजनीतिक साजिश

गया। भारत सरकार के एमएसएमई मंत्री जीतन राम मांझी शनिवार को गया पहुंचे। यहां सर्किट हाउस में उन्होंने बिहार में बीते 9 दिनों में गिरे 5 निमार्णाधीन पुल के मसले पर चिंता जताई। उन्होंने कहा-यह गंभीर और चिंता का विषय है। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं, कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। जीतन राम मांझी मंत्री पद की शपथ लेने और विभागीय कामकाज संभालने के बाद दूसरी बार अपने संसदीय क्षेत्र गया में आए हैं। यहां जीतन राम मांझी ने कहा- यह वाकई चिंता का

विषय है। पुल ध्वस्त होने के पीछे घटिया निर्माण सामग्री या फिर इंजीनियरिंग का दोष हो सकता है। यह जांच का विषय है। प्रदेश सरकार जांच के साथ कार्रवाई भी कर रही है। पर सवाल यह भी उठता है कि ये पुल दो माह पूर्व क्यों नहीं गिर रहे थे। ये हाल के दिनों में ही तेजी से क्यों गिरने लगे। ये गिर रहे हैं या गिराए जा रहे हैं। यह भी एक जांच का विषय है। इसके पीछे कहीं न कहीं कोई कोई न कोई राजनीतिक साजिश है। ऐसी शंका मुझे है। उन्होंने कहा- सरकार को बदनाम करने का षड्यंत्र रचा जा रहा है। मुझे लगता है कि ऐसा सरकार को बदनाम करने के लिए किया जा रहा है। वहीं, नीट पेपर लीक के मसले पर कहा कि जो धांधली हुई है, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। आरोपी भी पकड़े जा रहे हैं। लेकिन भारत सरकार का उद्देश्य केवल कार्रवाई ही नहीं अब ऐसी व्यवस्था बनाने का है, जहां से किसी प्रकार की धांधली की कोई गुंजाइश ही न हो। जीतन राम मांझी ने कहा कि सरकार का उद्देश्य किसी को फंसाना या बचाना नहीं है। दोषी जो होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। साथ ही व्यवस्था बेहतर की जा रही है।

बनारस से बगहा पहुंची गर्भवती महिला

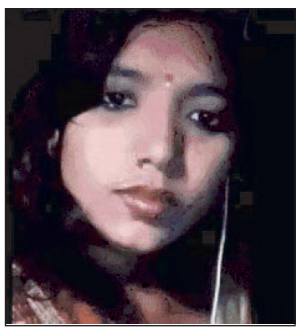

बगहा (वाल्मिकीनगर)। बगहा के पटखौली थाना स्थित वार्ड संख्या-3 में रहने वाले राहुल साहनी की दूसरी शादी की खबर सुनकर बनारस की रहने वाली प्रमिला (22 साल) बगहा पहुंची और न्याय की गुहार लगाई है। प्रमिला ने आरोप लगाया है कि राहुल ने उससे पहले प्यार किया, फिर शादी की और अब वह उसे छोड़कर दूसरी शादी करने जा रहा है। जबकि, वह मां बनने वाली है। दरअसल, बगहा के वार्ड नंबर तीन के रहने वाले घनश्याम साहनी के बेटे राहुल सहनी (24 साल) एक साल पहले रोजी-रोटी के लिए बनारस गया था। पहले से शादीशुदा थी प्रमिला

वहां, उसकी मुलाकात मैगी मसाला कंपनी में काम करने वाली प्रमिला से हुई। प्रमिला पहले से शादीशुदा थी। पति, शराब के नशे में प्रमिला के साथ मार पिटाई करता था। इसी का फायदा उठाकर राहुल प्रमिला के नजदीक पहुंच गया। दोनों में प्यार हो गया। इसके बाद राहुल प्रमिला को अपने घर बगहा ले आया, जहां वह एक महीने तक एक भाड़े के कमरे में साथ रहे। इसके बाद दोनों हैदराबाद और फिर अंबाला गए, जहां काली माता मंदिर में उन्होंने शादी की। इधर, एक महीने पहले राहुल प्रमिला को छोड़कर अपने घर बगहा लौट आया। इस बीच 10 जुलाई को शादी का दिन भी तय कर दिया गया। रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फरार जब प्रमिला को राहुल की दूसरी शादी की खबर मिली, तो वह तुरंत बगहा महिला थाना में पहुंच गई। महिला थाने की पुलिस ने प्रमिला और राहुल दोनों को समझाने की कोशिश की। इसके बाद राहुल प्रमिला के साथ रहने के लिए तैयार हो गया। लेकिन, बगहा रेलवे स्टेशन पर महिला को छोड़कर राहुल फिर से फरार हो गया। प्रमिला ने बताया कि वह अपने माता-पिता की इकलौती संतान है और घर की संपत्ति बेचकर सारे पैसे राहुल को दे चुकी है। अब उसके पास कुछ नहीं बचा है और वह एक सप्ताह से पुलिस और राहुल के घर के चक्कर काट रही है। इस मामले में महिला थाना अध्यक्ष पुष्पा कुमारी ने बताया कि कुछ दिन पहले महिला आई थी। आरोपी युवक को भी बुलाया गया था।

गया में सड़क किनारे इंतजार करता दिखा;बस के आते ही पिछले पहिए के सामने आया

गया। गया शहर में एक शख्स ने चलती बस के नीचे आकर अपनी जान दे दी। घटना का वीडियो भी सामने आया है। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। घटना सोमवार की शाम साढ़े छह बजे की है। मामला डेल्हा थाना क्षेत्र के छोटकी डेल्हा मुख्य मार्ग का है। वीडियो में दिख रहा है कि एक शख्स आत्महत्या करने की नीयत से अचानक से चलती बस के पिछले पहिए के नीचे आ जाता है। उसका सिर बुरी तरह से कुचलते हुए बस आगे निकल जाती है। घटना में उसकी मौके पर ही मौत हो गई। मृत अधेड़ की पहचान अब तक नहीं हो सकी

है। मृतक गंजी और लूंगी में था और वह नाराज दिख रहा था। शिनाख्त की कोशिश जारी सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मगध मेडिकल अस्पताल भेज दिया है।

बाबा गरीब नाथ मंदिर में फैंस कर रहे हैं पूजा-अर्चना, विश्व विजेता बनने के बाद कल फिर होगी पूजा

गया। फाइनल में जीत की कामना को लेकर मुजफ्फरपुर के बाबा गरीब नाथ मंदिर में भी पूजा और हवन का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए लगातार अखंड हवन किया जा रहा है। हवन मैच होने तक जारी रहेगा। आपको बता दें कि भारतीय टीम ळ20 विश्व कप में बिना कोई मैच हारे फाइनल में पहुंची है। भारतीय टीम फाइनल में भी शानदार प्रदर्शन करें और दक्षिण अफ्रीका को हराकर वर्ल्ड कप अपने नाम करें। इसके लिए आज शनिवार को बाबा गरीब नाथ धाम मंदिर में विशेष पूजा की गई है। कल भी पूजा की जाएगी महंत अभिषेक पाठक ने बताया कि आज बाबा गरीब नाथ मंदिर में सुबह 10:00 बजे दूध, दही, शक्कर से पूजा अर्चना किया गया। इसके बाद हवन कुंड में हवन किया जा रहा है। शाम 7:00 बजे तक यह हवन चलेगा। पूजा इंडिया टीम की जीत के लिए की जा रही है। इस बार भारतीय टीम विश्व विजेता बने, इसकी कामना है। वहीं वर्ल्ड कप जीतने के बाद कल भी पूजा की जाएगी।

एयरपोर्ट पर यात्रियों ने किया हंगामा, बोले-ज्यादा कीमत देने के बाद भी नहीं मिली सही सुविधा

दरभंगा। दरभंगा एयरपोर्ट से मुंबई जाने वाली स्पाइस जेट की फ्लाइट शनिवार सुबह 5 घंटे लेट हो गई। इससे नाराज यात्रियों ने बवाल काटा है। नाराज यात्रियों का आरोप है कि ज्यादा कीमत पर टिकट लेने के बावजूद एयरलाइंस की ओर से देरी होने की जानकारी यात्रियों को समय पर नहीं दी गई। न मेल किया गया और न ही मैसेज। यात्रियों ने आगे बताया कि जब हमलोग एयरपोर्ट पर पहुंचे, तो इस बात की जानकारी हमें दी गई। वहीं, एयरपोर्ट पर न तो बैठने की सही व्यवस्था है। न ही एयरलाइंस की ओर से खाना और पानी दिया जा रहा है। इसके साथ ही एयरपोर्ट के अंदर गर्मी रहने के कारण वहां रहना भी दुश्वार है। सुबह 10 बजे की फ्लाइट शाम 4 बजे जाएगी एयरपोर्ट सूत्रों के मुताबिक दरभंगा से मुंबई के लिए स्पाइस जेट की विमान संख्या रङ्क116 को दरभंगा से सुबह के 10 बजकर 50 मिनट पर उड़ान भरना था। लेकिन तकनीकी वजह से स्पाइस जेट की विमान दरभंगा नहीं पहुंची। जब काफी देर तक विमान की उड़ान के संबंध में एयरपोर्ट पर यात्रियों से जानकारी साझा नहीं की गई। तब यात्रियों ने पूछताछ काउंटर पर उड़ान के संबंध में जानकारी ली। यहां पता चला कि मुंबई की फ्लाइट शाम के 4 बजे उड़ान भरेगी। इसके

बाद यात्रियों ने स्पाइस जेट के खिलाफ हंगामा किया है। गर्मी से परेशान लोग दरभंगा से मुंबई की फ्लाइट पकड़ने आए नीतीश शाह ने कहा कि दरभंगा से मुंबई की स्पाइस जेट की फ्लाइट 10 बजकर 50 मिनट पर थी। लेकिन बिना किसी नोटिस के फ्लाइट को 3 बजकर 55 मिनट कर दिया गया। अभी तक यह भी कन्फर्म नहीं है कि उस समय पर विमान जाएगी भी या नहीं। यहां पर तैनात कर्मी कुछ बता भी नहीं रहे हैं। हमलोगों के आने जाने के खर्च के साथ समय भी बर्बाद हो गया। सभी यात्रियों को बाहर बैठा दिया गया है। गर्मी से सभी यात्रियों का हाल बेहाल बना हुआ है। स्पाइस जेट फ्लाइट की व्यवस्था बहुत बेकार वहीं, नीतीश ने बताया कि दरभंगा एयरपोर्ट पर किसी प्रकार की सुविधा नहीं है। इसके कारण सभी यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्पाइस जेट की फ्लाइट की व्यवस्था बहुत ही बेकार है। यहां न अल्टीमेशन दिया गया और न ही कुछ किया गया। स्पाइस जेट के सीनियर स्टाफ बाहर नहीं आ रहे हैं। 14 हजार देकर हमलोग यात्रा करने आते हैं। उसका भी ख्याल नहीं रखा जा रहा है। किसी का कनेक्टिंग फ्लाइट है, दुबई का उसे और दिक्कत हो रही है। इस तरह की व्यवस्था में सब पैसा बर्बाद चला जाता है।

सुर्खियों की चाहत

फिल्म निर्देशक राम गोपाल वर्मा को सुर्खियों का सरताज कहा जा सकता है। इस साल आम चुनाव से पहले 14 मार्च को भी वह आंध्र प्रदेश की पीथापुरम सीट से मैदान में उतरने की घोषणा कर ऐसा कर चुके हैं। पिछले साल आंध्र प्रदेश की राजनीति पर केंद्रित उनकी फिल्म 'व्यूहम' पर जमकर विवाद हुआ। कई स्थानीय नेताओं ने उन्हें राज्य निकाला देने की मांग की। आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस राजशेखर रेड्डी की मृत्यु के आसपास की परिस्थितियों पर केंद्रित 'व्यूहम' बनाकर वर्मा ने महीनों सुर्खियां बटोरीं। आंध्र प्रदेश में सात अप्रैल 1962 को जन्मे वर्मा अब फिल्म 'कल्कि 2898 एडी' में अभिनय के क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा कर सुर्खियां बने हैं। इसके निर्देशक नाग अश्विन हैं। 27 जून को रिलीज इस फिल्म में अमिताभ बच्चन, कमल हसन, प्रभास, दीपिका पादुकोण और दिशा पाटनी हैं। इन दिग्गजों के सामने वर्मा टिक पाएंगे, यह बड़ा सवाल है। रामगोपाल वर्मा को नब्बे के दशक में रामू के नाम से भी खूब शोहरत मिली। उनकी फिल्म 'रंगीला' की नायिका उर्मिला मातोंडकर से रिश्ते को लेकर भी वह अकसर पत्र-पत्रिकाओं के अलावा चैनलों पर छाये रहे। ऐसा लगता है रामू को गुमनामी पसंद नहीं हैं। रामू के विजयवाड़ा के एक अभियांत्रिकी विद्यालय से पढ़ाई छोड़ने के बाद वीडियो दुकान के मालिक से फिल्म निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखने की कहानी भी दिलचस्प है। इनके निर्देशन में बनी प्रमुख फिल्मों में 'सत्या', 'भूत', 'सरकार', 'डरना मना है', 'डरना जरूरी है' और 'एक हसीना थी' हैं। 'रंगीला', 'सरकार' , रक्त चरित्र और 'सत्या' ने वर्मा को पहचान मिली। वह अमेरिका की पोर्न स्टार मिया मालकोवा को फिल्म 'गॉड, सेक्स ऐंड ट्रूथ' में लाकर तहलका मचा चुके हैं। यह फिल्म यू-ट्यूब पर रिलीज की गई। इस फिल्म का शॉर्टनेम जीएसटी है। उनकी ऑटो बायोग्राफी भी है। उसका नाम 'गंस एंड थाइस : द स्टोरी ऑफ माई लाइफ' है। उनकी फिल्म 'सत्या' ने छह फिल्म फेयर अवार्ड जीते हैं। रामगोपाल वर्मा ने उर्मिला मातोंडकर से लेकर कई नई युवतियों को सिल्वर स्क्रीन पर मौका दिया है। दुर्भाग्य से इनमें से अधिकतर चमचमाते बाजार से गायब होकर सुर्खियों को मोहताज हो चुकी हैं। वर्मा की तरह उर्मिला मातोंडकर भी राजनीतिक गलियारों में भटक चुकी हैं। कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़कर पराजय का हार पहन चुकी हैं। फिल्म समीक्षक यायावर मानते हैं कि रामू अपनी फिल्मों की नायिकाओं के लिए अनलकी रहे। रामू ने अनेक नई-नवेली हीरोइनों को लॉन्च तो किया पर इनमें से एक भी का सितारा अर्श पर बुलंद नहीं है। अंतरा माली से इसकी शुरूआत करते हैं। अंतरा ने बेशक निर्देशक कदम कुमार भाटिया की एक हिंदी फिल्म से अभिनय की दुनिया में कदम रखा लेकिन सिनेमा संसार में लाने का श्रेय रामगोपाल वर्मा को जाता है। वर्मा ने अंतरा को 1999 की तमिल फिल्म 'प्रेम काढ़ा' से ब्रेक दिया। यह फिल्म हिट रही। इसे कई अवॉर्ड भी मिले। इसके बाद अंतरा ने कई और तमिल और हिंदी फिल्मों में काम किया।

सिस्टम वीक, सर्जरी जरूरी

पेपर लीक स्कैंडल ने देश की आत्मा को भीतर तक झकझोर दिया है। यह नैतिक पतन की पराकाष्ठा है। देश में बहुत बड़ा वर्ग बिकाऊ है। कीमत दो और खरीद लो। फिर वह पेपर हो पद या प्रतिष्ठा। ऐसे स्कैंडल इस ओर भी ध्यान आकर्षित करते हैं कि प्रतिभा, मेरिट, पारदर्शिता, ईमानदारी तो पुस्तकों के विषय तक सिमट कर रह गए हैं लेकिन दूसरी तरफ चिंता इस बात की है कि साधारण और सरल व्यावहारिक दूरदर्शिता का प्रशासनिक व्यवस्था में इतना अकाल कभी देखा नहीं गया है । तरह-तरह के शिक्षा माफिया सक्रिय रहते हैं, नकल माफिया, पेपर लीक और सॉलवर गैंग, स्टाफ की मिलीभगत आदि परंतु ये तब तक सफल नहीं हो सकते जब तक सिस्टम में विद्यमान तत्व सहयोग न करें । सर्वविदित तथ्य है कि अध्यापक चाहेगा तो केंद्र में नकल होगी और यदि नहीं चाहेगा तो नहीं होगी । तकनीक में अनेक प्रकार के आयाम जुड़ने के कारण एआई जैसी टेक्नोलाजी के आने से चुनौतियां और बढ़ गई हैं तो मूल्यांकन भी जटिल हो गया है । सोशल साइट्स ने जीवन को अभूतपूर्व गति प्रदान की है और एक प्रभावी उपकरण बन चुका है । सूचना का आदान-प्रदान क्षणों में संभव है। सभी तथ्यों की जानकरी होने के बावजूद ऐसी परीक्षाओं को साधारण औपचारिकता के तौर पर कंडक्ट करवाया जाए और माफिया आराम से ऑपरेट करते रहें तो हाहाकार होनी तो स्वाभाविक है । केवल परीक्षार्थी ही मानसिक तनाव का शिकार हो ऐसा नहीं होता । उसके अभिभावकों सहित अनेक लोगों पर इन हाई प्रोफाइल प्रतियोगितात्मक परीक्षाओं का प्रत्यक्ष या परोक्ष असर पड़ता है जिनमें कोचिंग संस्थान भी शामिल होते हैं । अपार धन का अनियंत्रित बिजनेस है । समिति गठन की जितनी अहमियत अब दी जा रही है, काश एनटीए गठन के समय यह परिश्रम कर लिया जाता और कंडक्ट को सीबीएसई से पूरी तैयारी के बाद ही वापस लिया जाता तो इस विभीषिका से बचा जा सकता था । निश्चित तौर पर सरकार की कारगुजारी पर धब्बा लगा है और सिस्टम पर विश्वास बहाली उसकी सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए । शिक्षा जगत से जुड़े लोग जानते हैं कि पेपर सेटिंग से लेकर परिणाम घोषित होने तक किस स्तर के विभिन्न विशेषज्ञ इस दायित्व का निर्वहण और निष्पादन करते हैं ।

भारत के लिए कई क्षेत्रों में अपने सूचकांक तैयार करने का वक्त

ANALYSIS

✍ प्रहलाद सबनानी

न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था।

वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की भिन्न भिन्न क्षेत्रों में रेटिंग तय करने की दृष्टि से वित्तीय एवं विशिष्ट संस्थानों द्वारा सूचकांक तैयार किए जाते हैं। हाल ही के समय में इन विदेशी संस्थानों द्वारा जारी किए गए कई सूचकांकों में भारत की स्थिति को संभवत जान बूझकर गल्त दशार्या गया है। इन सूचकांकों में पाकिस्तान, अफगानिस्तान एवं अफ्रीका के गरीब देशों की स्थिति को भारत से बेहतर बताया गया है। उदाहरण के लिए अभी हाल ही में पश्चिमी देशों द्वारा जारी किए गए तीन सूचकांकों की स्थिति देखिए। सबसे पहिले उदार (लिबरल) लोकतंत्र सूचकांक में भारत की रैंकिंग को 104 बताया गया है और भारत के ऊपर निजेर देश को बताया गया है। इसी प्रकार, आनंद (हैपीनेस) सूचकांक में भी भारत का स्थान 126वां बताया गया है जबकि पाकिस्तान को 108वां स्थान मिला है, जहां अत्यधिक मुद्रा स्फीति के चलते वहां के नागरिक अत्यधिक त्रस्त हैं। एक अन्य, प्रेस की स्वतंत्रता नामक सूचकांक में भारत को 161वां स्थान मिला है जबकि इस सूचकांक में कुल मिलाकर 180 देशों को शामिल किया गया है और अफगानिस्तान को 152वां स्थान दिया गया है, अर्थात इस सर्वे के अनुसार, अफगानिस्तान में प्रेस की स्वतंत्रता भारत की तुलना में अच्छी पाई गई है। पश्चिमी देशों में स्थिति इन संस्थानों द्वारा इस प्रकार के सूचकांक तैयार किए जाकर पूरे विश्व को भ्रमित किए जाने का प्रयास हो रहा है। वस्तुतः भारत में हाल ही में सम्पन्न हुए लोक सभा चुनावों पर भी पश्चिमी देशों ने कई प्रकार के सवाल खड़े करने के प्रयास किए थे। जैसे, इस भीषण गर्मी के मौसम में चुनाव क्यों कराए गए हैं, जिससे सामान्यजन वोट डालने के लिए

घरों से बाहर ही नहीं निकले, ईवीएम मशीन में कोई खराबी तो नहीं है, आदि। परंतु, भारतीय मतदाताओं ने इन लोक सभा चुनावों में भारी संख्या में भाग लेकर पश्चिमी देशों को करारा जवाब दिया है। न ही, ईवीएम मशीन में किसी प्रकार की गड़बड़ी पाई गई और न ही गर्मी का प्रभाव चुनावों पर पड़ा। हालांकि सत्ताधारी दल को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ कम स्थान जरूर प्राप्त हुए हैं परंतु देश में किसी भी प्रकार की कोई घटना घटित नहीं हुई है। विश्व के सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनाव सामान्यतः शांति के साथ सम्पन्न हो गए। साथ ही, विपक्षी दलों को पिछले चुनाव की तुलना में कुछ अधिक स्थान मिले हैं और उन्होंने भी चुनाव के परिणामों को स्वीकार कर लिया है। चुनाव की प्रक्रिया पर कोई सवाल खड़ा नहीं किया गया है। इस सबके बावजूद पश्चिमी देशों ने पश्चिमी लोकतंत्र सूचकांक में वर्ष 2014 में भारत को 27वां स्थान दिया था और वर्ष 2023 में भारत की रैंकिंग नीचे गिराकर 41वें स्थान पर बताई गई है। जबकि वास्तव में तो इस बीच देश में लोकतंत्र अधिक मजबूत ही हुआ है, परंतु पश्चिमी देशों द्वारा भारतीय लोकतंत्र को ही जैसे खतरे में बताया जा रहा है और एक तरह से भारतीय लोकतंत्र पर ही सवाल खड़े कर दिए गए हैं। दरअसल पश्चिमी देशों में कुछ शक्तियां भारत के हितों के विरुद्ध कार्य कर रही हैं एवं ये ताकतें विभिन्न सूचकांक तैयार करने वाली संस्थाओं को प्रभावित करने में कोई कोर कसर नहीं छोड़तीं हैं। कुछ समय पूर्व एक अंतरराष्ट्रीय संस्थान ने वैश्विक भुखमरी सूचकांक जारी किया था। इस सूचकांक में यह बताया गया था कि भारत की तुलना में श्रीलंका, म्यांमार, पाकिस्तान, एथीयोपिया, नेपाल, भूटान आदि देशों में भुखमरी की स्थिति बेहतर है। अर्थात, सर्वे में शामिल किए गए 121 देशों की सूची में श्रीलंका का स्थान 64वां, म्यांमार का 71वां, बांग्लादेश का 84वां, पाकिस्तान का 99वां, एथीयोपिया का 104वां एवं भारत का 107वां स्थान बताया गया था। जबकि पूरा विश्व जानता है कि व श्रीलंका, पाकिस्तान एवं म्यांमार जैसे देशों में खाद्य पदार्थों की भारी कमी है जिसके चलते इन देशों के नागरिकों के लिए दो जून की रोटी जुटाना भी बहुत मुश्किल हो रहा है। जबकि, भारत कई देशों को आज खाद्य सामग्री उपलब्ध करा रहा है। फिर किस प्रकार उक्त सूचकांक बनाकर वैश्विक स्तर पर जारी किए जा रहे हैं। ऐसा आभास हो रहा है कि भारत की आर्थिक तरक्की को विश्व के कई देश अब सहन नहीं कर पा रहे हैं एवं भारत के बारे में इस प्रकार के सूचकांक जारी कर भारत की साख को वैश्विक स्तर पर प्रभावित किए जाने का प्रयास किया जा रहा है। युद्ध की विभीषिका झेल रहे एथीयोपिया में नागरिक अपनी भूख मिटाने के लिए घास जैसे भारी पदार्थों को खाकर अपना जीवन गुजारने को मजबूर हैं। इन विपरीत परिस्थितियों के बीच जीवन यापन करने वाले नागरिकों को भुखमरी के मामले में भारत के नागरिकों से बेहतर स्थिति में बताया गया है। वहीं दूसरी ओर भारत में प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के अंतर्गत 80 करोड़ नागरिकों को केंद्र सरकार द्वारा प्रतिमाह 5 किलो मुफ्त अनाज उपलब्ध कराया जा रहा है ताकि इन लोगों को खाने पीने सम्बंधी किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं हो। फिर भी भारत के नागरिकों को भुखमरी सूचकांक में ईथीयोपिया के नागरिकों की तुलना में इतना नीचे बताया गया है। अब कौन इस प्रकार के सूचकांकों पर विश्वास करेगा। यह भी बताया जा रहा है कि इस सूचकांक को आंकने के लिए भारत के 140 करोड़ नागरिकों में से केवल 3000 नागरिकों को ही इस सर्वे में शामिल किया गया था। इस प्रकार सर्वे का सैम्पल बनाते समय भारत जैसे विशाल देश के लिए अपर्याप्त संख्या का उपयोग किया गया है। वैश्विक स्तर पर विभिन्न देशों की सावरेन क्रेडिट रेटिंग पर कार्य कर रही संस्था स्टैंडर्ड एंड पूअर ने हाल ही में भारतीय अर्थव्यवस्था का आंकलन करते हुए भारत के सम्बंध में अपने दृष्टिकोण को सकारात्मक किया है एवं कहा है कि वह भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड करने के उद्देश्य से भारत के आर्थिक विकास सम्बंधी विभिन्न पैमानों का, आधारभूत ढांचे को विकसित करने एवं भारत के राजकोषीय घाटे को कम करने से सम्बंधित आंकड़ों एवं प्रयासों का गम्भीरता से लगातार अध्ययन एवं विश्लेषण कर रहा है। आगे आने वाले दो वर्षों के दौरान यदि उक्त तीनों क्षेत्रों में लगातार सुधार दिखाई देता है तो भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को अपग्रेड किया जा सकता है। वर्तमान में भारत की सावरेन क्रेडिट रेटिंग इइइ- है, जो निवेश के लिए सबसे कम रेटिंग की श्रेणी में गिनी जाती है। किसी भी देश की सावरेन क्रेडिट रेटिंग को यदि अपग्रेड किया जाता है तो इससे उस देश में विदेशी निवेश बढ़ने लगते हैं क्योंकि निवेशकों का इन देशों में पूंजी निवेश तुलनात्मक रूप से सुरक्षित माना जाता है। साथ ही, अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग प्राप्त देशों की कम्पनियों को अन्य देशों में पूंजी उगाहना न केवल आसान होता है बल्कि इस प्रकार लिए जाने वाले ऋण पर ब्याज की राशि भी कम देनी होती है। किसी भी देश की जितनी अच्छी सावरेन क्रेडिट रेटिंग होती है उस देश की कम्पनियों को कम से कम ब्याज दरों पर ऋण उगाहने में आसानी होती है।

लेखक, वरिष्ठ स्तम्भकार एवं आर्थिक विश्लेषक हैं।

मीडिया ट्रायल बनाम समानांतर अदालती व्यवस्था

नीट में लापरवाही के आरोपों और इलेक्ट्रानिक मीडिया के बीच एक और खबर आयी। अपनी फटी ओएमआर सीट दिखाते हुए भावुक आरोप लगाने वाली छात्रा आयुषी पटेल की याचिका पर उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने उसे फर्जी पाया। अदालत के सामने प्रस्तुत दस्तावेजों की जांच के बाद यह पाया गया कि छात्रा ने फर्जी एप्लीकेशन नम्बर से एनटीए को मेल किया था। लखनऊ बेंच ने छात्रा के रवैये को अफसोसजनक बताते हुए याचिका को खारिज कर दिया और यह भी कहा कि एनटीए चाहे तो छात्रा के खिलाफ उपयुक्त कार्रवाई कर सकता है। इस तरह की परीक्षाओं में करोड़ों लोगों का भविष्य जुड़ा रहता है। राष्ट्रहित में यह जरूरी है कि उनके संचालन में पूरी शुचिता बरती जाए, किन्तु अपनी टीआरपी बढ़ाने के लिए इलेक्ट्रानिक मीडिया जिस तरह से समानान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर देती है, उससे ऐसे सामाजिक दबाव का सृजन होता है कि वह न्याय की प्रक्रिया को नुकसान पहुंचाता है। बिना सुबूत और अदालती निर्णय के ही समाज की निगाह में लोगों को दोषी ठहरा देता है। कुछ समय बाद चाहे भले ही अदालत उन्हें निर्दोष ठहरा दे, किन्तु उनकी जो प्रतिष्ठा खो चुकी होती है, वह कभी भी वापस नहीं आती। बीते वर्षों में रिया-सुशांत, आरुषि-तलवार की हत्या और दिल्ली के जसलीन कौर-सर्वजीत कौर के मामले ऐसे कई उदाहरणों में से कुछ गिनाए जा सकते हैं, जब इलेक्ट्रानिक मीडिया ने अपनी टीआरपी के लिए लोगों को अपूर्णीय क्षति पहुंचायी है। रिया-सुशान्त के मामले में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने रिया को कहीं का नहीं छोड़ा। खुद ही सुबूत इकट्ठा करके उसके ऊपर जादू-टोना से लेकर कई काल्पनिक आरोप लगाए। अदालत ने उन्हें नाकाफी और अविश्वसनीय माना, किन्तु रिया उससे अब तक नहीं उबर पायी और लांछन उनके साथ सदैव के लिए चस्पा हो गया। इसी तरह आरुषि हत्याकांड में इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उसके मां-बाप को जीते जी मार डाला। बगैर किसी पुख्ता सुबूत और अदालती निर्णय के आरुषि की मौत के बाद उसके चरित्र पर जिस तरह छींटाकशी की गई, वह किसी भी सभ्य समाज के लिए कलंक है। राजेश और नुपूर तलवार मीडिया के सामने गिड़गिड़ाते रहे कि उन्हें परेशान न किया जाए, किन्तु उनकी किसी ने एक नहीं सुनी और अपनी टीआरपी के लिए नित नई कहानियां तैयार करते रहे। नौ साल की यन्त्रणादायक कानूनी लड़ाई के बाद इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने उन्हें बरी कर दिया, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने उन्हें समाज में रहने लायक नहीं छोड़ा। नीट से जुड़े मामले सर्वोच्च अदालत के सामने हैं। अदालत सभी पहलुओं पर गौर कर रही है, किन्तु इलेक्ट्रानिक मीडिया ने समान्तर अदालती व्यवस्था खड़ी कर ली है। उसमें उनके अभियोजक और गवाह हैं। निर्णय लेने की जिम्मेदारी उन्होंने खुद ले ली है। जानकारी की कमी या टीआरपी के दबाव में उन लोगों को भी दोषी ठहराया जा रहा है, जो केवल औपचारिक प्रमुख की भूमिका में है। मसलन एनटीए के अध्यक्ष का पद विश्वविद्यालयों के चांसलर की तरह होता है। नीति निर्माण या क्रियान्वयन में उसकी कोई भूमिका नहीं होती, किन्तु मीडिया बगैर सुबूत के ही उन्हें मुजरिम की तरह पेश कर रहा है। यह जब किसी विषय पर अदालत विचार कर रही हो तो इस तरह का मीडिया ट्रायल न्यायिक कार्यों में दखलंदाजी और अदालत की अवमानना है। न्यायशास्त्र का आधारभूत सिद्धांत यह है कि किसी व्यक्ति को तब तक निर्दोष माना जाएगा जब तक उसे अदालत द्वारा दोषी साबित न कर दिया जाए, लेकिन इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के ऊपर यह नियम लागू नहीं होता। कई बार तो वह इस तरह की व्यूहरचना तैयार कर लेता है कि अभियुक्त के खिलाफ एक सामाजिक माहौल तैयार हो जाता है और मुकदमे के अदालत में जाने से पहले ही अभियुक्त दोषी ठहरा दिया जाता है। विधि आयोग ने 2006 में जारी अपनी 200 पेज की रिपोर्ट में मीडिया ट्रायल अभिव्यक्ति की आजादी तथा निष्पक्ष न्याय के अन्तर्सम्बन्धों पर विस्तार से चर्चा की थी। आयोग के तत्कालीन अध्यक्ष न्यायमूर्ति एम जगन्नाथराव ने मत व्यक्त किया था कि इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के बढ़ते प्रभाव के कारण समाचारों के प्रसारण का स्वरूप बदला और उसका असर कई बार अभियुक्तों, गवाहों और यहां तक कि न्यायाधीशों पर पड़ता है। किसी भी व्यक्ति को अदालती फैसले से पहले फैसला सुनाने की इजाजत नहीं होनी चाहिए। विधि आयोग ने इस बात पर चिंता व्यक्त की थी कि इस तरह के मीडिया ट्रायल से निष्पक्ष न्याय पाने के अधिकार में गैरवाजिब दखलंदाजी हो रही है, जो न्यायालय अवमानना कानून 1971 की मंशा के विरुद्ध है। न्यायालय अवमानना कानून की धारा 2 में अवमानना को परिभाषित किया गया है। ऐसा कोई भी प्रकाशन जो न्यायिक कार्यवाही या न्याय प्रशासन में दखलंदाजी करता हो या उस पर प्रतिकूल असर डालता है, वह अदालत की आपराधिक अवमानना की श्रेणी में आता है। मीडिया ट्रायल द्वारा न केवल समानांतर जांच की कार्यवाही की जा रही है, अपितु तमाम विशेषज्ञों को बुलाकर उसके फॉरेंसिक और कानूनी पहलुओं पर इस तरह की चर्चा की जा रही है, जिससे कई लोगों को अपराधी साबित किया जा सके। इस सामाजिक दबाव के सामने निष्पक्ष जांच करना और फिर उस पर निष्पक्ष निर्णय देना आसान काम नहीं है। मुकदमें के सम्यक विचारण के बाद यदि अदालत उन लोगों के खिलाफ सुबूत न मिलने पर छोड़ देता है, जैसा कि आरुषि और सर्वजीत के मामले में हुआ तो आम आदमी के मन में मीडिया द्वारा बनायी गयी अवधारणा इतनी पुख्ता होती है कि उसका अदालत के प्रति विश्वास कम हो जाए तो आश्चर्य नहीं।

Social Media Corner

सच के हक में...

पवित्र अमरनाथ यात्रा के शुभारंभ पर सभी तीर्थयात्रियों को मेरी हार्दिक शुभकामनाएं। बाबा बफार्नी के दर्शन और वंदन से जुड़ी यह यात्रा शिवभक्तों में असीम ऊर्जा का संचार करने वाली होती है। उनकी कृपा से सभी श्रद्धालुओं का कल्याण हो, यही कामना है। जय बाबा बफार्नी!

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

कितनी भी विपरीत परिस्थिति हो, मगर एनडीआरएफ का जवान वहाँ खड़ा हो, तो आपदा में फँसे लोगों का हौसला अनेक गुना बढ़ जाता है। बीते 10 वर्षों में आपदाओं से निपटने के लिए दुनिया की बेस्ट प्रैक्टिसेज को मोदी सरकार ने जमीन पर उतारा है।

(गृह मंत्री अमित शाह का 'एक्स' पर पोस्ट)

लद्दाख में नदी पार करने के दौरान टैंक दुर्घटनाग्रस्त होने से सेना के 5 जवानों के निधन की दुखद सूचना प्राप्त हुई। राष्ट्र के प्रति कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर जवानों को नमन। शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी संवेदनाएं प्रकट करते हुए दिवंगत आत्माओं के शांति की प्रार्थना करता हूं।

(पूर्व सीएम बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

डेटा-संचालित प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने की चुनौती

राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सालाना 29 जून को सांख्यिकी के क्षेत्र में प्रोफेसर पीसी महालनोबिस के अतुलनीय योगदान को ध्यान में रखकर उनके सम्मान में मनाया जाता है। ये विषय राष्ट्रीय सांख्यिकीय प्रणालियों में आमजनों द्वारा विश्वास करने, सरकार व निजी क्षेत्र का आधिकारिक डेटा को सुरक्षित करने, नवाचार और सार्वजनिक डेटाबेस प्रबंधन के महत्व को दशार्ता है। प्रो. महालनोबिस को भारतीय सांख्यिकी का जनक माना गया है। पहला राष्ट्रीय सांख्यिकी दिवस सन 2007 को मनाया गया था। पिछले वर्ष-2023 की थीम थी 'सतत विकास लक्ष्यों की निगरानी के लिए राज्य संकेतक ढांचे को राष्ट्रीय संकेतक ढांचे के साथ संरेखित करना'। सरकारी स्तर पर सांख्यिकी दिवस समसामयिक राष्ट्रीय महत्व के विषय वस्तु पर मनाया जाता है। राष्ट्रीय विकास में आधिकारिक सांख्यिकी के महत्व को उजागर करने के लिए ये दिवस प्रतिवर्ष मनाया जाता है। आज कई जगहों पर सेमिनार, चचार्एं और प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगे, जहां लोगों को सांख्यिकी के संबंध में जागरूक किया जाएगा। किसी भी प्रतिष्ठान या व्यावसायिक गतिविधियों की पारदर्शी कार्यशैली की नींव उसके सांख्यिकी या डाटा से पहचानी जाती है। नागरिक समाज, निजी क्षेत्र, परोपकारी निकायों, अंतरराष्ट्रीय और क्षेत्रीय एजेंसियों, भू-स्थानिक समुदाय, मीडिया जैसे तमाम पेशेवर निकायों की विश्वसनीयता उनकी सांख्यिकीय पर निर्भर करती हैं। डिजिटल डेटा और प्रौद्योगिकी प्रक्रियाओं में खपलेबाजी आधुनिक समय की बड़ी समस्याओं में गिनी जाने लगी है। इस दिवस के महत्व की जहां तक बात है, तो रोजमर्रा की जिंदगी में सांख्यिकी के उपयोग को लोकप्रिय बनाना और देशवासियों को इस बाबत जागरूक करना की सांख्यिकी नीतियों को आकार देने और तैयार करने में कैसे मदद करती है। 29 जून को प्रोफेसर महालनोबिस की जयंती भी होती है जिनका सांख्यिकी और आर्थिक नियोजन के क्षेत्र में योगदान अमूल्य रहा है। महालनोबिस का जन्म 29 जून 1893 को कलकत्ता में एक धनी और शैक्षणिक रूप से उन्मुख बंगाली परिवार में हुआ था। उन्होंने भौतिकी में स्नातक की उपाधि प्राप्त की और बाद में उच्च शिक्षा के लिए लंदन चले गए थे। उन्होंने भौतिकी में अपना ट्रिपोस पूरा किया और मानव विज्ञान और मौसम विज्ञान में समस्याओं को हल करने में सांख्यिकी की प्रभावकारिता की खोज की थी। उनका निधन 28 जून 1972 को कलकत्ता में 78 वर्ष की आयु में हुआ था। सांख्यिकी दिवस पर सामाजिक-आर्थिक नियोजन में सांख्यिकी की भूमिका के बारे में जन जागरुकता बढ़ाना, विशेष रूप से युवा पीढ़ी के बीच रिपोर्ट, कार्यक्रम, कार्यान्वयन, निगरानी आदि सभी का प्रबंधन सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन की प्रस्तुति देना भी होता है। सांख्यिकी दिवस-2024 की थीम है 'निर्णय लेने के लिए डेटा का उपयोग'। केंद्रीय बजट में सांख्यिकी की सबसे बड़ी भूमिका होती है। बजट निमार्ण में केंद्र सरकार तमाम प्रख्यात सांख्यिकीविदों को इसलिए शामिल करती हैं ताकि उनके अनुभव से डेटा एक विश्वसनीय प्रारूप तैयार किया जाए। जिसे वित्त मंत्री द्वारा संसद में प्रस्तुत किया जाता है। सांख्यिकी शब्द का दो प्रकार से प्रयोग होता है। बहुवचन के स्वरूप में यह परिमाणात्मक जानकारी या आंकड़ों को व्यक्त करता है। वहीं, एकवचन के स्वरूप में ये शब्द सांख्यिकीय विधियों का दूसरा नाम है। यहां इसका अर्थ आंकड़ों के संकलन, संगठन, प्रस्तुतीकरण, विश्लेषण और निर्वचन का शास्त्र या विज्ञान भी होता है। भारत में सांख्यिकी के वर्तमान अध्यक्ष प्रो. राजीव लक्ष्मण करंदीकर हैं, जिन्हें 30 नवंबर 2022 को तीन साल की अवधि के लिए केंद्र सरकार ने आयोग का अध्यक्ष नियुक्त किया है।

बारिश का एक दुख

पहली बारिश में ही दिल्ली का जो हाल हुआ है, वह न केवल चिंताजनक, बल्कि दुखद भी है। जगह-जगह जाम, जल भराव, पेड़ों का गिरना अपनी जगह बहुत गंभीर है, पर सबसे सनसनीखेज घटना नई दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 पर घटी है। शुक्रवार को भारी बारिश के बीच छत का एक हिस्सा वाहनों पर आ गिरा, जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई और छह लोग घायल हो गए। जब हादसा हुआ, तब बारिश हो रही थी, सुबह करीब 5.30 का समय था, हादसा अकल्पनीय था। बीते मार्च में ही नई दिल्ली के सबसे बडे.हवाई अड्डे के टर्मिनल-1 का विस्तार किया गया है। इसका विस्तार करने-कराने वालों ने सुंदरता का तो ध्यान रखा, मगर मजबूती सुनिश्चित करना शायद वे भूल गए। इस टर्मिनल से लाखों लोग यात्रा करते हैं, पर रखरखाव में ऐसी लापरवाही अक्षम्य मानी जाए, तो ही न्याय है। एक बार सोचकर जरूर देखना चाहिए कि दुनिया में क्या संदेश गया है? क्या भारत अपने एक सबसे महत्वपूर्ण हवाई अड्डे को भी ढंग से नहीं रख पा रहा है? राजधानी दिल्ली में एयरपोर्ट पर जब यह हाल है, तो बाकी जगहों पर आम लोगों की सुरक्षा को लेकर न जाने कितने सवाल खड़े किए जा सकते हैं? न जाने कितने ऐसे रेलवे स्टेशन, बस अड्डे देश में होंगे, जिन्हें सिर्फ रंग-रोगन करके चमकाया गया होगा? जिम्मेदार अधिकारियों को शर्म आनी चाहिए, उनकी लापरवाही के चलते भ्रष्टाचार का मुद्दा फिर चर्चा में आ गया है? कहीं भवन ढह रहे हैं, तो कहीं पुल गिर रहे हैं, तो कहीं सड़कों पर दरारें पड़ रही हैं? खूब लंबे-चौड़े राष्ट्रीय राजमार्ग बनाना जरूरी है, पर शहरों के अंदर की सड़कों का रखरखाव कौन करेगा? दिल्ली में केवल दो घंटे की बारिश के बाद अंडरपास और अंडर ब्रिज में पानी भर जाना क्या हमारी अक्षम नौकरशाही की ओर इशारा नहीं है?

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Indian Muslims on shaky ground

I am an ardent admirer of Harsh Mander, a former IAS officer who resigned in 2002 in protest against the Gujarat government's failure to do its Raj Dharma of curbing the massacre of innocent Muslims. I do not have the courage Harsh has. I never had that level of courage. He recently informed his myriad admirers that his new article was on the subject of "the political demonisation, erasure and abandonment of Indian Muslims in recent elections". He aptly called it "the crisis of not-belonging".An incident that occurred on polling day in Uttar Pradesh last month caught my attention. An educated Muslim girl arrived at a polling booth along with her sister. The officials on duty went through the voter list and informed the girls that their names were not on it.

The girl who reported this incident had earlier gone to the centre concerned for checking the voter list. Her name and that of her sister were there. She demanded a re-check, which the officials did. Their names were on the list. The girls voted, as was their right and their duty. They were educated girls, confident of their own capabilities.

On emerging from the polling station, she found groups of burqa-clad women who had been told that they could not vote as their names were not on the list. They were not smart like our girl to call their bluff. The BJP knew that minority votes would go against them. It was rumoured that it used different means to ensure victory. Yet, in BJP-ruled UP, it failed.

The Election Commission of India (ECI) should have acted on the courageous girl's complaint and investigated such electoral misdemeanours. The ECI wields sole authority over officials of any government department on election duty. It should have identified the culprits and put them on the mat. It should also have published details of the action taken against them.I agree with Harsh that Indian Muslims are on shaky ground after the BJP-led NDA government assumed office. The BJP's propaganda team may deny this so that the party's back is covered and the Western powers with whom we now seem to be aligned think kindly of our government. But there is much that the community itself can do to change its own image. Indian Muslims are not the target of only the Modi-Shah government but also the victims of its own narrow-minded religious establishment.It is really sad to see that innumerable Muslim women are kept deliberately backward and treated as possessions in India. I am talking specifically of uneducated women in families living in penury. I have many Muslim friends, but they belong to the privileged, well-heeled category who will think like I do and approach life as I would.Presently, I am watching a Turkish serial called Black Money Love. Women in that Islamic country are totally liberated following the reforms introduced by Mustafa Kemal Ataturk. In India, the community needs to start internal reforms. First and foremost, it should ensure that all its women become literate. It should also ensure that they are well educated and able to think for themselves. Kerala has achieved 100 per cent literacy. It has thereby succeeded in controlling the reproduction rate.

The BJP's main accusation against the Congress was, and still is, that the community was pampered by the party for votes. In what aspects of their life were Muslims pampered? It was only the religious dispensation that was pampered, ensuring that obscurantist practices were perpetuated. The Shah Bano judgment overturned by an ill-advised Prime Minister spelt the end of Congress primacy in India. It shocked the conscience of citizens like me, who nurtured no biases.Poor Muslims, both menand women, remain as helpless and deprived today as they were then. Strong leaders should emerge in the community to challenge the fatwas of the mullahs. Like the mullah who ordered the wife of a soldier missing in action for seven years — who re-married and became a mother in his absence — to return to her previous husband when the Pakistanis released him from captivity. The woman was not consulted! She was a mere possession.

Marginal tax cuts not enough to spur robust economic growth

Economists do not feel that there is any policy objective among decision-makers to reduce economic inequality.

THE Union Government is considering what it has not done for over half a dozen years now. In the full Budget for 2024-25 due in late July, it may end up cutting taxes amounting to Rs 50,000 crore so that those not so well-off can get to pay less by way of taxes and consequently spend more by way of raising consumption.

One way of doing this is introducing a new beneficial income tax slab. Another step can be raising grants for small farmers as well as allocating more government funds for the rural employment programme, which will help both male and female rural workers.The overall picture is that even as the GDP has been doing well over the last few years, private consumption has not kept pace. After the Covid-19 pandemic subsided, the GDP growth rate hovered at around 8 per cent till 2023-24. But private consumption, after growing through state largesse at the rate of over 10 per cent in 2021-22, slumped to around half that figure in 2023-24.But for the Budget as a whole, the government needs to do much more than just lower a few taxes. According to an expert, around 20 million more jobs will be needed. The Budget can help take things forward in four ways. As there are fewer jobs available in rural areas, there will have to be well-planned, sustainable cities with enough jobs to absorb the people coming in from villages in search of work.The Budget will also have to help boost large-scale manufacturing. The key will be more funds by way of the production-linked incentive scheme, which encourages global companies to bring in manufacturing plants that both create more skilled jobs and use the higher production for domestic consumption as well as exports. Additionally, information technology companies will create new jobs for engineers and fetch services exports. These engineers will spend and contribute to indirect taxes.Some of these points have been raised by business representatives in their meeting with the Finance Minister while offering ideas on putting together the forthcoming Budget. A somewhat new proposal will be to raise capital expenditure in rural areas so that there is more irrigation, warehousing and cold chains. This will raise agricultural output and bring down inflation, thus allowing the economy to go further through greater government expenditure without pushing up inflation.

As much as the corporate leaders have their focus on their own businesses, they have also shared ideas with the government to focus on micro, small and medium enterprises (MSMEs). These will feed into the larger businesses and help them grow further.

Though the government has had some good ideas (cutting a bit of taxes) and the corporates have passed on a few more, it needs to focus on a cardinal reality that is yet to be addressed — the stark economic inequality in the country.Even though India's stock markets remain one of the costliest in the world, the government finds that it needs to keep delivering free foodgrains to 800 million of the 1.4 billion people in the country to keep hunger at bay. According to a survey by Reuters, economists feel that the youth, who are already suffering from unemployment, are not optimistic about things getting any better in the next five years.

conomists do not feel that there is any policy objective among decision-makers to reduce economic inequality. And a critical point for some of them is that inequality will not go away on its own through overall rapid economic growth, which is happening right now.

However, some experts feel that inequality in itself is not a cause for concern. What is important is that those at the bottom of the pyramid should fare better economically. Those at the top doing much better is not an issue.

The sharp differences among economists is highlighted by certain contradictions. India has the second-highest number of billionaires in Asia, while tens of millions of people scrape by with a daily wage of around Rs 400 earned through digging wells and country roads, making money 100 days a year.Some economists, with the upcoming Budget in mind, feel that the key concern should not be to visualise the country becoming a developed economy by 2047 or in around a quarter century. What is more important is for workers to have better skills so that they have more jobs and become a part of an overall inclusive growth.Ninety per cent of the economists polled felt that unemployment would remain the biggest problem for the next five years. The way to solve this would be to move from farm to factory. But what stands in the way is the failure to invest adequately in education. The country spends 3 per cent of the GDP on public education, even though the National Education Policy recommends 6 per cent.

In view of all this, it is perhaps necessary for both the government and business leaders to move away from issues regarding marginal changes in taxes and investments. Instead, it is imperative to focus on what matters so that the country has workers who are able to run more modern factories. The share of manufacturing in the GDP has remained in the range of 15-17 per cent for about 30 years.If there is a saving grace, it is the rise in services delivering information technology, led by top software companies. The key policy that made it possible was the creation of software technology parks in the early 1990s and the waiver of income tax on IT export earnings. Right now, the US is the leading enabler of Indian exports, led by the delivery of services.The government will be shortsighted if it tries to overcome the setback in the recent elections by looking at standalone decisions like reducing a bit of tax here or there. The 2024-25 Budget needs to have a broad goal, which the government of the early 1990s did. The way to begin today is to reform the public education system, aided by greater government spending.

Minority report

US criticism of India can have repercussions

US Secretary of State Antony Blinken has flagged a 'concerning increase' in anti-conversion laws, hate speech and demolition of homes and places of worship of members of minority communities in India. In his remarks at the release of the US State Department's 2023 Report on International Religious Freedom, Blinken said Christian groups in India had reported attacks by mobs, allegedly in league with the police, over accusations of 'conversion activities'. The report claims that Christians and Muslims were arrested under laws banning forced religious conversion. The unusually scathing criticism comes weeks after the Prime Minister Narendra Modi-led NDA government began its third successive term. It is bound to cast a shadow on India-US ties, which have made rapid strides in the strategic and defence domains in recent years.Blinken had also mentioned India in his remarks during the release of the 2021 Report on International Religious Freedom two years ago, expressing concern

over rising attacks on people and places of worship in the country. However, his comments this time may be seen through the prism of the US presidential elections, which are scheduled for November. With Christians accounting for two-thirds of the American population, highlighting alleged atrocities against them in countries such as India could be construed as a vote-catching tactic.While talking about the minorities in the US, Blinken has confined himself to the observation that reports of hate crimes and other incidents targeting Muslims and Jews have gone up dramatically. America seems more keen to 'advance religious freedom across the globe' than to set its own house in order. The Indian government does need to do course correction on the minority front, but it won't appreciate the US playing the Big Brother. Antagonising a close ally will have repercussions for Washington, especially when the Gurpatwant Singh Pannun case is already testing the strength and maturity of the bilateral relations.

Military stranglehold taking its toll on Pakistan

The public of Pakistan needs to realise that the India-centric approach of the army has only hastened the country's slide.

SINCE 1947, India and Pakistan have fought four wars, including the one in 1971, when East Pakistan broke away with Indian assistance and became Bangladesh. They have opposed each other at every international forum, acquired nuclear weapons to gain strategic superiority and joined alliances to seek territorial and diplomatic advantage. To make up for its smaller size, Pakistan has not hesitated from using the communal card in a bid to destabilise India time and again and "bleed India with a thousand cuts" with its proxy war in J&K since 1989. Members of terrorist groups such as Lashkar-e-Taiba, Harkat-ul-Ansar and Hizbul Mujahideen continue to be trained and infiltrated into India for carrying out terrorist activities and creating destabilisation. As things stand, this situation is unlikely to change anytime soon.

During this entire period, through the shrill cacophony of revenge, there have been sane voices from both sides suggesting better relations between the two and progressing together in peaceful co-existence. Why these efforts have not produced the desired results, thus prolonging the status quo, needs to be analysed. In the current geopolitical environment, a continuing hostile stance between the two is likely to prove harmful to both, more so to Pakistan, due to its vulnerabilities.

Unlike in India, where a democratically elected government conducts foreign policy with all countries, including Pakistan, the civilian government in Pakistan must go by the wishes of the army while dealing with India. This creates a dichotomous situation wherein a clandestine hand seems to be controlling the outcome of direct talks.The Pakistan army has ruled the country directly or indirectly for the past 77 years. Not having been popular while ruling the country directly, the army has conveniently indulged in back-seat driving by making the 'selected' government do its bidding. This ensures that it gets credit for all the good deeds, while unpopular decisions are attributed to the civilian government.

The army has maintained its position within the polity by branding India as Pakistan's enemy No.1 in people's minds while projecting itself as the saviour of the nation. It is not uncommon to find that for most things going wrong in Pakistan, India is generally the whipping boy. The army is adept at orchestrating an anti-India agenda from the background. The only negative aspect of such a game plan is that it cannot be played perpetually, thus exposing the perpetrators.Punjabis have invariably dominated the government and all its important wings, even at the expense of depriving others of their fair share of government jobs. Thus, there is a strong undercurrent of resentment and alienation among Sindhis, Baluchis and Pakhtoons, giving a fillip to divisiveness. With the passage of time, this faultline is becoming more prominent.The army has gradually expanded its overall control to almost all institutions in the country. The Fauji Foundation has been activated to control some of the economic activities. Recent reports of pressurising and threatening the judiciary to get favourable decisions for the 'establishment' have pointed to the subversion of judicial processes. Manipulation of the religious discourse to suit the aspirations of the military has resulted in creation of a suspicious and untrustworthy environment wherein the friction between the Shias and Sunnis has increased manifold. In fact, the minority Shias have been targeted more frequently by the Sunnis lately, thus heightening the discord.

There is also a feeling of alienation in the lower and middle ranks of the Pakistan army, especially since most spoils of power are being shared at the higher levels. It is this disenchantment that Imran Khan tried to exploit while taking on the army when he was the Prime Minister. His failure, of course, does not change the ground reality.

On the Indian side, the foreign policy of the country is the responsibility of the democratically elected government of India. Principally, it would be happy to have cordial neighbourly relations with Pakistan. Several past prime ministers of India have repeatedly shown their positive intent on this account. Negotiations have broken down either because of the last-minute pressure from the Pak army on their government or because of Pakistan going back on the agreed upon agreements. The Simla Agreement of 1972 is a glaring example.

The solution lies in weakening of the stranglehold of the army on the foreign policy of Pakistan vis-à-vis India. The public of the country needs to realise that the India-centric approach propagated and followed by the army has only hastened Pakistan's slide. It is the inherent contradictions within the Pakistan polity, propped up and manipulated by the army, that are leading the country towards disintegration.

The moot question that arises is whether the military can be forced to jettison its prime position to stop Pakistan's abysmal march to doomsday. There are murmurs of discontentment and unhappiness within Pakistan, especially since most aspects are weighed in comparison with India. The high-handed way the 'establishment' deals with all other institutions of the state is becoming clearer. Ultimately, it is the public in Pakistan that can bring about an end to the army's domination. Nurturing and encouraging this thought process would help build a case for the long-term wellbeing of Pakistan as well as better relations with India.

Friendliness between India and Pakistan is possible only once acts inimical to each other are stopped. Pakistan needs to stop supporting the proxy war in J&K and terrorist activities in other parts of India. Resolution of other issues, including J&K, can happen as trust and confidence between the two builds up. In the long term, good neighbourly relations would benefit both countries.

Digital tax relief for US MNCs extended till June 30

NEW DELHI. India and the United States have decided to extend the relief enjoyed by the US multinational companies (MNCs) on equalisation levy (digital taxes) paid in India till June 30, 2024.

As per the agreement reached by India and the US, India must refund access digital taxes collected from US MNCs from April 1, 2022, until June 30, 2024.

According to the original agreement between the two countries, the validity of this agreement was from April 1, 2022, until implementation of Pillar 1 of the new global tax regime, or 31 Mar 2024, whichever is earlier.

India levies 2% tax on revenue generated from a broad range of digital services offered in India by non-resident companies. Calling it discriminatory, the US had proposed retaliatory tariffs of up to 25% on nearly 40 Indian products in June 2021.

However following international tax negotiations, it suspended these levies.

On October 21, 2021, the US and Austria, France, Italy, Spain, and the United Kingdom reached a compromise on the transitional approach to the unilateral measures in force till Pillar 1 is implemented. Later in November 2021, India also agreed to the terms of the US on digital tax.The Indian government had agreed to refund the excess amount of tax that it collects through Equalisation Levy starting April 1, 2022, till 31 March 2024, (or when Pillar 1 of the new global tax regime takes effect, whichever is earlier), in comparison to the tax collected under Pillar 1 of the new global tax law in the first full year of its implementation. Pillar 1 gives a country taxing rights on profits earned by multinational corporations within its shores.The timing for the introduction of Pillar One is still unknown and depends on its acceptance by a large number of countries.

Core sector growth slows to 6.3% in May

NEW DELHI. The growth in output of the eight key infrastructure industries (core sector), slowed to 6.3% in May from 6.7% in April due to slowdown in output of six sectors including cement, fertliser and natural gas during the month, the government data showed. In May 2023, core sector had seen a growth of 5.2%.

As per the data, there was a slowdown in output across sectors. Specifically, sectors such as natural gas (7.5%), refinery products (0.5%), and steel (7.6%) experienced deceleration. Additionally, the output of fertilisers (-1.7%) and cement (-0.8%) contracted further during the month. In May, the output of crude oil fell by 1.1%. Conversely, coal production rose 10.2% and electricity generation grew 12.8% during the same month.

Aditi Nayar, chief economist, head of research and outreach at ICRA, said, “A combination of factors including heatwave and phased parliamentary elections could have curtailed activity and execution in some sectors. However, the heatwave boosted demand for

power, which translated into a rise in growth of coal and electricity in May 2024 as compared to the previous month.”

RBI expects gross NPAs to fall to 2.5 per cent in Fy25

MUMBAI.The Reserve Bank of India (RBI) expects the gross non-performing assets (GNPA) ratio of banks to improve to 2.5% in FY25 after moderating to a 12-year low of 2.8% in FY24.The system-wide net NPA ratio is also expected to improve further from 0.6%, which has almost halved from the previous fiscal year.The record reduction in the bad loan ratio was led by state-run banks, which improved by 76 basis points (bps) to 3.7%.hile the GNPA stock fell across all bank groups, active and deep provisioning by state-run banks and foreign banks resulted in an improved provisioning coverage ratio of 76.4% in March 2024, the RBI stated in its biannual Financial Stability Report.

The report attributed the sustained reduction in the GNPA ratio since March 2020 primarily to a persistent fall in new NPA accretions and increased write-offs.

The estimate for the GNPA ratio for March 2025 is based on macro stress tests performed to assess the resilience of banks’ balance sheets to unforeseen shocks emanating from the macroeconomic environment.

“The asset quality of scheduled commercial banks recorded sustained improvement, and their GNPA ratio moderated to a 12-year low of 2.8% in March 2024. Their net NPA ratio also improved to a record low of 0.6%,” the report said.Under the baseline stress scenario, the GNPA ratio of all banks may improve to 2.5% by March 2025. If the macroeconomic environment worsens to a severe stress scenario, the ratio may rise to 3.4%, the half-yearly report noted.

In the severe stress scenario, the GNPA ratios of public sector banks may increase from 3.7% in March 2024 to 4.1% in March 2025, whereas it may go up from 1.8% to 2.8% for private sector banks and from 1.2% to 1.3% for foreign banks.Stress tests are conducted covering credit risks, interest rate risks, and liquidity risks to assess the resilience of banks in response to these shocks. Using the stress tests, the RBI projects impairment or bad loans and capital ratios over a one-year horizon under a baseline and two adverse scenarios–medium and severe.The report further states that stress test results reveal that banks are well-capitalized and capable of absorbing macroeconomic shocks even without any further capital infusion by stakeholders.

Legal weed limps into next phase in Germany

BERLIN. So-called cannabis clubs will be allowed to sell the drug legally in Germany starting Monday, but in practice it will be some time before the associations get up and running.

Germany legalised cannabis in April, allowing adults to possess 25 grammes (0.9 ounces) and cultivate up to three marijuana plants at home.

As the next step in the reform, from July 1 it will be possible to legally obtain weed through regulated "cannabis clubs" in the country.The associations will be allowed to have up to 500 members each and will be able to distribute up to 50 grammes of cannabis per person per month.Mariana Cannabis, an umbrella organisation for around 180 future cannabis clubs across Germany, already has around 20,000 members.But at the group's production site in Leverkusen, just north of the western city of Cologne, there are no seeds or cuttings to be seen.That is because before the clubs can begin operating, they must apply for a licence that can take up to three months to obtain."We are impatient, but we still have to wait," Keno Mennenga, a spokesman for Mariana Cannabis, told AFP.

Black market

In Munich, members of the Cantura cannabis club have been paying 25 euros ($27) a month since March, before the first part of the law even came into force.

The club has invested thousands of euros in office space, security and cultivation equipment, according to its CEO, Fabian Baumann."We need around eight weeks from cutting to harvesting," he said. "If everything goes well, we'll be able to supply cannabis to our members thi year. That would be wonderful."

When launching the first phase of the law in April, the German government insisted that it was not promoting cannabis use but rather seeking to curb the black market for the drug."The German model is based on a gradual approach. The idea is to be cautious and to evaluate in real time," said Ivana Obradovic, an expert with the France-based Monitoring Centre for

Drugs and Drug Addiction (OFDT).

She said the model had incorporated lessons from several other systems that have been tested around the world.

"The idea is to keep control of supply so that it doesn't prosper rapidly," Obradovic said.In the United States, the legalisation of cannabis in many states has created "a situation of overproduction, particularly in California and Oregon, where production exceeds local demand by five to six times", she said.Nonetheless, all countries that have legalised cannabis have seen some level of decline in black market sales.In Canada, around 75 percent of cannabis users now buy through legal channels, compared with just 40 percent in 2018, the year the drug was legalised, according to the OFDT.

Mennenga, at Mariana Cannabis, acknowledged that in Germany, "The black market is in control and it's getting worse".Bluetezeit, a Berlin-based start-up specialising in cannabis products, hopes that Germany will eventually authorise the sale of the drug in pharmacies or licensed shops.

For Nikolaos Katsaras, head of the company, only a competitive and lucrative legal market can compete with a black market that has been established for years.In the meantime, Bluetezeit has already built up an online community of 10,000 members.The company plans to develop cannabis clubs while also selling cannabis products online and offering consultations for people who want to use the drug for medical purposes.Katsaras said he aimed to "take the pulse of the market" in deciding the right direction for the company.

Oxford India Forum inaugural event highlights: Celebrating India's achievements

NEW DELHI . The inaugural Oxford India Forum event, held on June 15 at the University of Oxford, celebrated India’s achievements and innovations, uniting distinguished leaders, industry experts, and students under one platform.

The forum, envisioned to be the largest of its kind at a European university, aims to spotlight India's burgeoning advancements across various sectors.

This year's event served as a pivotal avenue for thought leadership, fostering insightful discussions on India’s economic trajectory, sustainable development, technological innovations, and global partnerships.Founder and Chairperson Sidharth Sethi highlighted the forum’s mission, stating, "The Oxford India Forum is committed to showcasing India’s dynamic growth story and facilitating meaningful dialogue among global leaders, experts, and aspiring students.”he event featured keynote addresses and panel discussions by esteemed guests who shared their expertise and insights.

Key highlights from Oxford India Forum

Jayant Sinha, MP (Lok Sabha) and Chairperson, Parliamentary Standing Committee on Finance, delivered a compelling talk on "Net Zero is Net Positive."He said India must adopt a 'net zero' development model to achieve robust economic growth, leveraging the opportunities presented by climate change and global warming.

"We need it because of climate change. And for India as well. This is the path forward. net zero development should be the path forward for India."In his presentation, Sinha outlined four fundamental pillars of the 'net zero' development model: renewable energy, electric vehicles, scaling up biofuels and green hydrogen, and integrating with the global carbon market.

Mohandas Pai, chairman of Aarin Capital and former CFO of Infosys, explored "India's Economic Trajectory: India, A Startup Nation”.He highlighted India's dynamic economic trajectory, driven by its young and innovative population.

"We see huge growth happening in this country, and we're empowering problem solvers," Pai said, predicting that the most exciting growth in the next five years will occur in India.

Rohan Murty, Founder and CTO of Soroco, delved into the topic of "Harnessing AI for Sustainable Development in India."

Sebi proposes mandatory disclosure of risk-adjusted returns for mutual funds

MUMBAI: To help investors make informed investment decisions and also to limit the scope for mis-selling, the markets regulator Securities and Exchange Board (Sebi) wants mutual funds to mandatorily disclose the risk-adjusted return from their scheme portfolio along with the return of a fund scheme.Risk-adjusted return (RAR) of a scheme represents a more holistic measure of the scheme's performance as it quantifies the amount of return generated by a mutual fund scheme for each unit of risk taken to achieve that return.The extant regulations do not mandate the disclosure of RAR along with the returns of an MF scheme. Further, there is no uniform practice

followed by asset management companies (AMCs) regarding disclosure of RAR of their scheme.The return on investment is a major factor attracting investors to invest in any mutual fund scheme and is highlighted by fund houses while marketing respective schemes.

The suggestion comes in a consultation paper issued Friday. Sebi has sought comments from the public till July 19 on these proposals.

“Considering the significance of volatility of performance in determining the suitability of fund schemes, it is desirable that the RAR of the scheme is disclosed along with disclosure of its scheme performance,” Sebi said in its consultation paper."Information ratio (IR) is an established financial ratio to measure the RAR of a scheme portfolio. It is often used as a measure of a portfolio manager's level of skill and ability to generate excess returns relative to a benchmark, and it also attempts to identify the consistency of the performance by incorporating a tracking error or standard deviation component into the calculation," the paper said.

To bring uniformity across different funds, Sebi has also proposed a methodology for the calculation of the information ratio for different categories of mutual fund schemes.

FATF lauds India’s efforts to curb money laundering

NEW DELHI. India has received high praise from the Financial Action Task Force (FATF) for its exceptional performance in the Mutual Evaluation conducted during 2023-24.The recently adopted Mutual Evaluation Report of India at the Financial Action Task Force plenary in Singapore positions the nation in the ‘regular follow-up’ category, a distinction shared by only four other G20 countries, as per the finance ministry.

This recognition underscores India’s commitment to combating money laundering (ML) and terrorist financing (TF). the Financial Action Task Force specifically acknowledged India’s proactive measures in money laundering and terrorist financing risks, including addressing the laundering of proceeds from corruption, fraud, and organized crime. India’s successful transition from a cash-based economy to a digital one, aimed at reducing money laundering and terrorist financing risks, also received commendation.

The Financial Action Task Force (FATF) is an intergovernmental organisation established in 1989 as the international watchdog to combat money laundering, terrorist financing, and other related threats to the integrity of the international financial system. India became a member of the Financial Action Task Force in 2010.

According to a finance ministry press statement, the implementation of the JAM (Jan Dhan, Aadhaar, Mobile) Trinity, coupled with stringent regulations on cash transactions, has not only boosted financial inclusion and digital transactions but has also made transactions more traceable, thereby effectively mitigating ML/TF risks while enhancing financial inclusion.“India’s performance on the the Financial Action Task Force Mutual Evaluation holds major advantages for country’s growing economy, as it demonstrates the overall stability and integrity of the financial system. Good ratings will lead to better access to global financial markets and institutions and increase investor confidence. It will also help in the global expansion of the Unified Payments Interface (UPI), India’s fast payment system,” the ministry said.

According to the ministry press statement, Indian government since 2014 has implemented a series of legislative changes and intensified enforcement actions to combat money laundering, terrorist financing, and black money.The Indian authorities have successfully disrupted terror funding networks using actionable intelligence inputs, leading to significant reductions in the flow of terror financing, black money, and narcotics, even along coastal areas.

‘Recognition underscores India’s commitment’This recognition underscores India’s commitment to combating money laundering (ML) and terror financing (TF). FATF recognises .

FATF adopts Mutual Evaluation Report of India in its June 2024 plenary

The Mutual Evaluation Report of India, adopted at the FATF plenary held in Singapore between June 26 and June 28, placed India in the 'regular follow-up' category.

New Delhi. India achieved an outstanding outcome in the Mutual Evaluation conducted during 2023-24 by the Financial Action Task Force (FATF).The Mutual Evaluation Report of India, which was adopted at the FATF plenary held in Singapore between June 26 and June 28, 2024, placed India in the ‘regular follow-up’ category, a distinction shared by only four other G20 countries. This marks a significant milestone in the nation’s efforts to combat money laundering (ML) and terrorist financing (TF).Risks arising from ML/TF, including the laundering of proceeds from corruption, fraud, and organised crime were mitigated. Effective measures were implemented by India to transition from a cash-based to a digital economy to reduce ML/TF risks.Implementation of the JAM (Jan Dhan, Aadhaar, Mobile) Trinity, along with stringent regulations on cash transactions, has led to a significant increase in financial inclusion and digital transactions. These measures have made transactions more traceable, thereby mitigating ML/TF risks and enhancing financial inclusion.India’s performance on the FATF Mutual Evaluation accrues significant advantages to the country's growing economy, as it demonstrates the overall stability and integrity of the financial system.Good ratings will lead to better access to global financial markets and institutions and increase investor confidence. It will also help in the global expansion of the Unified Payments Interface (UPI), India’s fast payment system.This recognition from the FATF is

a testament to the rigorous and effective measures implemented by India over the last 10 years to safeguard its financial system from ML/TF threats.It underscores the country’s commitment to international standards and its proactive stance in the global fight against financial crimes. This sets a benchmark for countries in the region to effectively implement international standards on terrorist financing. India’s excellent rating will enhance the capacity of the country to lead the global effort on countering cross-border terror financing and money laundering.Since 2014, the government has enacted a series of legislative changes and bolstered enforcement efforts to tackle ML, TF, and black money. This multipronged strategy brought these measures in line with international standards and demonstrably proved to be effective, yielding positive results.Indian authorities have had success in dismantling the terror funding network using actionable intelligence inputs. These operations have stemmed the flow of terror funding, black money, and narcotics, even along the coastline.Over a two-year period, the Department of Revenue (DoR) spearheaded India's engagement with FATF during the mutual evaluation process.This success was driven by the exceptional efforts and invaluable contribution of a diverse, multidisciplinary team comprising representatives from various ministries, the National Security Council Secretariat (NSCS), state authorities, the judiciary, financial sector regulators.

Three hours of rain submerges Delhi. Who is to blame?

Desilting of Delhi's drainage system was not done before the rains, leading to silt blockages and waterlogging on the roads.

New Delhi: The BJP and the Aam Aadmi Party (AAP) engaged in a blame game as several parts of Delhi got flooded after receiving three hours of rainfall.Following Friday's downpour, the second highest for a single day in June in 88 years, several roads, underpasses, and tunnels got submerged, causing long traffic jams.This is not the first time Delhi has witnessed such a scenario with the onset of the monsoon. Scenes of submerged cars, buses, and homes have become common.

Yet, the question remains: What are the reasons behind Delhi's plight after rain?

WHAT BJP SAYS

Delhi BJP spokesperson Praveen Shankar Kapoor attacked Mayor Dr Shelly Oberoi and AAP leader Jasmine Shah for their excuses following severe waterlogging in Delhi after the first heavy rain of the monsoon.Kapoor highlighted that despite prior warnings from the weather department, the Mayor's claims of preparedness proved false as water pumps failed at key locations.He demanded accountability for the inadequate preparations and asked why measures to prevent waterlogging during the monsoon were insufficient.

WHAT CONGRESS SAYS

Delhi Pradesh Congress Committee president

Devender Yadav blamed the AAP government's handling of water management and desilting following heavy monsoon rains. Yadav called for an investigation into the alleged massive corruption in the desilting process. Highlighting the incompetence of both the AAP and the BJP governments (Centre), Yadav pointed out that key areas, including the Delhi airport, railway stations, and residential colonies were submerged.He also flagged the irony of Delhi Water Minister Atishi's residence being waterlogged despite her demands for more water from Haryana amid a water shortage in the national capital.

WHO IS RESPONSIBLE?

Municipal corporations and Delhi government

Local bodies like the Municipal Corporation of Delhi (MCD) and other civic agencies are primarily responsible for maintaining the city's drainage and sewer systems.Desilting of Delhi's drainage system was not done before the rains, leading to silt blockages and waterlogging on the roads.The Delhi government bears significant responsibility due to several factors.Improper urban planning and failure to incorporate effective drainage solutions lead to waterlogging. Illegal construction and encroachments on natural drainage channels exacerbate the problem.The city's outdated drainage infrastructure, coupled with neglect of regular desilting and maintenance, results in frequent blockages. Poor coordination between various municipal bodies and state agencies leads to fragmented responses, and inadequate preparation for heavy rainfall events worsens the situation.Additionally, the reduction of urban green spaces and mismanagement of natural water bodies hinder rainwater absorption.Regulatory gaps, insufficient policy enforcement, and delays in pre-monsoon desilting further contribute to the issue.To address these challenges, the government needs to invest in modernising drainage infrastructure, enforce regular maintenance schedules, incorporate sustainable urban planning practices, improve inter-agency coordination, and involve citizens in maintaining cleanliness and preventing encroachments.

Potholes On Ram Path, Leakage In Ayodhya Temple: Yogi Adityanath Cracks Whip

New Delhi: Six months after the grand opening of the Ram Temple in Ayodhya, the first round of showers has caused heavy waterlogging in the temple town raising questions over its swift and massive infrastructure overhaul.The newly built Ram Path road in Ayodhya - which leads to the Ram Temple - has suffered several cave-ins since seasonal rain hit the temple town.After potholes came up on the 14-km stretch, authorities said they immediately got the road repaired to avoid any inconvenience for the devotees. The Yogi Adityanath government has suspended six civic officials over "gross negligence," officials said.

Ayodhya mayor Girish Pati Tripathi said that efforts to flush out the rainwater were launched soon after the waterlogging was reported.Leakage was also reported at the temple after heavy rain at midnight last Saturday. The Chief Priest of the Ram Temple, had on Monday claimed that rainwater that was leaking from the roof of the temple was collecting inside the complex. He also claimed that there was no arrangement to flush out the rainwater from the temple premises.Rejecting the leakage claims, Champat Rai, General Secretary of the Temple Trust, however, said "not a single drop of water" dripped from the roof, nor had water entered the Sanctum Sanctorum or 'Garbha Griha'.from anywhere. He also said that "excellent arrangements" have been made at the temple to drain rainwater.Mr Rai said that while it appeared that water was leaking from the roof, it was in fact coming from a conduit pipe due to ongoing construction work on the first floor of the temple.Nripendra Misra, chairman of the Ram Temple Construction Committee, had earlier said that the alleged water leakage at the Ram Mandir.

Tinder Date Gone Wrong: Man Scammed To Pay ? 1.2 Lakh Bill At Delhi Café

New Delhi: When a civil service aspirant right-swiped on a dating app, he had no idea he was walking into a sinister plot carefully planned to scam men looking for love.On Sunday, the victim, not named by the police, reached the Black Mirror Cafe in East Delhi's Vikas Marg area to celebrate the birthday of Versha, a woman he had recently matched with on "Tinder".t the cafe, the two ordered some snacks, two cakes, and four shots of a non-alcoholic beverage.

The "date" was going quite well until Versha had to rush out due to a family emergency.As the man finished the food and called for the check, the bill stunned him - he owed the cafe an obscene ? 1,21,917.70 for food that should not cost more than a few thousand.The victim promptly disputed the bill but he was threatened, confined, and forced to pay. The man ended up transferring the amount online to one of the cafe's owners - 32-year-old Akshay Pahwa. Mr Pahwa is a resident of Shahdara in East Delhi and has studied till Class 10.Once out of th cafe, he went straight to the cops and filed a case.The police set out to probe the case and a four-member team led by Inspector Sanjay Gupta was formed. Soon, Mr Pahwa was in the police's custody.

During the investigation, he told the police that the Black Mirror cafe is owned by him, Ansh Grover, and Vansh Pahwa. Akshay and Vansh are cousins, while Ansh is their friend. The cafe employs several "table managers", including one man named Aryan; and these "table managers" are managed by one Digranshu, he said. Aryan is a Class 7 dropout and is currently unemployed.

Mr Pahwa also gave up Versha - 25-year-old Afsan Parveen, who also goes by the names Ayesha and Noor. When the cops tracked her down, Ms Parveen was at another cafe on a "date" with a man from Mumbai she had met on Shaadi.com.Ms Parveen revealed their modus operandi to the police.

Aryan had reached out to the victim and communicated with him posing as Versha. He shared Ms Parveen's photo in the one-time view mode and invited him to Laxmi Nagar on June 23 to celebrate her birthday.

NEET row: CBI arrests journalist from Jharkhand, conducts searches in Gujarat

New Delhi: Amid the ongoing investigations into the alleged irregularities in the National Eligibility cum Entrance Test (NEET) exam, sources with the Central Bureau of Investigation on Saturday said a journalist was arrested in connection with the case.The scribe was identified as Jamaluddin.The arrest was made from Hazaribagh in Jharkhand.Meanwhile, searches by the CBI were underway at seven locations, including Godhra, Kheda, Anand, and Ahmedabad in Gujarat.

On June 27, the CBI made its first arrests in the NEET-UG paper leak case in Bihar.Two individuals, identified as Manish Prakash and Ashutosh, were arrested from Patna.Manish Prakash, with the help of Ashutosh, had allegedly accommodated candidates at a boys' hostel, associated with the Learn Play School in Bihar's Patna on May 4, a day before the NEET exam where they were given leaked papers and answer keys, sources said.On June 28, the CBI arrested the principal and vice principal of Oasis School in Jharkhand's Hazaribagh in connection with the NEET-UG paper leak case, officials said.The CBI is investigating six cases related to the NEET paper leak. Of the six cases, one each is being investigated from Bihar, Gujarat, and Maharashtra, while three are from Rajasthan.

NEET-UG 2024, conducted by the National Testing Agency (NTA), took place at 4,750 centres in 571 cities in which more than 24 lakh candidates appeared. The results were declared on June 4.However, immediately after the results were announced, students raised allegations of irregularities when 67 students achieved top scores, amidst claims of question paper leaks in Bihar.

5 Army personnel dead in Ladakh flash floods during tank exercise

New Delhi: Five soldiers of the Indian Army died after they were swept away in flash floods while their tank was crossing a river in the Daulat Beg Oldie area of eastern Ladakh. The area is near the Line of Actual Control with China.The incident happened when four jawans and one junior commissioned officer (JCO) were crossing a river in the Nyoma-Chushul area in a T-72 tank as part of a drill.However, there was a sudden increase in the water levels and the tank sank due to its impact, PTI reported.

Five Indian Army soldiers, including one junior commissioned officer (JCO) and four jawans, lost their lives in a mishap during a river crossing exercise last evening in Daulat Beg Oldie area. All five bodies have been recovered," Defence officials said.Reacting to the incident, Defence

Minister Rajnath Singh said he was deeply saddened at the loss of lives of five Army personnel."We will never forget the exemplary service of our gallant soldiers to the nation. My heartfelt condolences to the bereaved families. The nation stands firm with them during this hour of grief," Singh tweeted.

Congress leader and Lok Sabha Leader of Opposition, Rahul Gandhi, also expressed his condolences."The news of the martyrdom of five Indian Army soldiers in an accident during a military exercise of tank crossing a river in Ladakh is extremely sad. I pay my humble tribute to all the martyred soldiers and express my deepest condolences to the bereaved families. We stand with them in this hour of grief. The country will always remember their dedication, service and sacrifice." he wrote on X.Congress chief Mallikarjun Kharge also offered his condolences to the families of the Army personnel, calling it a "painful tragedy"."Deeply distressed at the loss of lives of 5 Indian Army bravehearts, including a JCO, while getting a T-72 tank across a river in Ladakh," Kharge tweeted.Parts of Ladakh and Himachal Pradesh have been receiving heavy rainfall in the past couple of days. On Friday, landslides were reported in Shimla, Kullu and Kinnaur districts.

"Nation Stands With Their Families": Defence Minister As 5 Soldiers Die In Tank Accident

New Delhi: Defence Minister Rajnath Singh expressed sadness on Saturday over the deaths of five Indian Army soldiers after a Tank met with an accident while getting across a river in Ladakh on Friday"Deeply saddened at the loss of lives of five of our brave Indian Army soldiers in an unfortunate accident while getting across a river in Ladakh in a tank. We will never forget the exemplary service of our gallant soldiers to the nation," Rajnath Singh said in a post on X."My heartfelt condolences to the bereaved families. The nation stands firm with them during this hour of grief," he added.

Congress President Mallikarjun Kharge said he was deeply distressed by the news of the accident and the loss of lives."Deeply distressed at the loss of lives of 5 Indian Army bravehearts, including a JCO, while getting a T-72 tank across a river in Ladakh. Our heartfelt condolences to the families of the Army personnel who fell victim to this painful tragedy. In this hour of grief, the nation stands together in saluting the exemplary service of our

valiant soldiers," he posted on X.Arunachal CM Pema Khandu also expressed his condolences on the incidentDeeply disturbed to learn that a T-72 tank with five soldiers has been swept away by flash floods near the Line of Actual Control in the Nyoma-Chusul area of Ladakh. Praying for the safety and well-being of our brave soldiers," he posted on X.Earlier, five Indian Army soldiers, including one Junior Commissioned Officer and four jawans, lost their lives when an Army Tank met with an accident in the Daulat Beg Oldie area in Ladakh on Friday evening. All five bodies have been recovered, defence officials said on Saturday.

The T-72 tank which the Army personnel were operating met with an accident during a river crossing exercise. The mishap took place on Friday due to a sudden increase in water levels, said defence officials."There were five soldiers in the tank at the time of the incident, including one Junior Commissioner Officer and four Jawans. One person has been located while the search for others is still going on," defence officials said in an initial confirmation.

Centre Unveils 3 New Initiatives To Bolster Healthcare Services

NQAS for Integrated Public Health Laboratories (IPHL) will improve the quality and competence of management and testing systems, which will positively impact the reliability of test results.

New Delhi: In another bid to ensure healthcare for all, the government has unveiled three new initiatives which will play a major role in improving the quality of healthcare services in the country.These initiatives include virtual National Quality Assurance Standards (NQAS) assessment for Ayushman Arogya Mandirs (AAM); a new dashboard which will help health institutions in quickly monitoring compliance with respect to Indian Public Health Standards (IPHS); and a spot food licence and registration initiative for food vendors.Minister of State for Health and Family Welfare, Prataprao Ganpatrao Jadhav, said the government has established over 1.73 lakh AAMs, doubled the number of medical colleges since 2014, increased the number of AIIMS from seven to 23 and more than doubled the number of PG and MBS seats since 2014."The government is committed to strengthening the healthcare system with more skilled human resources and quality infrastructure that can tackle both present and future medical challenges", the minister noted.Minister of State for Health and Family Welfare, Anupriya Patel, said that the launch of the virtual NQAS assessment and dashboard

"will lead to improvement in providing quality of healthcare in public health facilities while the launch of the spot food licence will enhance the Ease of Doing Business in India".

NQAS for Integrated Public Health Laboratories (IPHL) will improve the quality and competence of management and testing systems, which will positively impact the reliability of test results.The launch of the spot food licence initiative is a ground-breaking new functionality for the instant issuance of licences and registrations through the Food Safety and Compliance System (FoSCoS).

FoSCoS is a pan-India IT platform designed to address all food safety regulatory needs.Minister Patel said the government is working hard on building a robust and quality healthcare infrastructure by 2047, in accordance with Prime Minister, Narendra Modi's vision.

NEWS BOX

Four dead, several injured after van crashes into New York nail salon

World A minivan ploughed into a nail salon in New York's Long Island, killing four people and leaving 10 others seriously injured, The Associated Press reported.

The vehicle smashed through the Hawaii Nail and Spa store in Deer Park and came to a halt at the back of the salon, trapping several customers.

he impact of the crash was so much that the entire glass entryway was shattered, and the ceiling was ripped down, the New York Post reported.The trapped customers were eventually rescued by Deer Park fire department personnel after cutting through rubble. One person had to be airlifted by a helicopter to the hospital.More than 150 firefighters and emergency workers were deployed for rescue operations."There were people trapped, and we extricated them and transported everyone to area hospitals... It's horrible. It's horrible. It can be tough for the community," Deer Park fire department's assistant chief Dominic Albanese told reporters.The driver of the minivan was found in a semi-conscious state and has been admitted to a hospital.The police said it was not immediately clear whether the crash was accidental or intentional, AP reported. The case is being investigated by detectives of the Suffolk County Police Department.

Eyewitnesses said the driver was swerving around cars before losing control and smashing into the nail salon.

US Supreme Court raises legal bar for obstruction charges in 2021 Capitol attack

Washington. The US Supreme Court raised the legal bar on Friday for prosecutors pursuing obstruction charges in the federal election subversion case against Donald Trump and defendants involved in the January 6, 2021, attack on the Capitol.

The justices ruled 6-3 to throw out a lower court's decision that had allowed a charge of corruptly obstructing an official proceeding - congressional certification of President Joe Biden's 2020 victory over Trump that the rioters tried to block - against defendant Joseph Fischer, a former police officer.

The court, in the decision authored by Chief Justice John Roberts, took a narrow view of the obstruction statute, saying that prosecutors must show that a defendant "impaired the availability or integrity" of documents or other records related to an official proceeding - or attempted to do so.Roberts was joined by fellow conservative Justices Clarence Thomas, Samuel Alito, Neil Gorsuch and Brett Kavanaugh, as well as liberal Justice Ketanji Brown Jackson.Roberts rejected the Justice Department's more expansive reading of what constitutes obstruction, calling it "a novel interpretation (that) would criminalise a broad swath of prosaic conduct, exposing activists and lobbyists alike to decades in prison".Conservative Justice Amy Coney Barrett wrote a dissent, joined by liberal Justices Sonia Sotomayor and Elena Kagan.Fischer had challenged the obstruction charge, which federal prosecutors brought against him and hundreds of others - including Trump - in January 6-related cases.

The lower court was directed to reconsider the matter in light of Friday's ruling.The ruling was a potential boost for Trump, the Republican candidate challenging Biden, a Democrat, in the November 5 US election.

Iran seesawing vote results put race between reformist Masoud Pezeshkian and hard-liner Saeed Jalili

DUBAI. Early, seesawing results released Saturday in Iran's presidential election put the race between reformist Masoud Pezeshkian and hard-liner Saeed Jalili, with the lead trading between the two men while a runoff vote appeared likely.The early results, reported by Iranian state television, did not initially put either man in a position to win Friday's election outright, potentially setting the stage for a runoff election to replace the late hard-line President Ebrahim Raisi.It also did not offer any turnout figures for the race yet — a crucial component of whether Iran's electorate backs its Shiite theocracy after years of economic turmoil and mass protests.After counting over 12 million votes, Pezeshkian had over 5 million while Jalili held 4.8 million.Another candidate, hard-line speaker of the parliament Mohammad Bagher Qalibaf, had some 1.6 million votes. Shiite cleric Mostafa Pourmohammadi had more than 95,000 votes.

Voters faced a choice between the three hard-line candidates and the little-known reformist Pezeshkian, a heart surgeon. As has been the case since the 1979 Islamic Revolution, women and those calling for radical change have been barred from running, while the vote itself will have no oversight from internationally recognized monitors.The voting came as wider tensions have gripped the Middle East over the Israel-Hamas war in the Gaza Strip.In April, Iran launched its first-ever direct attack on Israel over the war in Gaza, while militia groups that Tehran arms in the region — such as the Lebanese Hezbollah and Yemen's Houthi rebels — are engaged in the fighting and have escalated their attacks.Meanwhile, Iran continues to enrich uranium at near weapons-grade levels and maintains a stockpile large enough to build — should it choose to do so — several nuclear weapons.

There had been calls for a boycott, including from imprisoned Nobel Peace Prize laureate Narges Mohammadi. Mir Hossein Mousavi, one of the leaders of the 2009 Green Movement protests who remains in house arrest, also has refused to vote with his wife, his daughter said.There's also been criticism that Pezeshkian represents just another government-approved candidate. One woman in a documentary on Pezeshkian aired by state TV said her generation was "moving toward the same level" of animosity with the government that Pezeshkian's generation had in the 1979 revolution.

No slowdown in US aid for Israel, thousands of 2,000-pound bombs sent: Report

Washington The Biden administration has sent to Israel large numbers of munitions, including more than 10,000 highly destructive 2,000-pound bombs and thousands of Hellfire missiles, since the start of the war in Gaza, said two US officials briefed on an updated list of weapons shipments.Between the war's start last October and recent days, the United States has transferred at least 14,000 of the MK-84 2,000-pound bombs, 6,500 500-pound bombs, 3,000 Hellfire precision-guided air-to-ground missiles, 1,000 bunker-buster bombs, 2,600 air-dropped small-diameter bombs, and other munitions, according to the officials, who were not authorised to speak publicly.While the officials didn't give a timeline for the shipments, the totals suggest there has been no significant drop-off in US military support for its ally, despite international calls to limit weapons supplies and a recent administration decision to pause a shipment of powerful bombs.Experts said the contents of the shipments appear consistent with what Israel would need to replenish supplies used in this eight-month intense military campaign in Gaza, which it launched after the Oct. 7 attack by Palestinian Hamas militants who killed 1,200 people and took 250 others hostage, according to Israeli tallies.

"While these numbers could be expended relatively quickly in a major conflict, this list clearly reflects a substantial level of support from the United States for our Israeli allies," said Tom Karako, a weapons expert at the Center for Strategic and International Studies, adding that the listed munitions were the type Israel would use in its fight against Hamas or in a potential conflict with Hezbollah.The delivery numbers, which have not been previously reported, provide the most up-to-date and extensive tally of munitions shipped to Israel since the Gaza war began.Israel and Iran-backed Hezbollah have been trading fire since the start of the Gaza war, and concern is rising that an all-out war could break out between the two sides.The White House declined to comment. Israel's Embassy in Washington did not immediately respond to a request for comment.The shipments are part of a bigger list of weapons sent to

Israel since the Gaza conflict began, one of the US officials said. A senior Biden administration official on Wednesday told reporters that Washington has since Oct. 7 sent $6.5 billion worth of security assistance to Israel.sraeli Prime Minister Benjamin Netanyahu in recent weeks claimed that Washington was withholding weapons, a suggestion US officials have repeatedly denied even though they acknowledged some "bottlenecks".The Biden administration has paused one shipment of the 2,000-pound bomb, citing concern over the impact it could have in densely populated areas in Gaza, but US officials insist that all other arms deliveries continue as normal. One 2,000-pound bomb can rip through thick concrete and metal, creating a wide blast radius.Reuters reported on Thursday that the United States is discussing with Israel the release of a shipment of large bombs that was suspended in May over worries about the military operation in Rafah.International scrutiny of Israel's military operation in Gaza has intensified as the Palestinian death toll from the war has exceeded 37,000, according to the Gaza health ministry, and has left the coastal enclave in ruins.Washington gives $3.8 billion in annual military assistance to its longtime ally. While Biden has warned that he would place conditions on military aid if Israel fails to protect civilians and allow more humanitarian aid into Gaza, he has not done so beyond delaying the May shipment.Biden's support for Israel in its war against Hamas has emerged as a political liability, particularly among young Democrats, as he runs for re-election this year. It fuelled a wave of "uncommitted" protest votes in primaries and has driven pro-Palestinian protests at US universities.

Citing US Supreme Court ruling, Trump demands freeing of Capitol attack 'hostages'

Chesapeake, Virginia, Donald Trump said on Friday (local time) that his supporters prosecuted for their actions in the January 6, 2021, attack on the US Capitol should be freed, citing a Supreme Court ruling in favour of a man who challenged an obstruction charge related to the riot, a charge Trump also faces.Speaking at a campaign rally in Virginia, the former president pointed to Friday's ruling, which raised the legal bar for prosecutors pursuing obstruction charges in the federal election subversion case against Trump and defendants involved in the attack."Free the January 6 hostages now. They should free them now for what they have gone through" Trump said, as the crowd cheered."They've been waiting for this decision for a long time," Trump added.Trump is the Republican

candidate challenging Democratic President Joe Biden in the November 5 US election.The Supreme Court ruled 6-3 to throw out a lower court's decision that had allowed a charge of corruptly obstructing an official proceeding - the congressional certification of Biden's 2020 victory over Trump that the rioters sought to prevent - against defendant Joseph Fischer, a former police officer. The justices directed the lower court to reconsider the matter.The ruling was a potential boost for Trump, who was hit with two obstruction-related charges as part of a four-count criminal indictment in a case brought last year by Special Counsel Jack Smith. Trump has pleaded not guilty in the case."That is a great thing for people that have been so horribly treated," Trump said of the ruling.Trump has often valorised his supporters convicted for their roles in the attack on the Capitol, calling them "patriots" and "warriors." Among other crimes, some of them were prosecuted for violence against police officers.The Supreme Court on Monday (July 1) is expected to issue its ruling on Trump's claim of presidential immunity from prosecution in the election subversion case brought by the special counsel. It is the final day of the court's current term.

Rishi Sunak condemns racist slur from Reform campaigner: It hurts, makes me angry

World British Prime Minister Rishi Sunak on Friday condemned the use of a racist slur against him by an anti-immigration Reform UK party campaigner and said such remarks hurt him and make him angry.The campaigner's remarks came as the general election campaign in the United Kingdom entered its final week.

Some other campaigners made racist, homophobic and offensive comments in Clacton-on-Sea, eastern England, where Reform UK leader Nigel Farage is hoping to be elected as a Member of the Parliament next Thursday.One canvasser was heard using the racist slur about Sunak.

The supporter also described Islam as "the most disgusting cult" and called for Muslims to be kicked "out of mosques" and their places of worship turned into pubs.Responding to the remarks, Rishi Sunak said, "My two daughters

have to see and hear Reform people who campaign for Nigel Farage calling me an effing Paki. It hurts and it makes me angry.""I think he has some questions to answer. And I don't repeat those words lightly.""I do so deliberately because this is too important not to call out clearly for what it is," the British Prime Minister said.Meanwhile, Farage, who campaigned as a European parliamentarian for Britain to leave the European Union and now wants a freeze on immigration, called the campaigner's comments a "complete and total set-up".He suggested the canvasser, Andrew Parker, who was leafleting in Clacton last week, may have been paid to act in the video, possibly by opponents threatened by the party's popularity.This was not the lone incident of Reform UK candidates making derogatory comments. Earlier, a string of such candidates had been ditched or suspended over allegations of offensive comments.

According to the anti-racism organisation Hope Not Hate, Reform UK has had to withdraw 166 candidates since the beginning of the year, many of whom have made racist or offensive remarks.

Barack Obama defends Joe Biden, says 'bad debate nights happen'

World Former US President Barack Obama on Friday (local time) backed his Democrat colleague and President Joe Biden following his subdued performance at the first presidential debate, which was marked by his stumbles and loss of train of thought. He said, although it was a "bad debate night" for Biden, the stakes remained high in the November 5 election.

Biden, 81, and his Republican rival, Donald Trump, 78, are the oldest candidates vying for the White House. Voters have raised concerns about age and mental health, particularly Biden's.In a tweet, Obama, who served as the President from 2008 to 2017, said the election was a choice between "someone who has fought for ordinary folks his entire life and someone who only cares about himself"."Bad debate nights happen. Trust me, I know. But this election is still a choice between someone who has fought for ordinary folks his entire life and someone who only cares about himself. Between someone who tells the truth, who

knows right from wrong and will give it to the American people straight and someone who lies through his teeth for his own benefit. Last night didn't change that, and it's why so much is at stake in November," Obama said.During Obama's eight-year tenure, Biden served as the Vice President.Biden's verbal stumbles and occasionally meandering responses in the debate on Thursday heightened voter concerns that he might not be fit to serve another four-year term and prompted some of his fellow Democrats to wonder whether they could replace him as their candidate for the presidential election.On the other hand, Trump, who was the President from 2017 to 2021, put forward a series of falsehoods throughout the debate, while the focus afterwards was squarely on Biden, especially among Democrats.Despite a feeble debate performance that dismayed his fellow Democrats, Biden remained adamant, saying he intended to defeat Trump. The Democratic President, however, gave no signs he would consider dropping out of the race.Vice President Kamala Harris admitted that while it was a "slow start" for Biden at the debate, she said at a rally in Las Vegas that

Eagles singer files lawsuit seeking return of 'Hotel California' lyric sheets

In his civil complaint filed in Manhattan, Eagles co-founder and singer Don Henley says his handwritten notes and song lyrics from the band's hit 'Hotel California' album were stolen.

New York. Eagles singer Don Henley filed a lawsuit in New York on Friday seeking the return of his handwritten notes and song lyrics from the band's hit "Hotel California" album.The civil complaint filed in Manhattan federal court comes after prosecutors in March abruptly dropped criminal charges midway through a trial against three collectibles experts accused of scheming to sell the documents.The Eagles co-founder has maintained the pages were stolen and had vowed to pursue a lawsuit when the criminal case was dropped against rare books dealer Glenn Horowitz, former Rock & Roll Hall of Fame curator Craig Inciardi and rock memorabilia seller Edward Kosinski."Hotel California," released by the Eagles in 1977, is the third-biggest selling album of all time in the US.

"These 100 pages of personal lyric sheets belong to Mr Henley and his family, and he has never authorized defendants or anyone else to peddle them for profit," Daniel Petrocelli, Henley's lawyer, said in an emailed statement Friday.

According to the lawsuit, the handwritten pages remain in the custody of Manhattan District Attorney Alvin Bragg's office, which declined to comment Friday on the litigation.Lawyers for Kosinski and Inciardi dismissed the legal action as baseless, noting the criminal case was dropped after it was determined that Henley misled prosecutors by withholding critical information.Don Henley is desperate to rewrite history," Shawn Crowley, Kosinski's lawyer, said in an emailed statement. "We look forward to litigating this case and bringing a lawsuit against Henley to hold

him accountable for his repeated lies and misuse of the justice system."

Inciardi's lawyer, Stacey Richman, said in a separate statement that the lawsuit attempts to "bully" and "perpetuate a false narrative."A lawyer for Horowitz, who isn't named as a defendant as he doesn't claim ownership of the materials, didn't respond to an email seeking comment.During the trial, the men's lawyers argued that Henley gave the lyrics pages decades ago to a writer who worked on a never-published Eagles biography and later sold the handwritten sheets to Horowitz. He, in turn, sold them to Inciardi and Kosinski, who started putting some of the pages up for auction in 2012.The criminal case was abruptly dropped after prosecutors agreed that defense lawyers had essentially been blindsided by 6,000 pages of communications involving Henley and his attorneys and associates.Prosecutors and the defense said they received the material only after Henley and his lawyers made a last-minute decision to waive their attorney-client privilege shielding legal discussions.Judge Curtis Farber, who presided over the nonjury trial that opened in late February, said witnesses and their lawyers used attorney-client privilege "to obfuscate and hide information that they believed would be damaging" and that prosecutors "were apparently manipulated."

NEWS BOX

T20 World Cup 2024: Kris Srikkanth likens Rohit Sharma to Kapil Dev ahead of final

New Delhi. India have reached their third successive ICC trophy final under the leadership of Rohit Sharma. Sharma, who took over from Virat Kohli in all formats of the game, has helped India play a much more aggressive brand of cricket, which has helped India dominate all formats of the game. Ahead of the final of the T20 World Cup 2024, former India batter Kris Srikkanth compared Rohit Sharma to the legendary Kapil Dev.Speaking on Star Sports on the eve of the India vs South Africa game, Srikkanth said that there are similarities between Rohit Sharma and the Indian captain who won the 1983 World Cup, which is seen as a landmark event in Indian cricket history.Srikkanth hailed Rohit's ability to lead from the front and said that the India captain has walked the talk in the ongoing ICC tournament.

"I don't like to compare eras and captains, but I just bring you a similarity between 1983 World Cup and this one. See in this World Cup who's taking the lead as a leader? As a leader, Rohit Sharma said 'Man, I'll take up the lead. I'll start playing the risky shots. I will take it up,' and he's played those fantastic shots and some fantastic knocks. And then everybody has been playing around him and everybody has done well," Kris Srikkanth said.Srikkanth felt that even the smaller contributions from the Indian players have been very important for the team in crunch situations."As a team, you need everybody. Maybe it could be Suryakumar Yadav, Rishabh Pant, it could be Hardik Pandya, even 10-12 runs from Axar Patel," Srikkanth said.The former batter lauded Rohit for using his resources right, especially in India's semi-final match against England. Srikkanth felt that bringing in Axar Patel in the powerplay and giving him two overs was a masterful move from the Indian captain.

We have moved on from our defeat in Ahmedabad: Rahul Dravid

BRIDGETOWN (BARBADOS). It's not easy being either India or South Africa on the eve of a big final. While South Africa have nothing to show in their ICC trophy cabinet but for a ICC Knockout Trophy in 1998 that most have forgotten, India's recent woes at the crunch are well documented. But Rahul Dravid, who played against the great South African side of the 1990s and was a part of Indian teams that lost big finals both as captain and coach, feels there will be no pressure of the past bothering the sides.

"I don't think teams carry the baggage of the past and know to move on from things. As we moved on from our defeat in Ahmedabad (against Australia in 2023), I am sure they have moved on from history as well. As players we understand that the other team that reaches the final is there for a reason and it has as much right to win as we have. As for Saturday, we will play our best cricket and hope the result falls on our side," Dravid said just after India had notched up a brilliant semifinal win against England.As much as Dravid tries to brush it off, the discussions around India's loss in the World Test Championship final and the ODI World Cup final keep cropping up. Asked whether India will manage to cross the line this time, Dravid smiled."I hope we do. It's good that we have been consistent. Last year we have been No. 1 in all three formats and showed a lot of consistency. If we play well and the rub of the green stays with us, we should be there.

What is the prize money for T20 world cup 2024

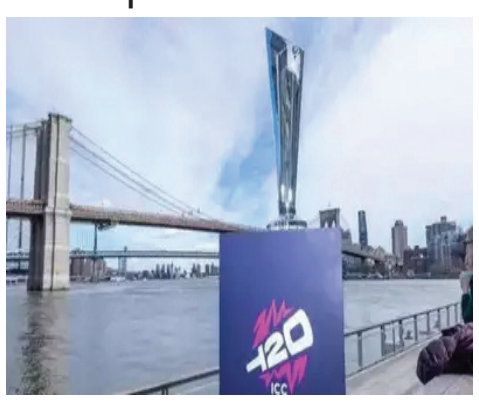

NEW DELHI. India and South Africa are set to face off in a thrilling encounter at the Kensington Oval in Barbados on Saturday, vying for the prestigious T20 World Cup 2024 championship.Fresh off a commanding 68-run triumph over the reigning champion, England, India is determined to secure its second T20 title. On the other hand, South Africa finds itself in uncharted waters, making its debut appearance in a T20 World Cup final.The victorious team will be rewarded with a substantial prize of $2.45 million, equivalent to Rs. 20.42 crore. The runner-up, while falling short of the ultimate goal, will still receive a commendable sum of $1.28 million, or Rs. 10.67 crore, which is half the amount awarded to the champion.

England and Afghanistan, the unfortunate semi finalists, will each collect $787,500, translating to Rs 6.56 crore. The ICC has allocated an unprecedented total prize pool of $11.25 million, or Rs. 93.80 crore, for this edition of the T20 World Cup.

Teams that were eliminated in the second round will receive $382,500 each, or Rs. 3.18 crore, while those placing between ninth and 12th will earn $247,500 each, or Rs. 2.06 crore. The remaining teams, ranked from 13th to 20th, will be awarded $225,000, or Rs. 1.87 crore.Moreover, each team will receive an additional $31,154 (Rs. 26 lakh) for every match won, excluding the semi finals and finals.

South Africa face Herculean task of shedding 'chokers' tag against flawless India

T20 World Cup 2024: South Africa have dominated India in tournament finals over the years. But on current form, India are in form, having also knocked defending champions England out of the competition.

New Delhi. South Africa's joy knew no bounds after they defeated Afghanistan under the floodlights on Thursday at the Brian Lara Stadium. On the legendary Dale Steyn's 41st birthday, the Proteas booked their berth in the final of the T20 World Cup 2024. Bowling the opposition out for 56, they chased down the target inside 10 overs to go into the final of an ICC event for the first time after 8 attempts since 1992. South Africa also have a chance to shed the tag of 'chokers' that has blobbed their cricket over the years.The Proteas are known for crumbling under pressure in knockout matches. However, until now, Aiden Markram's men have been incredible. Although they have found themselves in precarious positions in their last 8 matches, every other time, they found ways of pulling themselves out. South Africa began with a win over Sri Lanka, after which they struggled against Bangladesh, Nepal and the Netherlands.Thereafter, they defeated the United States comfortably, after which they again had to fight out of their skin against England. In their must-win match against West Indies, the Proteas almost made a meal of a straightforward run-chase, but Marco Jansen saved the day for them with a handy cameo down the order.The win against the Afghans would have boosted their confidence. But beating India would need a Herculean task for them as the Men in Blue would go into the game after knocking defending champions England out of the competition.

South Africa's record against India in finals

South Africa have a great record against India in the finals of a limited-overs tournament. Out of 6 matches, they have won 4 times, while 2 matches did not produce a result. In fact, India have not beaten South Africa in tournament finals in the last 28 years.

IND vs SA final: Preview

The only time the Men in Blue beat the Proteas was back in 1996 in the final of the Titan Cup at the Wankhede Stadium in Mumbai. India won the game by 35 runs after bowling the Proteas out for 185 while defending 220. Anil Kumble won the Player of the Match award for his figures of 8.2-0-25-4 after getting the wickets of Gary Kirsten, Jonty Rhodes, Pat Symcox and Allan Donald.

Come 2024, India have a great chance of defying the odds. Rohit's men are in the form of their life, having taken down teams like Australia and England without having to break a sweat. But they also cannot afford to drop their guard given South Africa's in-form players. Barbados is expected to witness an absolute cracker. So, fasten your seatbelts!

What Virat Kohli needs to improve ahead of T20 World Cup final Sunil Gavaskar explains

New Delhi. Sunil Gavaskar has asked Virat Kohli to keep his body balance right while batting ahead of the all-important T20 World Cup final between India and South Africa in Barbados on June 29, Saturday. Kohli has struggled to be amongst the runs in the ongoing edition as he has taken up a selfless approach at the top of the order. Following in the footsteps of Rohit Sharma, the star batter has looked to attack the ball from the get-go, a departure from his usual style of taking time and building an innings.The approach hasn't worked out so far as Kohil has scored just 75 runs in 7 matches. Speaking to India Today, Gavaskar had some advice for the star batter and asked him to play his shots with the same body balance. The Indian legend feels that Kohli starts to lose his balance as he is trying to power the ball away.

IND vs SA final: Preview

Gavaskar pointed to the six Kohli hit off Reece Topley during the semi-final and said how the body balance was perfect in that case and helped the India star to bring the bottom hand into play.

"As long as it ends in a win. It's a final and it will be played on a better batting surface. Like I keep saying, what Kohli has to do is just play the shots that he plays with the same body balance. When he is looking to power the ball away, then he is losing his body balance and he misses the ball. So, all that needs to do is, that six he hit (off Reece Topley). It was brilliant balance and he just flicked the ball with the bottom hand. That's all he has to do," said Gavaskar.Gavaskar also said when Kohli tries to move around a lot, his head is shaking a lot and it isn't helping him. Gavaskar said Kohli needs to chill a bit and look to play a longer innings in the final.

IND v SA, T20 World Cup Final: Prediction

When he starts to move around, the head shakes as well. And therefore, it is not helping him. This is something you see in slow-mo as well. All that he needs to do is chill a bit and play that big hand and will give India the big score," said Gavaskar.

Kohli will be a key player for the side in the final and the likes of Rahul Dravid and Rohit have backed the star batter to get back into form.

From Mumbai to Kanpur: Fans unite to pray for team India's victory in T20 World Cup 2024

New Delhi. The fans have turned devotees to pray for team India's victory in the final of the T20 World Cup 2024. From Mumbai to Uttar Pradesh, the fans are devising all the ways possible to see the men in blue lift the coveted ICC trophy that has remained elusive since 2013. There has been a fervent display of support from the Indian fans across the country, who have stood with the team through thick and thin. The excitement is palpable as India reach the summit clash and are on the verge of scripting history yet again.Fans in Uttar Pradesh's Prayagraj performed arti for team India and had kept Rohit Sharma and Virat Kohli's posters. The enthusiastic fans held the tricolour flag as the priests performed pooja. Another fan visited Siddhivinayak Temple to pray for India's win and held a Rohit Sharma poster in his hand for the arti. Many fans in Uttar Pradesh's Kanpur also paid a visit to a temple with team India's posters in their hands. Hence, the josh among fans is high as they gear up to cheer for team India in the final of T20 World Cup 2024.India will face South Africa in the final of the T20 World Cup 2024 at the Kensington Oval in Barbados on June 29, Saturday. The Indian team will look to end their title drought as they reach their 3rd straight final in an ICC event in the last year. Both India and South Africa are coming into the summit clash maintaining an unbeaten run in the tournament.

South Africa has won eight matches on the trot and India has won seven consecutive matches. The Proteas put up a dominant performance throughout the tournament to storm into the final. This is the first time they will feature in the final of a World Cup event. Meanwhile, India has suffered heartbreak in the last 2 finals of an ICC event and will look to cross the final hurdle.

Rohit Sharma not captain, No Kuldeep, Arshdeep: Cricket Australia's T20 World Cup XI

New Delhi. Cricket Australia have released their combined XI for this year's T20 World Cup 2024 and there are a few surprises in the lineup. While Rohit Sharma in the lineup, he isn't the captain of the side, while Arshdeep Singh and Kuldeep Yadav have failed to find a space in the team. Rohit, Hardik and Jasprit Bumrah are the only Indians in the lineup.As expected, the Indian captain is at the top of the order and opening alongside him is Travis Head, who recently became the No.1 T20I batter in the world. Instead of Rishabh Pant, Nicholas Pooran was given the job as the No.3 batter and as the wicketkeeper of the side. Aaron Jones, who was one of the stars for USA in the World Cup, comes in at No.4. Jones scored 162 runs in 6 matches, with his 94 in the opener being the second-highest score in the T20 World Cup so far.Marcus Stoinis and Hardik Pandya are in the side as the two main all-rounders and at No.5 and No.6 respectively. Hardik's life came a full circle during the T20 World Cup, as he has scored 139 runs and picked up 8 wickets during the 7 matches he has played. Rashid Khan was the first main spinner of the team and was selected by Cricket Australia to be the captain of the side.Rashid masterminded Afghanistan's incredible run in the T20 World Cup, which saw them defeat Australia and New Zealand to reach the semi-finals for the first time. Rashid picked up 14 wickets for Afghanistan in the tournament. The other spinner in the team was Rishad Hossain, who had edged past Kuldeep in the lineup. Rishad had 14 wickets as compared to Kuldeep's 10, but the Indian spinner played just 4 matches.

The pace lineup was led by Fazalhaq Farooqi, who picked up 17 wickets during the tournament, and India's Jasprit Bumrah. Anrich Nortje rounded off the team while Arshdeep didn't have a spot in the side. The Indian pacer is second on the highest wicket-takers list with 15 scalps to his name.

Cricket Australia's T20 World Cup XI

Rohit Sharma, Travis Head, Nicholas Pooran, Aaron Jones, Marcus Stoinis, Hardik Pandya, Rashid Khan (C), Rishad Hossain, Anrich Nortje, Jasprit Bumrah and Fazalhaq Farooqi.

T20 World Cup 2024 Final: Why Rohit Sharma-Rahul Dravid Jodi deserves a happy ending

New Delhi. It will be Rahul Dravid's last day in the office as India coach. It will also probably be Rohit Sharma's last day as India's captain in T20I cricket when the Asian giants take on South Africa in the final of the men's T20 World Cup in Barbados on Saturday, June 29. Backed by a billion dreams, the superhit Jodi is eyeing a happy ending. And it deserves one too!Yes, in sport, nobody deserves anything. Everything is won. Everything is earned. Yet, it would be just if India's 11-year-wait for an International Cricket Council (ICC) crown is ended by the leadership group of Rohit and Dravid. Joining hands in 2021, Rohit and Dravid have been through a roller-coaster, which has arguably seen Indian cricket flourish and level up."I often talk about how the process is more important than the result, the result is just a by-product of the process. But in today's world, we are so focused on the byproduct that we get away from the process. So take care of the process, all the small things and eventually you will get the desired result. We often complain that we should have gotten more as a result but actually, we got whatever we had prepared for." These are the words of the man who last led the Indian cricket team an an ICC title -- MS Dhoni.

Rohit Sharma and Rahul Dravid have taken good care of the processes, especially after the debacle of the 2022 T20 World Cup. When Dravid took over as the head coach of the team in 2021, he was looked at as a messiah. It marked the end of an era in which the white-ball team looked vulnerable and lacked the air of invincibility that the team run by the richest cricket board should've had. The early exit in the T20 World Cup 2021 and the debacle of the 2019 semifinal made it clear that Indian white-ball cricket needed course correction.

THE CHANGE IN MINDSET

It was in their first series as captain and coach that Rohit and Dravid showed glimpses of what was to come. Rohit deviated from his usual style of starting cautiously and then accelerating toward the end. Rohit began in fifth gear in a T20I series against New Zealand in November 2021. The approach showcased that India were willing to change, and India was given the freedom to play without the fear of failure.

Yes, the approach took time to become the team's DNA. Captain Rohit Sharma took on the onus of leading from the front. Unlike his predecessors Virat Kohli and MS Dhoni, Rohit took over as captain at the latter stage of his cricket career. Unlike Rohit, Both Dhoni and Kohli had the luxury of having senior pros oversee the transition process. Rohit did not have the opportunity to mould a squad from scratch. He had relatively very little team to produce results.Rohit decided he would show the way. The prodigiously talented batter was the personification of the shift in attitude in the dressing room. Rohit started to care less about milestones. He wanted to take the slam-bang approach. In 117 T20Is before he first played under head coach Rahul Dravid, Rohit had scored 3086 runs at a strike rate of 139.51 an average of 32.82. He hit 4 hundreds and 24 fifties in the said period. Since joining hands with coach Dravid, Rohit has scored 1184 runs in 42 T20Is at a strike rate of 144.03 and an average of 31.15. He has hit only one hundred and 8 fifties.

Yes, the approach took time to perfect. Rohit was guilty of throwing it away quite a few times. There was constant outside noise, and it showed in the way he froze in the semifinal of the T20 World Cup in 2022 -- 27 off 28 in a total of 168 which was chased down with 10 wickets and four overs to spare by England on a good batting strip in Adelaide.

PERFECTING THE ART

Cut to 2023, Rohit Sharma was a different beast in the ODI World Cup at home. He scored 597 runs at a strike rate of 125 in ODI cricket, taking down opposition bowlers and instilling fear in their minds. Rohit stuck to the guns even in the big final against Australia. Yes, it did not come off but not many would argue against the approach that the India captain took on November 19. For a brief while, when Rohit was pummelling the Australian new ball bowlers in Ahmedabad, we all dreamed, didn't we.

Ariyana Glory

Shares Glimpses From Her Escapade Into The Wild

Bigg Boss Telugu 4 fame Ariyana Glory is one of internet's favourites. The influencer is known for her social media presence, where she frequently shares her stunning looks and glimpses of her personal life. In her recent post, the actress is seen relaxing amid nature. Ariyana shared a series of images on Instagram, from a place best described as an absolute heaven. In the first photo, she stands at the edge of a dark pool, half immersed, gazing at the stunning scene in front of her. The following photos show her in a thin strapped, pink bralette tailored with an elaborate neckline. It is paired with simple black pants. She takes a short swim in the heart-shaped pool, installed in front of a gorgeous foggy hill. She has captioned the post, "Nature and feels," with a heart emoticon.

\Fans express their love towards Ariyana Glory in the comments. The first user wrote, "So sexy." A second user asked, "Where is this place? looks amazing." A third fan shared, "We are expecting more pics like this." Fans dropped heart and heart-eye emoticons to show their support. The post has gained thousands of likes on the platform so far.0-Earlier in January, Ariyana Glory went viral for her breathtaking look, where she was flaunting her fit physique. She was seen in a black bralette, which was paired with a black, floral printed palazzo. Ariyana confidently posed for the camera, relaxing on the poolside or casually leaning on the railing.

Ariyana Glory started her career through anchoring and eventually gained fame with the comedy show Kirak Comedy, which premiered on Gemini TV in 2017. In 2020, she gained notable fame from her participation in Bigg Boss Telugu season 4.In 2021, she appeared in the film Anubhavinchu Raja, which is directed and written by Sreenu Gavireddy. It starred Raj Tarun, Kasish Khan and Ajay as the leads. Supriya Yarlagadda is the producer.

Kareena Kapoor

Clicks Perfect Italian Selfie During Her Europe Vacay With Saif Ali Khan

Kareena Kapoor has been on a roll recently with back-to-back social media posts highlighting her Europe vacation with hubby Saif Ali Khan and kids Taimur and Jeh. Her next destination after London seems to be Italy, as hinted by her latest post.Taking to her Instagram handle, Kareena Kapoor shared a mirror selfie in which she can be seen donning a funky white top which she paired with a white palazzo. In the backdrop there is a white sofa that complimented her outfit perfectly. Meanwhile, Kareena Kapoor can be seen smiling like a diva in black sunglasses. She wrote the caption, "The Italian Selfie(white heart emoji and eyes emoji)".Only yesterday, Kareena Kapoor took to her Instagram handle and shared a bunch of sun-kissed selfies from a sandy beach in London. The actress can be seen donning a blue outfit, along with black sunglasses. However, in one of the pictures, we can see a shirtless Saif Ali Khan, walking unbeknownst to Kareena's cellphone camera. Kareena humorously wrote the caption, "For me, it's the one with the photobomber."

Kareena Kapoor Khan is currently vacationing in London. She was joined by her husband Saif Ali Khan and their kids, Taimur and Jeh. The picture-perfect family and their vacation diaries have all of us hooked to our Instagram handles. Just recently, the Crew actress delighted her fans with a sneak peek of her day out with her adorable son, Taimur.

While enjoying a sunny day on a London beach, the doting mother Kareena Kapoor Khan made sure to capture the precious moments. On her Instagram handle, she shared a picture of Taimur as he indulged in some playful moments. Dressed in orange shorts, the elder son of Kareena and Saif looked too cute in the snapshot. Along with the picture, she wrote, "Run baby Run," followed by a red heart and a rainbow emoji.Work-wise, Kareena Kapoor Khan's last appearance was in Crew. Directed by Rajesh A Krishnan, the film also featured Tabu and Kriti Sanon in the lead roles. The heist comedy received rave reviews from the audience for its engaging storyline. Next, the actress is geared up to be seen in Rohit Shetty's highly-anticipated, Singham Again. The star-studded cast includes Ajay Devgn, Deepika Padukone, Ranveer Singh, Tiger Shroff, Arjun Kapoor, and Jackie Shroff in pivotal roles. Earlier, the film was expected to hit the theatres on Independence Day. Now, it has been postponed to release on Diwali later this year.

Bad Newz Trailer: Vicky Kaushal, Triptii Dimri, and Ammy Virk Promise a Perfect Mix of Laughter and Emotion

Vicky Kaushal starrer Bad Newz' trailer just dropped and fans are excited to watch him on screen with Triptii Dimri and Ammy Virk for the first time. The film comes from the makers of Good Newwz – which featured Akshay Kumar, Kareena Kapoor Khan, Kiara Advani and Diljit Dosanjh – and promises the same fun and emotional journey.With Vicky Kaushal, Triptii Dimri and Ammy Virk in the mix, the film promises to be packed with comedy and even scenes that will leave you teary-eyed. Watch the trailer here:

The upcoming entertainer is being helmed by Bandish Bandits fame director Anand Tiwari. The film is a Dharma Productions venture. Last year, several photos of Vicky Kaushal and Triptii Dimri went viral when they were shooting in Croatia. In the pictures, Vicky Kaushal was seen holding Triptii close as they shot for a song. In one of the photos, the actor was also seen lifting the Animal star in his arms. The film will be released in theatres on July 19.

Meanwhile, Triptii Dimri is currently enjoying the success of Animal. Released in December 2023, the film also starred Ranbir Kapoor in the lead. Triptii's chemistry with Ranbir in the movie was widely loved by all.

Apart from Bad Newz, she will also be seen in Kartik Aaryan's Bhool Bhulaiyaa 3. Triptii has also shot for Vicky Aur Vidya Ka Voh Wala Video with Rajkummar Rao. She is likely to be seen in Aashiqui 3 with Kartik Aaryan.Vicky Kaushal on the other hand was last seen in Sam Bahadur. Apart from Bad Newz, he will also be seen in Chhava. The film is reported to be a period drama, where Kaushal will share the screen with Rashmika Mandanna. The film is expected to delve into Sambhaji Maharaj's bravery, sacrifice, and wartime strategies while incorporating an emotional love story between him and his wife.

Hina Khan Cancer Diagnosis: Ankita Lokhande Wishes Strength, Gauahar Khan Sends 'Duas'

Hina Khan recently opened up about her battle with breast cancer. The actress has been diagnosed with stage three breast cancer. On Friday, the actress took to her Instagram handle to share the heartbreaking news with her fans. She shared that her treatment has already begun and assured all that she is "doing well". Hina further mentioned that she would emerge strong as she also asked her fans to pray for her.Now, the actress has been receiving an outpouring of support from the industry. Celebs like Ankita Lokhande and Gauahar Khan have come forward to offer their heartfelt messages, wishing her strength and sending prayers. Ankita Lokhande wrote, "Hina u r stronger than this that's it girl!!! This shall too pass !! Sending love and lots of strength to you right away ?? God bless you."Jennifer Winget on the other hand wrote, "I truly believe in your ability to overcome this challenge..stay strong and keep believing in your resilience Hina..sending lots of love. ". Karishma Tanna on other hand wrote, "You are a strong girl. And you will come out stronger . I know it Sending you all the loves and luck and prayers ??."

Mouni Roy's comment read, "As unbelievable as this is, I know you ll fight it and come out stronger. You are one of the strongest person I know. Praying for your recovery earnestly. All my love ." Nupur Sanon on the other hand wrote, "Stay strong hina. You're a fighter and we've all seen that. You'll come out of this strongly and beautifully. Praying for your earliest recovery. Lots of love and strength your way??."

\Hello Everyone, To address the recent rumour, I want to share some important news with all the Hinaholics and everyone who loves and cares for me. I have been diagnosed with stage three breast cancer. Despite this challenging diagnosis, I wish to reassure everyone that I am doing well. I am strong, determined and fully committed to overcoming this disease. My treatment has already begun and I am ready to do everything necessary to emerge from this even stronger," Hina wrote.